



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 17]

नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 26, 1975/ वैशाख 6, 1897

No. 17]

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 26, 1975/VAISAKHA 6, 1897

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह खलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय की छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों की छोड़कर)

केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India  
(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities  
(other than the Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

आदेश

नई दिल्ली, 29 मार्च, 1975

के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[संख्या महा-वि० सं०/212/74(उप)(61)]

श्री० नागसुब्रमण्यन, सचिव,

का०आ० 1269.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1974 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के निर्वाचन के लिए 212-करमाला निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री त्रिम्बाके सदाशिव एकनाथ भवानी, पेट, करमाला, जिला शोलापुर (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्दीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री त्रिम्बाके सदाशिव एकनाथ को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद्

## ELECTION COMMISSION OF INDIA ORDER

New Delhi, the 29th March, 1975

S.O. 1269.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Trimbake Sadashiv Ekanath, Bhavani Peth, Karmala, District Sholapur (Maharashtra), a contesting candidate for bye-election to the Maharashtra Legislative Assembly held in March, 1974 from 212-Karmala constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

(1591)

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Trimbake Sadashiv Ekanath to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/212/74(Bye) (61)]  
V. NAGASUBRAMANIAN, Secy.

आदेश

नई दिल्ली 1 अप्रैल, 1975

क्रा० प्रा० 1270.—यत्, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि करवरी, 1974 में हुए उड़ीसा, विधान सभा के निर्वाचन के लिये 137-राजगंगपुर (अजजा) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री नेगी निकोलस लकड़ा ग्राम बुचकुपाडा, पञ्जाय मालीडीही, जिला सुन्दरगढ़ (उड़ीसा), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्वीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा वाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यत्, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण प्रस्तावित नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या व्यापारिक नहीं है ;

यत्, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री नेगी निकोलस लकड़ा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

[सं० उड़ीसा वि० सं०/137/74]

## ORDER

New Delhi, the 1st April, 1975

S.O. 1270.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Negi Nicholas Lakra, Village-Buchkupada, P.O.—Malidihi District Sundargarh (Orissa), a contesting candidate for election to the Orissa Legislative Assembly from 137-Baigangpur (ST) constituency, held in February, 1974, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure.

Now, therefore, in pursuance of section 10 A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Negi Nicholas Lakra to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. OR-LA/137/74]

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1975

क्रा० प्रा० 1271.—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13 क की उप-धारा (1) तथा जम्मू-कश्मीर

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1957 की धारा 74 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत निर्वाचन आयोग जम्मू-कश्मीर सरकार के परामर्श से श्री एस० ए० एस० कादीरी के स्थान पर हाकिम सादुद्दीन, आई० ए० एस० को उनके कार्य भार सम्भालने की तारीख से अगले आदेश तक जम्मू-कश्मीर राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में एतद्वारा नामनिर्दिष्ट करता है।

[सं० 54/ज० क०/75]

ए० एन० सैन, अधिकारी,

New Delhi, the 5th April, 1975

S.O. 1271.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950) and sub-section (1) of section 7 A of the Jammu & Kashmir Representation of the People Act, 1957, the Election Commission of India, in consultation with the Government of Jammu & Kashmir, hereby nominates Hakim Saad-ud-din, I.A.S. as the Chief Electoral Officer for the State of Jammu & Kashmir with effect from he takes over charge and until further orders vice Shri S.A.S. Qadiri.

[No. 154/J&K/75]

A. N. SEN, Secy.

बिधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 14 अप्रैल, 1975

क्रा० प्रा० 1272.—एकाधिकार एवं निबन्धनकारी व्यापार प्रथा अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उप-धारा (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा वि इण्डियन आयर्न एण्ड स्टील कम्पनी लिमिटेड के कथित अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकरण (पंजीकरण-प्रमाण-पत्र संख्या 174/1970 दिनांक 20-10-1970) के निरस्तीकरण की अधिसूचित करती है।

संख्या 2/19/74-एम०-2]

वेद प्रकाश उप्पल, अवर सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS  
(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 14th April, 1975

S.O. 1272.—In pursuance of sub-section (3) of section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of M/s. Indian Iron & Steel Co. Ltd. under the said Act (certificate of registration Number 174/70 dated the 22nd October, 1970).

[No. 2/19/74-M. II]

V. P. UPPAL, Under Secy.

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 16 अप्रैल, 1975

क्रा० प्रा० 1273.—आन्तरिक सुरक्षा अनुसंधान अधिनियम, 1971 (1971 का 26) की धारा 9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिये एक सलाहकार बोर्ड का गठन करती है जिसमें निम्नलिखित होंगे:—

- (1) श्री एस० के० दत्त, कुलपति, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ।
- (2) श्री ए० एस० खोंगफाइ, बी०एल०, एडवोकेट ।
- (3) श्री एम० एच० खान, सचिव, नागालैंड सरकार, विधि तथा संसदीय कार्य विभाग,

और श्री एस० के० दत्त, कुलपति, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय को इस बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त करती है ।

[सं० 2-15011/16/75-एस०एण्ड पी० (बी-2)]

ए० सी० सेन, उप सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 16th April, 1975

S.O. 1273.—In exercise of the powers conferred by section 9 of the Maintenance of Internal Security Act, 1971 (26 of 1971), the Central Government hereby constitutes an Advisory Board for the purposes of the said Act consisting of—

- (1) Shri S. K. Dutta, Vice-Chancellor, Kurukshetra University.
- (2) Shri A. S. Khongphai, B. L., Advocate.
- (3) Shri M. H. Khan, Secretary to the Government of Nagaland, Department of Law and Parliamentary Affairs,

and appoints Shri S. K. Dutta, Vice-Chancellor, Kurukshetra University to be its Chairman.

[No. II/15011/16/75-S&amp;P (D-II)]

A. C. SEN, Dy. Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व और बीमा विभाग)

नई दिल्ली, 11 मार्च, 1975

आयकर

क्रा० प्रा० 1274.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 194-क की उपधारा 3 के खंड (iii) के उपखंड (च) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, स्टील प्राथॉरिटी आफ इण्डिया, लिमिटेड को उक्त उपखंड के प्रयोजन के लिये अधिसूचित करती है ।

[सं० 855 (फा० सं० 275/13/75-आई० टी० ज०)]

के० राघवन, उप-सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue &amp; Insurance)

New Delhi, the 11th March, 1975

Income-Tax

S.O. 1274.—In pursuance of sub-clause (f) of clause (iii) of sub-section 3 of Section 194-A of the Income-tax Act,

1961 (43 of 1961) the Central Government hereby notifies the Steel Authority of India Ltd., New Delhi for the purposes of the said sub-clause.

[No. 855 (F. No. 275/13/75-ITJ)]

K. R. RAGHAVAN, Dy. Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1975

स्टाम्प

क्रा० प्रा० 1275.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कन्द्रीय सरकार उस शुल्क, जो तमिलनाडु हाउसिंग बोर्ड द्वारा दिसम्बर, 1973 में जारी किए जाने वाले एक सौ और दस लाख रुपये के स्टॉक प्रमाणपत्रों और बचतपत्रों के रूप में डिबेंचरों पर उक्त अधिनियम के अधीन प्रभावी हैं, छूट देती है ।

[सं० 11/75-स्टाम्प/फा० सं० 471/12/75-सीमा-शुल्क 7]

डी० के० आचार्य, प्रवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 15th April, 1975

STAMPS

S.O. 1275.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the debentures in the form of stock certificates and promissory notes of the value of one hundred and ten lakhs of rupees to be issued by the Tamil Nadu Housing Board in December, 1973, are chargeable under the said Act.

[No. 11/75-Stamp/F. No. 471/12/75-Cus. VII]

D. K. ACHARYA, Under Secy.

रिजर्व बैंक आफ इंडिया

(लेखा और व्यय विभाग)

बम्बई, 7 अप्रैल, 1975

शुद्धि-पत्र

क्रा० प्रा० 1276.—दिनांक 1 मार्च, 1975 के भारत के राजपत्र के भाग II, खंड 3, उप खंड (ii) (अंग्रेजी में प्रकाशित) में 7 फरवरी, 1975 को समाप्त हुए सप्ताह के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के इस विभाग के कार्यकलाप के विवरण में निम्नलिखित शुद्धि कर ली जाये। पृष्ठ 752 पर "विदेशी प्रतिभूतियों" के सामने दर्शाये गये रु० 6169, 37,67,000 को रु० 6159,37,67,000 पढ़ा जाए।

[सं०: जीएन० सं० 479/4-74/75]

RESERVE BANK OF INDIA

(Department of Accounts and Expenditure)  
(Central Office)

Bombay, the 7th April, 1975

CORRIGENDA

S.O. 1276.—In the statement of Affairs (published in English) of the Reserve Bank of India, Issue Department as on the 7th February, 1975 published in part II, section 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India dated 1st March, 1975, the following corrigendum may be noted on page 752, the figure Rs. 6169,37,67,000 shown against "foreign Securities" may be read as Rs. 6159,37,67,000.

[Ref. Gen. No. 479/4-74/75]

का० आ० 1277.—दिनांक 1 मार्च 1975 के भारत के राजपत्र के भाग II खंड 3, उप-खण्ड (ii) में (हिन्दी में प्रकाशित) 7 फरवरी, 1975 को समाप्त हुए सप्ताह के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप के विवरण में निम्नलिखित शुद्धि कर ली जाए। पृष्ठ 752 पर (ख) बैंक मद सं० (iv) "अन्य बैंक" के सामने दर्शाये गये रु० 1,62,76,000 को रु० 1,62,66,000 पढ़ा जाए।

[संशोधन जीएन० सं० 480/4-74/75]

भववीय,  
हस्ता: अपठनीय  
कृते मुख्य लेखाकार

S.O. 1277.—In the statement of Affairs (published in Hindi) of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 7th February, 1975 published in part-II, Section-3, Sub-section (ii) of the Gazette of India dated 1st March, 1975, the following corrigendum may be noted on page 752, the figure Rs. 1,62,76,000 shown against (b) Banks item No. (IV) "Other Banks" may be read as Rs. 1,62,66,000.

[Ref. Gen. No. 480/4-74/75]

Yours faithfully,  
Sd/- Illegible,  
for Chief Accountant.

(बैंकिंग विभाग)

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 1975

का० आ० 1278.—सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों को बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित सारणी के कालम (1) में लिखित अधिकारियों को, जो सरकार के राजपत्रित अधिकारी के ओहदे के बराबर के अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिये सम्पत्ति अधिकारी नियुक्त करती है। इन अधिकारियों को उक्त सारणी के कालम 2 में निर्धारित सरकारी स्थानों के सम्बन्ध में उक्त अधिनियम द्वारा प्रथवा उसके अन्तर्गत प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करना होगा और उक्त अधिनियम द्वारा प्रथवा उसके अन्तर्गत सौंपे गये कार्य करने होंगे।

सारिणी

अधिकारी का पदनाम	सरकारी स्थान की श्रेणियां
(1)	(2)
बिधि अधिकारी, सिंडीकेट बैंक, मुख्य कार्यालय, मनीपाल (कनाटक राज्य)	सिंडीकेट बैंक के स्थान प्रथवा उसके द्वारा प्रथवा उसकी ओर से पढ़े पर लिए गये प्रथवय अधिग्रहीत भारत में कहीं भी अवस्थित स्थान।

[सं० 7(9)-बी०ओ० 3/74]

मे०भा० उसगांवकर, अध्वर सचिव

(Department of Banking)

New Delhi, the 11th April, 1975.

S. O. 1278.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column (1) of the Table below, being an officer equivalent to the rank of a gazetted officer of Government, to be Estate Officer for the purposes of the said Act, who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on the estate officers by or under the said Act in respect of the public premises specified in column (2) of the said Table.

TABLE

Designation of the Officer	Catogories of public premises
(1)	(2)
The Law Officer, Syndicate Bank, Head Office, Manipal, (Karnataka State).	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of Syndicate Bank and situated in any part of India.

[No. 7(9)-B. O. III/74]

M. B. USGAONKAR,  
Under Secy.

नई दिल्ली, 4 अप्रैल, 1975

का० आ० 1279.—बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन और अन्तरण) अधिनियम 1970 (1970 का 5) की धारा 7 की उप-धारा 1 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा निर्धारित करती है कि सेंट्रल बैंक ऑफ इण्डिया का प्रधान कार्यालय चन्द्रमुखी, नैरीमन प्वाइंट बम्बई में होगा।

[सं० एफ० 12/27/74-बी०ओ० 1]

New Delhi, the 4th April, 1975

S.O. 1279.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 (5 of 1970), the Central Government hereby specifies that the head office of Central Bank of India shall be at Chander Mukhi, Nariman Point, Bombay.

[No. F. 12/27/74-BO. I]

## रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया

(ईशू विभाग)

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 1975

का०प्रा० 1280.—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के अनुसरण में अप्रैल, 1975 के 4 दिनांक को समाप्त हुए सप्ताह के लिये लेखा ईशू विभाग

देयताएं	रुपये	रुपये	आस्तियां	रुपये	रुपये
बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट	24,17,94,000		सोने का सिक्का और बुलियन :—		
			(क) भारत में रखा हुआ	182,52,58,000	
			(ख) भारत के बाहर रखा हुआ	..	
संचलन में नोट	6305,42,55,000		विदेशी प्रतिभूतियां	121,73,97,000	
			जोड़		304,26,55,000
जारी किये गये कुल नोट		6329,60,49,000	रुपये का सिक्का		9,97,36,000
			भारत सरकार की रुपया प्रति-		
			भूतियां		6015,36,58,000
			देशी विनिमय बिल और दूसरे		
			वाणीज्य-पत्र		..
कुल देयताएं		6329,60,49,000	कुल आस्तियां		6329,60,49,000

दिनांक : 9 अप्रैल 1975

एस० जगन्नाथन गर्बनर

4 अप्रैल 1975 को भारतीय रिजर्व बैंक के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप का विवरण

देयताएं	रुपये	आस्तियां	रुपये
1	2	3	4
चुक्ता पूंजी	5,00,00,000	नोट	24,17,94,000
प्रारक्षित निधि	150,00,00,000	रुपये का सिक्का	3,65,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि	284,00,00,000	छोटा सिक्का	4,55,000
		खरीदे और भुनाये गये बिल	
राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्विचरीकरण) निधि	95,00,00,000	(क) देशी	190,09,77,000
		(ख) विदेशी	...
राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि	265,00,00,000	(ग) सरकारी खजाना बिल	540,26,29,000
		विदेशों में रखा हुआ बकाया*	518,01,55,000
असाराणियां:—		निवेश **	328,86,54,000
(क) सरकारी		ऋण और अग्रिम :—	
(i) केन्द्रीय सरकार	186,89,70,000	(i) केन्द्रीय सरकार को	
(ii) राज्य सरकारें	5,59,60,000	(ii) राज्य सरकारों को	237,81,69,000
(ख) बैंक		ऋण और अग्रिम :—	
(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक	495,47,87,000	(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को	388,84,74,000
(ii) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	21,28,51,000	(ii) राज्य सहकारी बैंकों को	369,08,97,000
(iii) गैर अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	1,76,03,000	(iii) दूसरों को	27,31,40,000
(iv) अन्य बैंक	72,74,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण,	
		अग्रिम और निवेश	
		(क) ऋण और अग्रिम :—	
		(i) राज्य सरकारों को	70,00,05,000
		(ii) राज्य सहकारी बैंकों को	14,44,60,000
		(iii) केन्द्रीय भूमिबंधक बैंकों को	..
		(iv) कृषि पुनर्वित्त निगम को	70,70,00,000

1	2	3	4
(ग) अन्य	694,98,39,000	(ख) केन्द्रीय भूमिबंधक बैंकों के डिबेंचरों में निवेश राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अग्रिम	10,87,96,000
देय बिल	237,98,69,000	राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अग्रिम राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश	39,32,56,000
		(क) विकास बैंक को ऋण और अग्रिम	270,05,56,000
		(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांडों/डिबेंचरों में निवेश	..
अन्य देयताएं	853,85,78,000	अन्य भास्तिता	197,59,49,000
रुपये	3297,57,31,000	रुपये	3297,57,31,000

\*नकदी, आबधिक जमा और अल्पकालीन प्रतिभूतियां शामिल हैं।

\*\*राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि और राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि में से किये गये निवेश शामिल नहीं हैं।  
†राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से प्रवर्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं, परन्तु राज्य सरकारों को दिये अल्पकालीन ऋण/डिबेंचर शामिल हैं।

‡भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम की धारा 17(4) (ग) के अधीन अनुसूचित शाण्ड्य बैंकों को मीयादी बिलों पर अग्रिम दिये गये 217,31,74,000 रुपये शामिल हैं।

@राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि और राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से प्रवर्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं।

दिनांक: 9 अप्रैल, 1975

एस० जगन्नाथ, गवर्नर

[सं० 10(1)/75-बी० ओ०-1]

ब० ब० मीरचन्दानी, प्रवर सचिव

### RESERVE BANK OF INDIA

S.O.1280:—An Account pursuant to the RESERVE BANK OF INDIA ACT, 1934, for the week ended 4th day of April, 1975.

New Delhi, the 11th April, 1975

Issue Department

LIABILITIES	Rs.	Rs.	ASSETS	Rs.	Rs.
Notes held in the Banking Department. . . . .	24,17,94,000		Gold Coin and Bullion:—		
Notes in circulation . . . . .	6305,42,55,000		(a) Held in India . . . . .	182,52,58,000	
Total Notes issued . . . . .		6329,60,49,000	(b) Held outside India . . . . .	..	
			Foreign Securities . . . . .	121,73,97,000	
			Total . . . . .		304,26,55,000
			Rupee Coin . . . . .		9,97,36,000
			Government of India Rupee Securities. . . . .		6015,36,58,000
			Internal Bills of Exchange and other commercial paper . . . . .		..
Total Liabilities . . . . .		6329,60,49,000	Total Assets . . . . .		6329,60,49,000

Dated : 9th April, 1975

S. JAGANNATHAN, Governor.

## Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 4th April, 1975

LIABILITIES	Rs.	ASSETS	Rs.
Capital paid Up . . . . .	5,00,00,000	Notes . . . . .	24,17,94,000
		Rupce Coin . . . . .	3,65,000
Reserve Fund . . . . .	150,00,00,000	Small Coin . . . . .	4,55,000
National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund . . . . .	284,00,00,000	Bills Purchased and Discounted:—	
		(a) Internal . . . . .	190,09,77,000
		(b) External . . . . .	
		(c) Government Treasury Bills . . . . .	540,26,29,000
National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund . . . . .	95,00,00,000	Balances Held Abroad* . . . . .	518,01,55,000
		Investments** . . . . .	328,86,54,000
		Loans and Advances to:—	
National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund . . . . .	265,00,00,000	(i) Central Government . . . . .	..
		(ii) State Governments @ . . . . .	237,81,69,000
		Loans and Advances to:—	
Deposits:—		(i) Scheduled Commercial Banks† . . . . .	388,84,74,000
(a) Government		(ii) State Co-operative Banks†† . . . . .	369,08,97,000
(i) Central Government . . . . .	186,89,70,000	(iii) Others . . . . .	27,31,40,000
(ii) State Governments . . . . .	5,59,60,000	Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund.	
(b) Banks		(a) Loans and Advances to	
(i) Scheduled Commercial Banks . . . . .	495,47,87,000	(i) State Governments . . . . .	70,00,05,000
(ii) Scheduled State Co-operative Banks . . . . .	21,28,51,000	(ii) State Co-operative Banks . . . . .	14,44,60,000
(iii) Non-Scheduled State Co-operative Banks . . . . .	1,76,03,000	(iii) Central Land Mortgage Banks . . . . .	..
(iv) Other Banks . . . . .	72,74,000	(iv) Agricultural Refinance Corporation . . . . .	70,70,00,000
(c) Others . . . . .	694,98,39,000	(b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures . . . . .	10,87,96,000
Bills Payable . . . . .	237,98,69,000	Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	
Other Liabilities . . . . .	853,85,78,000	Loans and Advances to State Co-operative Banks . . . . .	39,32,56,000
		Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	
		(a) Loans and Advances to the Development Bank . . . . .	270,05,56,000
		(b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank . . . . .	..
		Other Assets . . . . .	197,59,49,000
RUPEES . . . . .	3297,57,31,000	RUPEES . . . . .	3297,57,31,000

\*Includes Cash, Fixed Deposits and Short-term Securities.

\*\*Excluding Investments from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund.

@Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund, but including temporary overdrafts to State Governments.

†Includes Rs. 217,31,74,000/- advanced to scheduled commercial banks against usance bills under Section 17 (4) (c) of the Reserve Bank of India Act.

††Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund.

Dated the 9th day of April 1975.

S. JAGANNATHAN, Governor

[No. F. 10(1)/75- B.O. 1]

C. W. MIRCHANDANI, Under Secy.

(Department of Expenditure)

New Delhi, the 7th February, 1975

**S.O. 1281.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution and of all other powers enabling him in this behalf, the President, after consultation with the Comptroller and Auditor General of India in respect of persons employed in the Indian Audit and Accounts Department hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, namely:—

1. (1) These rules may be called the Central Civil Services (Pension) (Amendment) Rules, 1975.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, in rule 5, for clause (2) the following shall be substituted, namely:—

“(2) The day on which a Government servant retires or is retired or is discharged or is allowed to resign from service, as the case may be, shall be treated as his last working day. The date of death shall also be treated as a working day.”

[No. 7(1)-E V (A)/74]

New Delhi, the 7th April, 1975

**S.O. 1282.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution, and of all other powers enabling him in this behalf, the President, after consultation with the Comptroller and Auditor General of India in respect of persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, hereby makes the following rules further to amend the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960, namely:—

1. (1) These rules may be called the General Provident Fund (Central Services) Second Amendment Rules, 1975.

- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette;

2. In the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960, in the Fifth Schedule, in paragraph 2, after the entry “Vice-Presidents, Income-Tax Appellate Tribunal”, the following entry shall be inserted, namely:—

“Officer on Special Duty or Deputy Director in the Field Organisation Division of the National Sample Survey Organisation in respect of Class-III and Class-IV staff under him”.

[No. Q. 24017/2/75-EV(B)]

New Delhi, the 10th April, 1975

**S.O. 1283.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution and, after consultation with the Comptroller and Auditor General in relation to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, namely:—

1. (1) These rules may be called the Central Civil Services (Pension) (Third Amendment) Rules, 1975.

- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972 (hereinafter referred to as the said rules),—

- (a) in rule 40 for the words “full invalid pension” the words “full compensation pension” shall be substituted;

- (b) in sub-rule (1) of rule 41 for the words “invalid pension”, the words “compensation pension” shall be substituted.

3. In form 6 of the said rules, in clause (b) of item 4, the words “of Rs.———” shall be omitted.

[No. Q-18011/2/75-EV(A)]

S. S. L. MALHOTRA, Under Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 7 मार्च, 1975

**क्रा० प्रा० 1284.**—चाय अधिनियम, 1953 (1953 का 29) की धारा 4 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्री टी० एस० ब्रोका, आई० ए० एस०, की 2500-2750 रु० के वेतनमान में 25 फरवरी, 1975 से प्रागामी आदेश जारी होने तक के लिए चाय बोर्ड के चेयरमैन के पद पर एतद्द्वारा नियुक्त करती है।

[सं० के० 12014(1)/72-प्लांट (ए)]

बी० पी० माथुर, उप सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 7th March, 1975

**S.O. 1284.**—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (3) of Section 4 of the Tea Act, 1953 (No. 29 of 1953) the Central Government hereby appoints Shri T. S. Broca, I.A.S. to the post of Chairman, Tea Board with effect from 25th February, 1975 in the scale of Rs. 2500-2750 until further orders.

[No. K. 12014(1)/72-Plant(A)]

B. P. MATHUR, Deputy Secy.

नई दिल्ली, 15 अप्रैल 1975

**क्रा० प्रा० 1285.**—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण तथा निरीक्षण) नियम 1964 के नियम 3 के साथ पठित निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण तथा निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० क्रा० प्रा० 16 दिनांक 1 जनवरी 1975 में एतद्द्वारा निम्नोक्त संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में क्रमांक 9 तथा 10 के स्थान पर निम्नोक्त प्रतिस्थापित किया जाये, अर्थात्:—

- (1) 9. श्री ए० आर० भाट, संस्थापक अध्यक्ष, फेडरेशन आफ एसोसियेशन आफ स्माल इंडस्ट्रीज।

- (2) 10. अध्यक्ष, सी फूड एक्सपोर्ट्स एसोसिएशन, कोचीन।

[क्रा० सं० 3(58)/74-ई० आई० एंड ई० पी०]

के० बी० बालसुब्रह्मण्यम, उप-निदेशक



New Delhi, the 15th April, 1975

**S.O. 1285.**—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Export (Quality Control & Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) read with Rule 3 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964 the Central Government hereby makes the following amendment in the Notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S. O. 16 dated the 1st January, 1975, namely :—

In the said notification for S. Nos. 9 and 10 the following shall be substituted namely :—

- (i) 9. Shri A. R. Bhat, Founder President, Federation of Association of small Industries,
- (ii) 10. President, Seafood Exporters Association, Cochin.

[F. No. 3(58)/74-EI&EP]

K. V. BALASUBRAMANIAM, Deputy Director

(मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय)

आदेश

नई दिल्ली, 10 अप्रैल, 1975

**क्र० प्रा० 1286.**—सर्वश्री इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कंप्यूटर्स (इण्डिया) लि०, ए-19, मेरठ रोड, इन्डस्ट्रियल एरिया, गाजियाबाद को सामान्य मुद्रा क्षेत्र के अन्तर्गत फालतू वस्तुओं के आयात के लिए 44,000 रुपए मात्र का आयात लाइसेंस सं० पी/डी/2190515/सी०/एक्स/एक्स/44/एच/33-34/रेडियो, दिनांक 27-7-72 स्वीकृत किया गया था।

2. फर्म ने उक्त लाइसेंस की अनुलिपि मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि लाइसेंस की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति उन के द्वारा अस्थानस्थ हो गई है। लाइसेंसधारी द्वारा आगे यह प्रतिवेदन किया गया है कि लाइसेंस नई दिल्ली सीमाशुल्क कार्यालय में पंजीकृत करवाया गया है। मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति का 29,503 रुपए के लिए उपयोग कर लिया गया है और अब अनुलिपि मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की आवश्यकता शेष 14,497 रुपए को पूरा करने की है।

3. अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि लाइसेंस सं० पी०/डी०/2190315 दिनांक 27-7-74 की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति अस्थानस्थ हो गई है और आवेदक को उक्त लाइसेंस की अनुलिपि मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति जारी की जानी चाहिए। लाइसेंस की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति रद्द की जाती है।

4. लाइसेंस की अनुलिपि मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति भ्रम से जारी की जा रही है।

[म० रेडियो/33(1)/71-72/प्रा० एम०-2]

आई० बी० जनकत, उप-मुख्य नियंत्रक,  
रुने मुख्य नियंत्रक।

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS  
AND EXPORTS

ORDER

New Delhi, the 10th April, 1975

**S.O. 1286.**—M/s. Electronics & Computers (India) Ltd., A-19, Meerut Road, Industrial Area, Ghaziabad, were granted Import Licence No. P/D/2190515/C/XX/44/H/33-34/  
11 G I/75—2

Radio, dated 27-7-72 for import of Spare parts valued at Rs. 44,000 only under G.C.A.

2. The firm have requested for the issue of a duplicate Exchange Control Copy of the above said licence on the ground that the original Exchange Control Copy of the licence has been misplaced by them. It is further reported by the licensee that the licence has been registered with New Delhi Custom. The original Exchange Control Copy is utilized for value Rs. 29,503 and the duplicate Exchange Control Copy now required is to cover the balance value of Rs. 14,497.

3. In support of their contention, the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original Exchange Control Copy of the licence No. P/D/2190315 dated 27-7-1974 has been misplaced and directs that a Duplicate Exchange Control Copy of the said licence should be issued to the applicant. The original Exchange Control Copy of the licence is cancelled.

4. The Duplicate Exchange Control Copy of the licence is being issued separately.

[No. Radio/33(1)/71-72/RM. II]

I. V. CHUNKATH, Dy. Chief Controller  
for Chief Controller

आदेश

नई दिल्ली, 10 अप्रैल, 1975

**क्र० प्रा० 1287.**—पश्चिम बंगाल स्थान, पी० प्रो दुर्गापुर जिला बरबधान के दी दुर्गापुर प्रोजेक्ट्स, लि० की बेस वल्यूम के साथ घनात्मक विस्थापन किस्म के गैस प्रवाहित करने वाले मीटर के आयात के लिए एक लाइसेंस सं० जी/ए/1060342 दिनांक 11-6-73 स्वीकृत किया गया था। दि दुर्गापुर प्रोजेक्ट्स लि० दुर्गापुर जिला बरबधान में यह प्रतिवेदित किया है कि लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रति अस्थानस्थ हो गई और उसकी अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए निवेदन किया है।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि लाइसेंस की सीमाशुल्क नियंत्रण प्रति को गई और निदेश देती है कि उक्त लाइसेंस की उक्त-सीमाशुल्क प्रति की अनुलिपि प्रति जारी की जाए।

लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क प्रति रद्द कर दी गई है उसी की अनुलिपि सीमाशुल्क प्रति भ्रम से जारी की जा रही है।

[संख्या-3/एस जी/49/73/74/पी एल एस/जी/89]

ORDER

New Delhi, the 10th April, 1975

**S.O. 1287.**—The Durgapur Projects Ltd. A Govt. of West Bengal Undertaking P.O. Durgapur Distt. Burdwan, was granted licence No. G/A/1060342 dated 11-6-73 for the import of Positive Displacement type Gas flow Meters with base volume index. The Durgapur Projects Ltd. Durgapur Distt. Burdwan has reported that Customs copy of the licence has been misplaced and he has requested to issue duplicate copy of the same.

In support of their contention the applicant has filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the customs control copy of the licence has been lost and directs that the duplicate copy of the said customs copy of the licence be issued.

The original customs copy of the licence has been cancelled a duplicate copy of the same is being issued, seperately.

[No. 31/SG/49/73-74/PLS/B/89]

का०शा० 1288.—अधीक्षण अभियन्ता, अधीक्षण अभियन्ता का कार्यालय, त्रिपुरा विद्युतीय मंडल अगस्तला को प्रेसर रिड्यूसिंग वाल्व असेम्बली आदि आयात के लिए एक लाइसेंस सं० जी/ए/1059/189 दिनांक 15-3-73 प्रदान किया गया था। अधीक्षण अभियन्ता अधीक्षण अभियन्ता का कार्यालय, त्रिपुरा विद्युतीय मंडल, अगस्तला ने सूचना दी है कि लाइसेंस की सीमाशुल्क मुद्रा निकासी प्रति और विनिमय नियंत्रण प्रति अस्थानस्थ हो गई हैं और उसने इनकी अनुलिपि प्रतियां जारी करने के लिये निवेदन किया है।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति जो गई है और निदेश देती है कि इनकी अनुलिपि प्रतियां जारी की जाएं।

लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति रद्द की जाती हैं। उनकी अनुलिपि प्रतियां अलग से जारी की जा रही हैं।

[सं० 3/एस जी/368/72-73/पी एल एस/बी/98]

एस० के० उस्मानी, उप-मुख्य नियंत्रक  
हुते मुख्य नियंत्रक

S.O. 1288.—The Superintending Engineer Office of the Superintending Engineer Tripura Electrical Circle Agartala was granted licence No. G/A/1059189 dated 15-3-73 for import of Pressure Reducing valve Assembly etc. The Suptdg. Engineer Office of the Superintending Engineer Tripura Electrical Circle Agartala has reported that Customs copy and exchange control copy of the licence has been misplaced and he has requested to issue duplicate copies of the same.

In support of their contention the applicant has filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the Customs copy and Exchange control copy of the licence has been lost and directs that the duplicate copies of the said customs copy and exchange control copy of the licence be issued.

The original customs copy and exchange control copy of the licence has been cancelled. A duplicate copy of the same is being issued, separately.

[No. 3/SG/368/72-73/PLS/B/98]

S. K. USMANI, Dy. Chief Controller  
for Chief Controller

(संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय,)

आदेश

बम्बई, 24 सितम्बर 1974

का०शा० 1289.—सर्वश्री नूतन इन्डस्ट्रीज जामनगर को अप्रैल/मार्च 1973 लाइसेंस अर्थात् के लिए आयात लाइसेंस सं० पी/एस/1831768 दिनांक 24-8-73 मूल्य 5000/- रुपये और संख्या पी/एस/1831769 दिनांक 24-8-73 मूल्य 5000/- रुपये क्रमशः सामान्य मुद्रा क्षेत्र और यू० के० से सिलीकन कार्बाइड धरियों सं० 200 और 250 के आयात के लिए प्रदान किए गए थे। उन्होंने उपर्युक्त लाइसेंसों की सीमाशुल्क निकासी प्रतियों की अनुलिपि प्रतियों के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमाशुल्क निकासी प्रतियां खो गई हैं। यह भी उल्लेख किया गया है कि मूल सीमा-

शुल्क निकासी प्रतियां किसी भी सीमाशुल्क कार्यालय में पंजीकृत नहीं कराई थीं और उन का उपयोग नहीं किया गया था।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने नोटरी पब्लिक के सामने बिधिवत् साक्षात्कृत सरकारी कागजों पर शपथ पत्र दाखिल किए हैं। मैं संतुष्ट हूँ कि मूल लाइसेंस सं० पी/एस/1831768 दिनांक 24-8-73 और सं० पी/एस/1831769 दिनांक 24-8-73 खो गए हैं और निदेश देता हूँ कि इनकी सीमाशुल्क निकासी अनुलिपि प्रतियां आवेदक को जारी की जानी चाहिए। मूल लाइसेंस सं० पी/एस/1831768 दिनांक 24-8-73 और पी/एस/1831769 दिनांक 24-8-73 रद्द किए जाते हैं।

[संख्या 1/74/मि० सं० एम-पाल-75 राजकोट]

(Office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports)  
ORDER

Bombay, the 24th September, 1974

S.O. 1289.—M/s. Nutan Industries, Jamnagar, were granted the import licences Nos. P/S/1831768/Dt. 24-8-1973 for Rs. 5,000 and No. P/S/1831769, dated, 24-8-73) for Rs. 5,000/- for import of Silicon Carbide Crucibles No. 200 and 250 from G.C.A. and U.K.C. respectively for the licensing period April/March, 1973. They have applied for duplicate copies of Customs purpose copies of the above licences on the ground that, the original customs purposes copies of the licences have been lost. It is further stated that, the original customs purpose copies of the licences were not registered with any Customs House and not utilised.

In support of their contention, the applicant has filed affidavits on stamped papers duly attested before the Notary Public. I am satisfied that the Original licence Nos. P/S/1831768, Dt. 24-8-1973 and No. P/S/1831769, Dt. 24-8-1973 have been lost and direct that duplicate customs purpose copies of the licences should be issued to the applicant. The original licences Nos. P/S/1831768, dt. 24-8-1973 and P/S/1831769, dt. 24-8-1973 are cancelled.

[File No. 1/74 Au. Pol/Am 75/Rajkot]

बम्बई, 27 सितम्बर 1974

का०शा० 1290.—सर्वश्री न्यूएज इन्डस्ट्रीज सुरेन्द्रनगर को यू० के० क्रेडिट से एम्प्टि को 2 गैस सिलेंडर के आयात के लिए अप्रैल/मार्च 1973 लाइसेंस अर्थात् के लिए 12,500/- रुपये मूल्य का एक आयात लाइसेंस सं० पी/एस/1722047 दिनांक 5-9-1972 प्रदान किया गया था उन्होंने उपर्युक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति की अनुलिपि के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति अस्थानस्थ हो गई है। यह भी उल्लेख किया गया है कि मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति किसी भी सीमाशुल्क कार्यालय में पंजीकृत नहीं कराई थी और उसका उपयोग नहीं किया गया था। यह भी उल्लेख किया गया है कि सीमाशुल्क विभाग से निकासी के लिये एक बन्धक पत्र का निष्पादन करके माल छुड़ाया गया है और सीमाशुल्क निकासी प्रति की अनुलिपि की आवश्यकता सीमाशुल्क प्राधिकारी को प्रस्तुत करने के लिए है। पंजीकरण का पतन बम्बई है।

इस तर्क के समर्थन में आवेदक ने ताल्लूक मजिस्ट्रेट के सामने बिधिवत् साक्षात्कृत सरकारी कागज पर एक शपथ पत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि मूल लाइसेंस संख्या पी/एस/1722047 दिनांक 5-9-72 अस्थानस्थ हो गया है और निदेश देता हूँ कि लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति की अनुलिपि आवेदक को जारी की जानी चाहिए। मूल लाइसेंस सं० पी/एस/1722047 दिनांक 5-9-72 रद्द किया जाता है।

[संख्या 2/74/मि. सं० एयू-पाल/ए एम-75 राजकोट]

एस० बैंकटउप-मुख्य नियंत्रक,  
हुते संयुक्त मुख्य नियंत्रक

Bombay, 27th September, 1974

for production before the Customs authority. The Port of Registration is Bombay.

S.O. 1290.—M/s. Newage Industries, Surendranagar was granted the import licence No. P/S/1722047 dt. 5-9-1972 for Rs. 12,500 for import of Empty CO2 Gas Cylinder for the licensing period April/March, 1973 from U.K. Credit. They have applied for duplicate copy of customs purpose copy of the above licence on the ground that, the original customs purpose copy of the licence has been misplaced. It is further stated that, the original customs purpose copy of the licence was not registered with any customs House and not utilised. It is further stated that delivery of the goods has been taken on executing a bond for the clearance of the goods and the duplicate copy of the licence is required

In support of this contention, the applicant has filed an affidavit on stamped paper duly attested before the Taluka Magistrate. I am satisfied that the original licence No. P/S/1722047 dt. 5-9-1972 has been misplaced and direct that a duplicate customs purpose copy of the licence should be issued to the applicant. The original licence No. P/S/1722047 dt. 5-9-1972 is cancelled.

[File No. 2/74/No. Au-Pal/Am 75/Rajkot]

S. VENKAT, Dy. Chief Controller  
for Jt. Chief Controller

उद्योग तथा नागरिक पूति मंत्रालय

भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 1974

क्र० आ० 1291.—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 3 के उपविनियमन (2) और (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिमूर्चित किया जाता है कि नीचे अनुसूची में जिन मानकों के बारे में 1 मई से 31 मई 1973 की अवधि में निर्धारित किए गए हैं :

अनुसूची :

क्रम	निर्धारित भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा रद्द किए हुए भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक	संक्षिप्त विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 64-1972 रंग-रोगन के लिए बेरियम सल्फेट के वर्णकों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	(1) IS : 64-1950 रंग-रोगन के लिए बेरियम-टीज की विशिष्टि, और (2) IS : 65-1950 रंग-रोगन के लिए ज्लाक फिक्स की विशिष्टि	इस मानक में बेरियमटीज (प्रकृत रूप में उपलब्ध बेरियम सल्फेट और ग्लाक फिक्स अवस्थित बेरियम सल्फेट) के विषय में अपेक्षाएं और बानगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां निर्धारित की गई हैं। इस तामग्री का उपयोग रंग-रोगन में आयतनवर्धक पदार्थ के रूप में किया जाता है। (मूल्य रु० 5.00)
2.	IS : 451-1972 लकड़ी के पेंचों की सप्लाई संबंधी तकनीकी शर्तें (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 451-1961 लकड़ी के पेंचों की विशिष्टि (पुनरीक्षित)	इस मानक में लकड़ी के पेंचों की सप्लाई संबंधी तकनीकी शर्तें बताई गई हैं। (मूल्य रु० 3.00)
3.	IS : 483-1972 नौयानों के तेल से चलने वाले ब्यायलरों की भट्टियों के लिए प्रयुक्त अग्नि सट्टी के ऊष्मासहों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 483-1973 नौयानों के तेल से चलने वाले ब्यायलरों की भट्टियों के लिए प्रयुक्त अग्नि मिट्टी के ऊष्मासहों की विशिष्टि (परिभाष्य)	इस मानक में नौयानों के तेल से चलने वाले ब्यायलरों भट्टियों में तथा मुख्य रूप से स्तर के काम आने वाले अग्नि मिट्टी के ऊष्मासहों के विषय में अपेक्षाएं की गई हैं। इस मानक में केवल अग्नि मिट्टी की पकाई हुई हट्टों अथवा अन्य रूप वाली अग्नि मिट्टी के ऊष्मासहों को लिया गया है। (मूल्य रु० 2.50)
4.	IS : 920-1972 पशुओं की खपत के लिए साधारण नमक और पशुओं के चाटने का नमक	(1) IS : 920-1958 पशुओं के खाने के लिए साधारण नमक की विशिष्टि (2) IS : 1291-1958 पशुओं के चाटने के नमक (सादा और खानों से निकाला हुआ) की विशिष्टि	इस मानक में पशुओं के खाने के काम तथा चाटने के काम आने वाले साधारण नमक के विषय में अपेक्षाएं और बानगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां निर्धारित की गई हैं। (मूल्य रु० 5.00)
5.	IS : 1146-1972 सीमा सम्वल संग्राही बैटरियों के लिए रबड़ और प्लास्टिक के धारक पात्रों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1146-1960 सीमा सम्वल संग्राही बैटरियों के लिए सखन रबड़ के धारकों की विशिष्टि	इस मानक में सभी प्रकार की सीमा सम्वल बैटरियों के लिए एक सेल वाली अथवा मोटी ग्लाक निर्माण वाले सखन रबड़ और प्लास्टिक दोनों प्रकार के धारकों को लिया गया है। ये बैटरियां स्वचाल वाहनों, वायुयानों, रेल गाड़ी में प्रकाश के लिए, वातानुकूलन के लिए, जल कार्यों, विद्युत टुलाई कार्यों, खनिकों की टोपी बत्तियों तथा अन्य कार्यों के लिए हो सकती है। (मूल्य रु० 6.00)

(1)	(2)	(3)	(4)
6. IS : 1200 (भाग 10)-1973 इमारती और सिविल इंजीनियरी कार्यों की मापन पद्धति भाग 10 भीतरी छत और अस्तर (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 1200-1964 इमारती कार्यों के लिए मापन पद्धतियां (पुनरीक्षित)	इस मानक में भीतरी छतों और अस्तरों की मापन पद्धतियां दी गई हैं और यह लागत अनुमान, राशि सुविधा तैयार करने तथा स्थान की नक्शा के भी काम आता है। (मूल्य रु० 2.50)	
7. IS : 1527-1972 उच्च सिलिका ऊष्म सह सामग्रियों के रसायनिक विश्लेषण की पद्धतियां (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1527-1960 अग्नि मिट्टी और सिलिका ऊष्म सह सामग्रियों के रसायनिक विश्लेषण की पद्धतियां	इस मानक में उच्च सिलिका सामग्रियों (94 प्रतिशत से अधिक सिलिकोन आक्साइड वाले) में प्रचलित अति और सिलिकोन आक्साइड, एलुमिनियम, लोहा, टिटैनियम कैल्शियम, मैग्नीशियम और भारी धातुओं की मात्रा ज्ञात करने की पद्धतियां दी गई हैं। ये पद्धतियां अन्य ऐसी ही वस्तुओं के विश्लेषण के लिए भी काम आ सकती हैं जिनमें सिलिका की मात्रा 90 प्रतिशत से कम न हो। (मूल्य रु० 5.00)	
8. IS : 1652-1972 प्लांटे धनात्मक प्लेट वाली सीसा अम्ल प्रकार की बैटरियों और अचल सेलों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1652-1960 प्लांटे धनात्मक प्लेट वाली सीसा अम्ल प्रकार की बैटरियों और अचल सेलों की विशिष्टि	इस मानक में अचल सेलों और प्लांटे बनाबट वाली शुद्ध सीसा अम्ल प्रकार की धनात्मक प्लेट लगी बैटरियों के विषय में तरजीही माप, समाख्या तथा कार्यप्रवृत्ति संबंधी अपेक्षाएं निर्धारित की गई हैं। इसमें उच्च विसर्जन कार्य प्रवृत्ति वाली सेलों और बैटरियों के विषय में भी अपेक्षाएं दी गई हैं। (मूल्य 5.50 रु०)	
9. *IS : 1653-1972 बिजली की वायरिंग के लिए सख्त इस्पात की तार नालियों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 1653-1964 बिजली की वायरिंग के लिए सख्त इस्पात की तार नालियों की विशिष्टि (पुनरीक्षित)	इस मानक में नुईयों वाली सख्त इस्पात की ऐसी तार नालियों के विषय में सामग्री, माप तथा अन्य अपेक्षाएं बताई गई हैं जिनका उपयोग सामान्य रूप से बिजली की वायरिंग के लिए होता है और जो विभिन्न उपयोगों के लिए निर्धारित स्थितियों के अधीन लगाई जाती हैं। (मूल्य रु० 6.00)	
10. IS : 1668-1972 लॉजेंज की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1668-1960 लॉजेंज की विशिष्टि	इस मानक में लॉजेंजों के विषय में अपेक्षाएं और परीक्षण की पद्धतियां बताई गई हैं। (मूल्य रु० 3.00)	
11. IS : 1749-1972 मैग्नीसाइट ऊष्मासहों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1749-1961 इस्पात के संयंत्रों के लिए मैग्नीसाइट ऊष्मासहों की विशिष्टि	इस मानक में मैग्नीसाइट ऊष्मासहों के विषय में अपेक्षाएं बताई गई हैं। (मूल्य रु० 2.50)	
12. IS : 1885-(भाग 4/अनुभाग 5)-1972 विद्युत तकनीकी शब्दावली भाग 4 इलेक्ट्रॉन ट्यूब, अनुभाग 5 स्पन्द शब्दावली	—	इस मानक में इलेक्ट्रॉन ट्यूबों में क्षेत्र में प्रयुक्त स्पन्द संबंधी तकनीकी शब्द और उनकी परिभाषाएं दी गई हैं। (मूल्य रु० 5.50)	
13. IS : 1932-1972 पशुओं के आहार के लिए सरसों और तोरिया की खसी की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1932-1961 पशुओं के आहार के लिए सरसों और तोरिया की खसी की विशिष्टि	इस मानक में पशुओं को खिलाने के काम आने वाली सरसों और तोरिया की खसी के विषय में अपेक्षाएं और बातगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां बताई गई हैं। (मूल्य रु० 3.00)	
14. IS : 2088-1971 आर्सेनिक की मात्रा ज्ञात करने की पद्धति (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2088-1962 आर्सेनिक के परीक्षण के लिए संशोधित गुटजाइट पद्धति	इस मानक में आर्सेनिक की मात्रा ज्ञात करने की पद्धति बताई गई है। (मूल्य रु० 4.00)	
15. IS : 2152-1972 मक्का ग्लूटेन आहार की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2152-1962 मक्का ग्लूटेन आहार की विशिष्टि	इस मानक में पशुओं को खिलाने के काम आने वाले मक्का ग्लूटेन आहार के विषय में अपेक्षाएं और बातगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां बताई गई हैं। (मूल्य रु० 3.00)	

\*भा मा संस्था प्रमाणन योजना के लिए IS : 1653-1972, 16 जुलाई, 1973 से लागू है।

(1)	(2)	(3)	(4)
16. IS : 2154-1972 पशु आहार के रूप में प्रयुक्त नारियल की खली की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2154-1962 पशु आहार के रूप में प्रयुक्त नारियल की खली की विशिष्टि	इस मानक में पशु आहार के रूप में प्रयुक्त नारियल की खली के विषय में अपेक्षाएं और बानगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां दी गई हैं । (मूल्य रु० 3.00)	
17. IS : 2345-1973 सुखाई हुई झोंगा की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2345-1963 सुखाई हुई झोंगा लुगदी की विशिष्टि	इस मानक में सुखाई झोंगा के विषय में अपेक्षाएं और बानगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां दी गई हैं । (मूल्य रु० 5.00)	
18. IS* : 2556 (भाग 7)-1973 कांचाभ सेनीटरी साधनों (कांचाभ चीनी मिट्टी) की विशिष्टि भाग 7 अर्ध गोल नाली की विशिष्टि अपेक्षाएं (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 2556 (भाग 7)-1967 कांचाभ सेनीटरी साधनों (कांचाभ चीनी मिट्टी) की विशिष्टि भाग 7 अर्ध गोल नाली की विशिष्टि अपेक्षाएं (पहला पुनरीक्षण)	इस मानक में कांचाभ चीनी मिट्टी की बनी अर्ध गोल नाली के विषय में लगने वाली सामग्री, शकल और आकार, माप तथा छूटों संबंधी अपेक्षाएं निर्धारित की गई हैं । (मूल्य रु० 2.50)	
19. IS : 2556 (भाग 12)-1973 कांचाभ सेनीटरी साधनों (चीनी मिट्टी) की विशिष्टि भाग 12 फर्श के ट्रेणों की विशिष्टि अपेक्षाएं	---	इस मानक में कांचाभ चीनी मिट्टी की बने सतह पर लगने वाले ट्रेणों के विषय में, लगने वाली सामग्री, शकल, आकार, माप और परिष्करण संबंधी अपेक्षाएं दी गई हैं । (मूल्य रु० 2.50)	
20. IS : 2823-1972 जैकड बुनाई के लिए दोहरे तार वाले हीलडों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2823-1964 जैकड बुनाई के लिए तार के हीलडों की विशिष्टि	इस मानक में सूची, रेगमी, ऊनी और बस्टेट की जैकड बुनाई के विषय में तार के हीलडों की अपेक्षाएं निर्धारित की गई हैं । (मूल्य रु० 4.00)	
21. IS : 3400 (भाग 13)-1972 बल्कनीकृत रबड़ की परीक्षण पद्धतियां भाग 13 तनाव सेट	---	इस मानक में बल्कनीकृत प्राकृतिक और संश्लिष्ट रबड़ों में समगति प्रलम्बन क्रिया के अन्तर्गत उत्पन्न तनाव सेट ज्ञात करने की पद्धति बताई गई है । यह पद्धति उन रबड़ों के लिए लागू होती है जिनकी कठोरता 30 से लेकर 94 अन्तर्राष्ट्रीय रबड़ कठोरता डिग्री के बीच होती है । (मूल्य रु० 4.00)	
22. IS : 4611-1973 जस्ता के धात्विक चूर्ण (जस्ता गर्द) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4611-1967 जस्ता के धात्विक चूर्ण (जस्ता गर्द) की विशिष्टि	इस मानक में विभिन्न उद्योगों में जस्ता गर्द के नाम से विपचात जस्ता के धात्विक चूर्ण के विषय में अपेक्षाएं और बानगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां निर्धारित की गई हैं । (मूल्य रु० 8.50)	
23. IS : 4812-1972 कोक भट्टी के सिलिका ऊष्मास्रों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4812-1968 कोक भट्टी के सिलिका ऊष्मास्रों की विशिष्टि	इस मानक में कोक भट्टियों में प्रयुक्त सिलिका ऊष्मास्रों के विषय में अपेक्षाएं बताई गई हैं । (मूल्य रु० 3.00)	
24. IS : 6053 (भाग 4)-1972 जूता उद्योग के लिए हाथ के औजारों की विशिष्टि भाग 4 गोल रांपी	---	इस मानक में जूता काटने में काम आने वाली गोल रांपी के विषय में अपेक्षाएं तथा बानगी लेने परीक्षण की पद्धतियां निर्धारित की गई हैं । (मूल्य रु० 3.00)	
25. IS : 6053 (भाग 5)-1972 जूता उद्योग के लिए हाथ के औजारों की विशिष्टि भाग 5 रांपी	---	इस मानक में जूता उद्योग में सीधे जूता काटने के काम आने वाली रांपी के विषय में अपेक्षाएं और बानगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां निर्धारित की गई हैं । (मूल्य रु० 3.00)	
26. IS : 6438-1972 एलुमिनियम फासफाइट टिकियों की विशिष्टि	---	इस मानक में एलुमिनियम के फासफाइट को ठोस टिकियों के विषय में अपेक्षाएं और परीक्षण पद्धतियां बताई गई हैं । (मूल्य रु० 5.00)	

\* भा मा संस्था प्रमाणन योजना के लिए IS : 2556 (भाग 7)-1973, 1 जुलाई, 1973 से लागू है ।

(1)	(2)	(3)	(4)
27. IS : 6461 (भाग 8)-1973 सीमेंट कंक्रीट से संबंधित शब्दावली भाग 8 सीमेंट के गुणधर्म	—	इस मानक में सीमेंट के गुणधर्मों से संबंधित तकनीकी शब्द और उनकी परिभाषाएं दी गई हैं। (मूल्य रु० 5.00)	
28. IS: 6461 (भाग 10)-1973 सीमेंट कंक्रीट से संबंधित शब्दावली भाग 10 परीक्षण और परीक्षण उपकरण	—	इस मानक में सीमेंट कंक्रीट के परीक्षणों और परीक्षण उपकरणों के विषय में तकनीकी शब्द तथा परिभाषाएं दी गई हैं। (मूल्य रु० 5.00)	
29. IS : 6461 (भाग II)-1973 सीमेंट कंक्रीट से संबंधित शब्दावली भाग II पूर्व प्रबलित कंक्रीट	—	इस मानक में पूर्व प्रबलित कंक्रीट के विषय में तकनीकी शब्द और परिभाषाएं दी गई हैं। (मूल्य रु० 5.00)	
30. IS: 6497-1972 मुक्केबाजी वाले बैग	—	इस मानक में बिना ब्लैडर के मुक्केबाजी वाले बैगों के विषय में माप तथा अन्य अपेक्षाएं दी गई हैं। (मूल्य रु० 3.00)	
31. IS: 6533-1971 इस्पात की चिमनियों की डिजाइन और रीतिसंहिता	—	इस मानक में अपने आप टिकी रहने वाली और रोक सार वाली इस्पात की चिमनियाँ (स्तर सहित अथवा रहित) और उनके टेक देने वाली संरचनाओं के विषय में संरचनात्मक डिजाइन, निर्माण, रखरखाव और निरीक्षण संबंधी ब्यौरे बताए गए हैं। (मूल्य रु० 17.50)	
32. IS: 6524-1972 बांधों में भीतरी ताप मापन के लिए यंत्र लगाने और ताप पढ़ने की रीतिसंहिता: प्रतिरोधिता वाले तापमापी	—	इस मानक में कंक्रीट के बांधों और अन्य ऐसे ही आगारों में भीतरी ताप ज्ञात करने के लिए आसानी से प्रतिरोधिता वाले तापमापी लगाने और उन पर ताप पढ़ने से सम्बन्धित ब्यौरे बताए गए हैं। (मूल्य रु० 4.00)	
33. IS: 6532-1972 जल गम्य नीबों पर टिके जल दूढ़ी आगारों के उत्थान दाब पाइप की डिजाइन लगाने, रीडिंग लेने और रख रखाव की रीतिसंहिता	—	इस मानक में जलगम्य नीबों पर टिके जल दूढ़ी आगारों में लगे हुए उत्थान दाब पाइपों की डिजाइन, उनके लगाने, रीडिंग लेना तथा रख रखाव सम्बन्धी अपेक्षाएं दी गई हैं। यह वास्तव में एक प्राणाली है जिसके द्वारा जल नीब की मुक्तिका और आगार के स्पर्श तल पर उत्थान दाब की माप की जाती है। (मूल्य रु० 6.00)	
34. IS: 6535-1972 सीधे बेबेल गियरों की प्राप्ति सम्बन्धी आंकड़े	—	इस मानक में सीधे बेबेल गियरों की ड्राइंगों में दी जाने वाली सारी जानकारी दी गई है। इसमें आवश्यक गियर लेने के लिए खरीदार द्वारा ड्राइंगों के साथ सारणियों में जो सूचना दी जानी चाहिए वह भी दी गई है। (मूल्य रु० 3.00)	
35. IS: 6549-1972 उठाने के टैंकिल से सम्बन्धित पारिभाषिक शब्दावली	—	इस मानक में उठाने के टैंकिल से सम्बन्धित उद्योग व्यापार में सामान्य रूप से प्रयुक्त तकनीकी शब्द और उनकी परिभाषाएं दी गई हैं। (मूल्य रु० 12.50)	
36. IS: 6599-1972 वाल्टिंग बक्सों (कूदने के बक्सों) की विशिष्ट	—	इस मानक में कूदने के बक्सों के विषय में लगने वाली सामग्री, शक्ति, माप, निर्माण, कारीगरी और परिष्करण सम्बन्धी अपेक्षाएं दी गई हैं। (मूल्य रु० 4.00)	

(1)	(2)	(3)	(4)
37. IS: 6603-1972 स्टेनलेस इस्पात की सरिया और चपटे अनुभाग	--	इस मानक में सरिया और चपटे अनुभागों के रूप में अतः अवलम्बणी कठोरीकृत पिटबॉ स्टेनलेस इस्पातों के विषय में अपेक्षाएं दी गई हैं। इस इस्पातों का उपयोग वहां किया जाता है जहां सामान्य दाबा तथा कमरे के ताप पर संक्षारण से प्रतिरोधिता की आवश्यकता होती है। (मूल्य रु० 7.00)	
38. IS: 6607 (भाग 4)-1972 व्यापारी स्तर पर उड़ाने के विस्फोटक पदार्थ और सहायकों की परीक्षण पद्धतियां भाग 4 पलीते	---	इस मानक में विस्फोटक पदार्थों में लगने वाली पलीतों के विषय में परीक्षण पद्धतियां बताई गई हैं। (मूल्य रु० 4.00)	
39. IS: 6621-1972 क्रिकेट के स्टम्प और गुल्लियों की विनिर्दिष्ट	---	इस मानक में क्रिकेट खेल में काम आने वाली स्टम्पों और गुल्लियों के विषय में लगने वाली सामग्री आकृति, माप, कारीगरी तथा परिक्षण सम्बन्धी अपेक्षाएं दी गई हैं। (मूल्य रु० 4.00)	
40. IS: 6656-1972 संधिरोधी मुगरियों की विनिर्दिष्ट	---	इस मानक में संधिरोधी मुगरियों के विषय में अपेक्षाएं बताई गई हैं। (मूल्य रु० 2.50)	
41. IS: 6661-1972 पोटेशियम सुनाईट की विनिर्दिष्ट	---	इस मानक में उर्वरक के रूप में उपयोग की जाने वाली पोटेशियम सुनाईट के विषय में अपेक्षाएं और परीक्षण की पद्धतियां बताई गई हैं। (मूल्य रु० 3.00)	
42. IS: 6667-1972 संश्लिष्ट राल इण्डस्ट्रीज में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली	---	इस मानक में संश्लिष्ट राल उद्योगों में प्रचलित पारिभाषिक शब्द और उनकी परिभाषाएं दी गई हैं। (मूल्य रु० 6.00)	
43. IS: 6673-1972 मोमवार सूती पट्टीनुमा फीतों की विनिर्दिष्ट	---	इस मानक में स्वचल गाड़ियों के बिजली के पुर्जों में काम आने वाले कोरे मोमवार पट्टीनुमा सूती फीतों के विषय में अपेक्षाएं बताई गई हैं। (मूल्य रु० 3.00)	
44. IS: 6675-1972 बेलन चक्रियों में लगे केबल उत्पादकों की विनिर्दिष्ट	---	इस मानक में बेलन चक्रियों में लगे केबल उत्पादकों (लिफ्टर) में लगने वाली सामग्री और माप बताए गए हैं। (मूल्य रु० 3.00)	
45. IS: 6677-1972 नमकीन पानी और उनके रस में डिब्बा बन्द सारडीन (मछली) की विनिर्दिष्ट	---	इस मानक में नमकीन पानी और उनके रस में डिब्बा-बन्द सारडीन (प्रजाति) के विषय में अपेक्षाएं और जानगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां दी गई हैं। (मूल्य रु० 4.00)	
46. IS: 6685-1972 जीवन रक्षा जैकेट की विनिर्दिष्ट	---	इस मानक में व्यक्तियों और बच्चों द्वारा प्रयुक्त जीवन रक्षा जैकेट के विषय में लगने वाली सामग्री, कार्य-प्रदर्श, बचाव सम्बन्धी अपेक्षाएं और परीक्षण दिए गए हैं। (मूल्य रु० 8.00)	

(1)	(2)	(3)	(4)
47. IS : 6690-1972 जुलाई के लिए प्रयुक्त शक्ति वालित गोल चकतियों (रोटाबेटर) की विशिष्टि	---	इस मानक में जुलाई के लिए प्रयुक्त शक्ति वालित गोल चकतियों के विषय में लगने वाली सामग्री माप तथा अन्य अपेक्षाएं बताई गई हैं। (मूल्य रु० 5.00)	
48. IS : 6691-1972 डलबों बन्द रोलरनुमा मोबी की विशिष्टि	---	इस मानक में डलबों बन्द रोलरनुमा मोबी के विषय में लगने वाली सामग्री और माप बताए गए हैं। (मूल्य रु० 4.00)	
49. IS : 6694-1972 दुबारा पिघलाने के लिए मैग्नीशियम सिल्ली (99.8 प्रतिशत) की विशिष्टि	---	इस मानक में दुबारा पिघलाने के काम आने वाली 99.8 प्रतिशत शुद्ध मैग्नीशियम सिल्लियों के विषय में अपेक्षाएं दी गई हैं। (मूल्य रु० 3.00)	
50. IS : 6697-1972 सामान्य कार्यों के लिए लोहे के पुर्जों पर (चदर, पत्ती और तार को छोड़कर) गर्म बुबाऊ एलुमिनियम लेपों की विशिष्टि	---	इस मानक में लोहे के पुर्जों जैसे पाइप, नली, बाल्व संरचना के अंग, लोहे का सामान, इत्यादि पर चढ़ाई जाने वाली गर्म बुबाऊ एलुमिनियम के लेपों के विषय में अपेक्षाएं बताई गई हैं। (मूल्य रु० 2.50)	
51. IS : 6705-1972 अंकुरण परीक्षणों में प्रयुक्त बालू की विशिष्टि	---	इस मानक में अंकुरण परीक्षणों में काम आने वाली बालू के विषय में अपेक्षाएं दी गई हैं। (मूल्य रु० 3.00)	
52. IS : 6708-1972 मध्य ड्रिल टाइप 'ए' की विशिष्टि	---	इस मानक में मध्य ड्रिल टाइप 'ए' के विषय में माप तथा अन्य अपेक्षाएं दी गई हैं। ये ड्रिल पक्षों का बचाव न करते हुए मध्य छेद बनाने के लिए उपयुक्त होते हैं। (मूल्य रु० 3.00)	
53. IS : 6713-1972 बलकनीकृत रबड़ के भण्डारण की रीतिसंहिता	---	यह मानक सभी रूपों में बलकनीकृत रबड़ के भण्डारण के लिए चाहें इसका उपयोग ग्यों का क्यों होना हो अथवा किसी मिश्र वस्तु में अंग के रूप में होना हो के उपयुक्त स्थितियों के विषय में मार्गदर्शन करता है। इस मानक में सफाई के सम्बन्ध में भी कुछ बातें बताई गई हैं। (मूल्य रु० 2.00)	
54. IS : 6719-1972 पीबीसी के टोम तल्लों और एडियों की विशिष्टि	---	इस मानक में तैयार रूप में पीबीसी के एड्री सहित अथवा रहित टोम पूरे तल्लों, एडियों और आधे तल्लों के विषय में अपेक्षाएं और जानगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां दी गई हैं। ये वस्तुएं सीधे इन्जेक्शन अथवा स्टक-ग्रान विधि द्वारा तैयार की जाती हैं। (मूल्य रु० 6.00)	
55. IS : 6721-1972 पीबीसी सैंडिल की विशिष्टि	---	इस मानक में इन्जेक्शन ब्लाई विधि द्वारा तैयार की गई पीबीसी सैंडिलों के विषय में अपेक्षाएं और जानगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां बताई गई हैं। (मूल्य रु० 6.00)	
56. IS : 6722-1972 बायुयल में जैक लगाने में प्रयुक्त पैडों के माप	---	इस मानक में बाहन को उठाने में अथवा उसकी धुरी को उठाने में लगने वाले स्पीगाट पैडों के विषय में आकृति तथा माप बताए गए हैं। (मूल्य रु० 3.00)	



(1)	(2)	(3)	(4)
57. IS : 6729-1972 लकड़ी के चण्डियों की विशिष्टि	—		इस मानक में नावों और डोंगियों को चलाने के लिए प्रयुक्त चण्डियों के विषय में सामान्य अपेक्षा माप तथा परीक्षण की पद्धतियां बताई गई हैं। (मूल्य रु० 3.00)
58. IS : 6744 (भाग 1)-1972 इलमेनाइट रसायनिक विश्लेषण पद्धतियां, भाग 1	—		इस मानक में इलमेनाइट ग्रायस्को में सिलिका, फेरिक आक्साइड जिर्कोनिया एलुमिनियम, मैंगनस आक्साइड और फास्फोरस पेन्टा-आक्साइड की मात्रा ज्ञात करने की पद्धतियां दी गई हैं। (मूल्य रु० 5.00)
59. IS : 6745-1972 जस्ता खड़ी लोह और इस्पात की वस्तुओं पर जस्ते के लेप की मात्रा ज्ञात करने की पद्धतियां	—		इस मानक में जस्ता खड़ी चदर, तार तथा लोहे और इस्पात की अन्य वस्तुओं पर जस्ते के लेप की मात्रा ज्ञात करने की विधियां दी गई हैं। (मूल्य रु० 5.00)
60. IS : 6747-1972 चुहंगम और बबुलगम की विशिष्टि	—		इस मानक में चुहंगम और बबुलगम के विषय में अपेक्षाएं और परीक्षण की पद्धतियां बताई गई हैं। (मूल्य रु० 3.00)
61. IS : 6772-1972 औद्योगिक इमारतों में माप सम्बन्धी सामान्य सिकारिणें—तरजीही वृद्धियां	—		इस मानक में इमारत के अंगों और स्थानों में तरजीही वृद्धि सम्बन्धी सिकारिणें दी गई हैं। इसमें ऊर्ध्व और भैतिज मापों से सम्बन्धित तरजीही वृद्धियों के उपयोग की पद्धति भी बताई गई है। (मूल्य रु० 2.50)
62. IS : 6776-1972 नर्ल बनाने के चक्के की विशिष्टि	—		इस मानक में IS : 3403-1966 नर्लन सम्बन्धी माप के अनुरूप नर्ल बनाने के लिए उपयुक्त चक्कों के विषय में माप और अपेक्षाएं निर्धारित की गई हैं। (मूल्य रु० 3.00)
63. IS : 6777-1972 फेफड़ों के विश्लेषक फोर्सेप्स की विशिष्टि	—		इस मानक में वक्क सर्जरी में काम आने वाले फेफड़ों विश्लेषक फोर्सेप्स के विषय में भौतिक और कार्य प्रदत्ता सम्बन्धी अपेक्षाएं दी गई हैं। (मूल्य रु० 3.00)
64. IS : 6785-1973 अस्थि विश्लेदन के लिए वेन-राइट अस्थि पट्टी की विशिष्टि	—		इस मानक में अस्थि विश्लेदन में प्रयुक्त वेन राइट अस्थि पट्टी के विषय में माप सम्बन्धी तथा अन्य अपेक्षाएं दी गई हैं। ये पट्टियां विकलांगता सर्जरी में इम्प्लांट के रूप में काम आती हैं। (मूल्य रु० 3.00)
65. IS : 6786-1973 मैक लालिन प्रकार की अस्थि पट्टी की विशिष्टि	—		इस मानक में विकलांगता सर्जरी में इम्प्लांट के रूप में काम आने वाली मैक लालिन अस्थि पट्टी के विषय में माप सम्बन्धी तथा अन्य अपेक्षाएं दी गई हैं। (मूल्य रु० 3.00)
66. IS : 6789-1973 थार्टन नुमा अन्तरागंडक अस्थि पट्टी की विशिष्टि	—		इस मानक में विकलांगता सर्जरी में इम्प्लांट के रूप में काम आने वाली अन्तरागंडक अस्थि पट्टी के विषय में माप सम्बन्धी तथा अन्य अपेक्षाएं दी गई हैं। (मूल्य रु० 3.00)
67. IS : 6792-1972 रोधक तेलों के विद्युत सामर्थ्य ज्ञात करने की पद्धति	—		इस मानक में रोधक तेलों के विद्युत सामर्थ्य ज्ञात करने की पद्धति दी गई है। (मूल्य रु० 4.00)

(1)	(2)	(3)	(4)
68. IS : 6800-1972 ट्रैक्टरों से वायुयान को टो-करने वाली छड़ के माप	—	इस मानक में वायुयान टो-करने के लिए प्रयुक्त छड़ों के सिरे पर लगाने वाले फिटिंग के माप बताए गए हैं । (मूल्य रु० 3.00)	
69. IS : 6801-1973 सर्जरी के पेंचकण के बिट की विशिष्टि	—	इस मानक में चिकित्सा सर्जरी में काम आने वाले पेंचकणों के बिटों के सम्बन्ध में माप सम्बन्धी तथा अन्य अपेक्षाएं निर्धारित की गई हैं । (मूल्य रु० 3.00)	
70. IS : 6808-1972 हाथ से चलने वाले घरेलू ग्राइण्डर की विशिष्टि	—	इस मानक में हाथ से चलने वाले मसाला और दालें पीसने के घरेलू ग्राइण्डर के विषय में माप तथा अन्य अपेक्षाएं निर्धारित की गई हैं । (मूल्य रु० 3.00)	
71. IS : 6809-1972 नियत ऊंचाई वाले चलने में सहायक फ्रेम की विशिष्टि	—	इस मानक में नियत ऊंचाई वाले चलने में सहायता करने वाले फ्रेमों के विषय में माप सम्बन्धी तथा अन्य अपेक्षाएं निर्धारित की गई हैं । इन फ्रेमों में पहिए नहीं होते । (मूल्य रु० 3.00)	
72. IS : 6811-1972 दन्त पानी भरने वाली दन्त सिरिज की विशिष्टि	—	इस मानक में दन्त चिकित्सा में काम आने वाली अपने आप पानी भरने वाली सिरिज के विषय में माप तथा अन्य अपेक्षाएं निर्धारित की गई हैं । (मूल्य रु० 3.00)	
73. IS : 6814-1972 वायु और जल के दन्त सिरिज की विशिष्टि	—	इस मानक में दन्त चिकित्सा में प्रयुक्त वायु और जल सिरिज के विषय में माप तथा अन्य अपेक्षाएं निर्धारित की गई हैं । (मूल्य रु० 3.00)	
74. IS : 6815-1972 दन्त सांचा रिटेनर नं० 1 और 2 की विशिष्टि	—	इस मानक में दन्त चिकित्सा में काम आने वाले सांचा रिटेनर नं० 1 और 2 के विषय में माप तथा अन्य अपेक्षाएं निर्धारित की गई हैं । (मूल्य रु० 3.00)	
75. IS : 6816 (भाग 1)-1973 बीज गिराने के नालीदार बेलननुमा बीज बोने के यन्त्र की विशिष्टि: भाग 1 बीज गिराने के बेलन	—	इस मानक में बीज और उर्वरक बोने के ड्रिल के बीज गिराने के नालीदार बेलननुमा बीज बोने के यन्त्र के विषय में अपेक्षाएं निर्धारित की गई हैं । (मूल्य रु० 3.00)	
76. IS : 6816 (भाग 2)-1973 बीज गिराने के नालीदार बेलननुमा बीज बोने के यन्त्र की विशिष्टि भाग 3 बीज गिराने की रोक युक्ति	—	इस मानक में बीज और उर्वरक बोने के ड्रिल के बीज गिराने के नालीदार बेलननुमा बीज बोने के यन्त्र में लगी बीज रोक युक्ति के विषय में अपेक्षाएं निर्धारित की गई हैं । (मूल्य रु० 3.00)	
77. IS : 6816 (भाग 3)-1973 बीज गिराने के नालीदार बेलननुमा बीज बोने के यन्त्र की विशिष्टि भाग 3 रोकने वाले छल्ले और ढक्कन	—	इस मानक में बीज और उर्वरक बोने के ड्रिल के बीज गिराने के नालीदार बेलननुमा बीज बोने के यन्त्र में लगे रोकने के छल्ले और ढक्कन के विषय में अपेक्षाएं निर्धारित की गई हैं । (मूल्य रु० 3.00)	

( 1 )	( 2 )	( 3 )	( 4 )
78. IS : 6816 (भाग 4)—1973 बीज गिराने के नालीदार बेलननुमा बीज बोने के यन्त्र की विशिष्टि : भाग 4 बीज गिराने की कीप	—	इस मानक में बीज एवं उर्वरक बोने के ड्रिल के बीज गिराने के नालीदार बेलननुमा बीज बोने के यन्त्र में लगे बीज गिराने की कीप के विषय में अपेक्षाएं निर्धारित की गई हैं । (मूल्य रु० 3.00)	
79. IS : 6817 (भाग 1)—1973 पट्टीनुमा बीज बोने के यन्त्र की विशिष्टि : भाग 1 बीज पट्टी	—	इस मानक में अनाज और उर्वरक बोने के ड्रिल के पट्टीनुमा बीज बोने के यन्त्र में लगने वाली बीज पट्टियों के विषय में अपेक्षाएं निर्धारित की गई हैं । (मूल्य रु० 4.00)	
80. IS : 6817 (भाग 2)—1973 पट्टीनुमा बीज बोने के यन्त्र की विशिष्टि : भाग 2 बीज गिराने वाले बेलन	—	इस मानक में अनाज और उर्वरक बोने के ड्रिल के पट्टीनुमा बीज बोने के यन्त्र में लगने वाले बीज गिराने के बेलनों के विषय में अपेक्षाएं निर्धारित की गई हैं । (मूल्य रु० 3.00)	
81. IS : 6822-1972 दूरस्थ दन्त चापतार के कर्तक की विशिष्टि	—	इस मानक में दन्त चिकित्सा में काम आने वाले दूरस्थ दन्त चापतार कर्तक के विषय में माप तथा अन्य अपेक्षाएं निर्धारित की गई हैं । (मूल्य रु० 3.00)	

इन भारतीय मानकों की प्रतियाँ, भारतीय मानक संस्था 9-बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली तथा इसके शाखा कार्यालयों, प्रहमदाबाद, बंगलौर, बम्बई, कलकत्ता, हैदराबाद, कानपुर, मद्रास और चण्डीगढ़ से प्राप्त की जा सकती हैं।

[सं० सी० एम० डी०/13 : 2]

New Delhi, the 3rd April, 1975

**S.O. 1291** —In pursuance of sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have been established during the period 1 May to 31 May, 1973:

#### SCHEDULE

SI. No.	No. and Title of the Indian Standard Established	No. and Title of the Indian Standard or standards, if any, Superseded by the new Indian Standard	Brief Particulars
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS: 64-1972 Specification for barium sulphate pigments for paints (first revision).	(i) IS: 64-1950 Specification for barytes for paints and (ii) IS: 65-1950 Specification for blanc fixe for paints	This standard prescribes the requirements and the methods of sampling and test for barytes (naturally occurring barium sulphate) and blanc fixe (the precipitated barium sulphate). The material is intended for use as extenders for paints. (Price Rs. 5.00).
2.	IS: 451-1972 Technical supply conditions for wood screws (second revision)	IS: 451-1951 Specification for wood screws (revised)	This standard deals with the technical supply conditions for wood screws (Price Rs. 3.00).
3.	IS: 483-1972 Specification for fireclay refractories for oil-fired boiler furnaces of naval ships (first revision)	IS: 483-1953 Specification for fireclay refractories for oil-fired boiler furnaces for naval ships (tentative)	This standard covers requirements of fireclay refractories primarily intended for use in furnace lining of oil-fired boilers of naval ships. It relates only to burnt fireclay refractory bricks and shapes. (Price Rs. 2.50).

1	2	3	4
4. IS: 920-1972 Specification for common salt and cattle licks for animal consumption (first revision).	(i) IS: 920-1958 Specification for common salt for animal consumption and (ii) IS: 1291-1958 Specification for cattle licks (plain and mineralized)	This standard prescribes the requirements and the methods of sampling and test for common salt for animal consumption and for cattle licks (also known as salt licks). (Price Rs. 5.00).	
5. IS: 1146-1972 Specification for rubber and plastic containers for lead-acid storage batteries (first revision).	IS: 1146-1960 Specification for hard rubber containers for lead-acid storage batteries.	This specification covers both hard rubber and plastic containers of single cell or monobloc construction for all types of lead-acid batteries—automobile, aircraft, trainlighting and airconditioning, stationary, traction, miner's cap lamp and others. (Price Rs. 6.00).	
6. IS: 1200 (Part X)—1973 Method of measurement of building and civil engineering works Part X ceiling and linings (second revision).	IS: 1200-1964 Methods of measurement of building works (revised).	This standard covers the method of measurement of ceilings and linings and applied to the preparation of estimate and bills of quantities and to site measurements. (Price Rs. 2.50).	
7. IS: 1527-1972 Methods for chemical analysis of high silica refractory materials (first revision).	IS: 1527-1960 Methods of chemical analysis of fireclay and silica refractory materials.	This standard covers the method for determination of the loss on ignition and of the oxides of silicon, aluminium, iron, titanium, calcium, magnesium and the alkali metals in high silica materials (over 94 percent SiO <sub>2</sub> ). However these methods could be used for similar materials having silica content of not less than 90 percent. (Price Rs. 5.50).	
8. IS: 1652-1972 Specification for stationary cells and batteries, lead-acid type with plate positive plates (first revision).	IS: 1652-1963 Specification for stationary cells and batteries, lead-acid type (with Plate positive plates).	This standard specifies the preferred dimensions, the capacities and the performance requirements of stationary cells, and batteries fitted with positive plates of pure lead lamelle type with plate formation.  It also includes the requirements of high discharge performance cells and batteries. (Price Rs. 5.50).	
9. *IS: 1653-1972 Specification for rigid steel conduits for electrical wiring (second revision).	IS: 1653-1964 Specification for rigid steel conduits for electrical wiring (revised).	This standard specifies material, dimensional and other requirements of screwed type rigid steel conduits intended for electrical wiring in general use and installed within the service conditions specified (Price Rs. 6.00).	
10. IS: 1668-1972 Specification for lozenges (first revision).	IS: 1668-1960 Specification for lozenges.	This standard prescribes the requirements and methods of test for lozenges. (Price Rs. 3.00)	
11. IS: 1749-1972 Specification for magnesite refractories (first revision).	IS: 1749-1961 Specification for magnesite refractories for steel plants.	This standard covers requirements for magnesite refractories.—(Price Rs. 2.50).	
12. IS: 1885(Part IV/Sec 5)—1972 Electrotechnical vocabulary Part IV electron tubes Section 5 pulse terms.	—	This standard deals with pulse terms and their definitions applicable particularly to electron tubes. (Price Rs. 5.50).	
13. IS: 1932-1972 Specification for mustard and rape seed oilcake as livestock feed (first revision).	IS: 1932-1961 Specification for mustard and rape oilcake as livestock feed.	This standard prescribes the requirements and the methods of sampling and test for mustard and rape seed oilcake for livestock feeding. (Price Rs. 3.00).	
14. IS: 2088-1971 Methods for determination of arsenic (first revision).	IS: 2088-1962 Modified Gutzeit method of test for arsenic	This standard proscribes method for determination of arsenic. (Price Rs. 4.00).	
15. IS: 2152-1972 Specification for maize gluten feed (first revision).	IS: 2152-1962 Specification for maize gluten feed.	This standard prescribes the requirements and the methods of sampling and test for maize gluten feed used for livestock feeding. (Price Rs. 3.00).	

\*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS: 1653-1972 shall come into force with effect from 16 July 1973.

1	2	3	4
16. IS: 2154-1972 Specification for coconut oil cake as livestock feed (first revision).	IS: 2154-1962 Specification for coconut oil cake as livestock feed.		This standard prescribes requirements and the methods of sampling and test for coconut oil cake as livestock feed. (Price Rs. 3.00).
17. IS: 2345-1972 Specification for dried prawns (first revision).	IS: 2345-1963 Specification for dried prawn pulp.		This standard prescribes the requirements and the methods of sampling and test for dried prawns. (Price Rs. 5.00).
18. *IS: 2556 (Part VII)—1973 Specification for vitreous sanitary appliances (vitreous china) Part VII specific requirements of Half-round channel (second revision).	IS: 2556 (Part VII)—1967 Specification for vitreous sanitary appliances (vitreous china). Part VII specific requirements of half-round channel (first revision).		This standard lays down the requirements for materials, shape and sizes, dimensions and tolerances for half-round channel made of vitreous china. (Price Rs. 2.50).
19. IS: 2556 (Part XII)—1973 Specification for vitreous sanitary appliances (vitreous china) Part XII Specific requirements for floor traps.	—		This standard covers the requirements for materials, shape, size, dimensions and finish of floor traps made of vitreous china. (Price Rs 2.50).
20. IS: 2823-1972 Specification for twin wire healds for jacquard weaving (first revision).	IS: 2823-1964 Specification for wire healds for jacquard weaving.		This standard prescribes requirements of wire healds for cotton, silk, woollen and worsted jacquard weaving. (Price Rs. 4.00).
21. IS: 3400 (Part XIII)-1972 Methods of test for vulcanized rubbers Part XIII tension set.	—		This standard prescribes the method for the determination of tension set under constant elongation of vulcanized natural and synthetic rubbers. This method is suitable for rubbers having the hardness within the range 30 to 94 International Rubber Hardness Degrees (IRHD). (Price Rs. 4.00).
22. IS : 4611-1973 Specification for metallic zinc powder (zinc dust) (first revision).	IS : 4611-1967 Specification for metallic zinc powder (zinc dust).		This standard prescribes the requirements and the methods of sampling and test for metallic zinc powder commercially known as zinc dust for use in various industries. (Price Rs. 8.50).
23. IS : 4812-1972 Specification for silica refractories for coke oven (first revision)	IS : 4812-1968 Specification for silica refractories for coke oven		This standard covers requirements for silica refractories for coke oven. (Price Rs. 3.00).
24. IS : 6053-(Part IV)—1972 Specification for hand tools for footwear industry Part IV half-round knife.	—		This standard prescribes the requirements methods of sampling and tests for half round knife, used for cutting of leather (Price Rs. 3.00).
25. IS : 6053(Part V)—1972 Specification for hand tools for footwear industry Part V straight hacking knife.	—		This standard prescribes the requirements methods of sampling and tests for straight hacking knife used in footwear industry for cutting leather. (Price Rs. 3.00).
26. IS : 6438-1972 Specification for aluminium phosphide tablets formulation.	—		This standard prescribes the requirements and methods of test for solid aluminium phosphide formulation in tablet form. (Price Rs. 5.00).
27. IS : 6461 (Part VIII)—1973 Glossary of terms relating to cement concrete Part VIII properties of concrete.	—		This standard covers definitions of terms relating to properties of concrete. (Price Rs. 5.00).
28. IS : 6461(Part X)-1973 Glossary of terms relating to cement concrete Part X tests and testing apparatus.	—		This standard covers definitions of terms relating to tests and testing apparatus for cement concrete. (Price Rs. 5.00).
29. IS : 6461(Part XI)—1973 Glossary of terms relating to cement concrete Part XI prestressed concrete.	—		This standard covers definitions of terms relating to prestressed concrete. (Price Rs. 5.00).
30. IS : 6479-1972 Specification for balls, punching	—		This standard specifies the dimensions and other requirements of punching balls except bladders. (Price Rs. 3.00).

\*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS: 2556 (Part VII)—1973 shall come into force with effect from 1 July 1973.

(1)	(2)	(3)	(4)
31. IS : 6533-1971 Code of practice for design and construction of steel chimney.	—		This standard covers the structural design, construction, maintenance and inspection of both self supporting and guyed steel chimneys (with or without linings) and their supporting structure. (Price Rs. 17.50).
32. IS : 6524-1972 Code of practice for installation and observation of instruments for temperature measurements inside dams : resistance type thermometers.	—		This standard covers the details of installation and observation of resistance type thermometers of the embedded type for measuring the temperature in the interior of a concrete dam and such other structures. (Price Rs. 4.00).
33. IS : 6532-1972 Code of practice for design, installation, observation and maintenance of uplift pressure pipes for hydraulic structures on permeable foundations.	—		This standard covers design, installation, observation and maintenance of uplift pressure pipes provided for hydraulic structures resting on permeable foundations. This is essentially a system of measurement of uplift pressure at the contacts of the structures and the foundation soils. (Price Rs. 6.00).
34. IS : 6535-1972 Data for procurement of straight bevel gears.	—		This standard specifies the information to be given in all straight bevel gear drawings. This also specifies the information to be given in tables along with the drawings by the purchaser for obtaining the gears required. (Price Rs. 3.00).
35. IS : 6549-1972 Glossary of terms used in connection with lifting tackle.	—		This standard defines the various terms commonly used in the industry and trade in connection with lifting tackle. (Price Rs. 12.50).
36. IS : 6599-1972 Specification for vaulting boxes.	—		This standard specifies the requirements pertaining to materials, shape, dimensions, construction, workmanship and finish of vaulting boxes. (Price Rs. 4.0).
37. 6603-1972 Specification for stainless steel bars and flats.	—		This standard covers requirements for non-precipitation hardening wrought stainless steels in the form of bars and flats for applications in which the corrosion resistance at room temperature and normal pressure is essential. (Price Rs. 7.50).
38. IS : 6609-(Pt. IV)-1972 Methods of test for commercial blasting explosives and accessories Part IV detonating fuses.	—		This standard prescribes the methods of test for detonating fuses. (Prices Rs. 4.00)
39. IS : 6621-1972 Specification for cricket stumps and bails.	—		This standard specifies requirements pertaining to materials, shape and dimensions workmanship and finish of stumps and bails used in the game of cricket. (Price Rs. 4.00).
40. IS : 6656-1972 Specification for caulking mallets.	—		This standard covers the requirements for caulking mallets. (Price Rs. 2.50).
41. IS : 6661-1972 Specification for potassium schoenite.	—		This standard prescribes the requirements and the methods of test for potassium schoenite used as a fertilizer. (Price Rs. 3.00).
42. IS : 6667-1972 Glossary of terms used in synthetic resin industry.	—		This standard covers the terms and definitions that are prevalent in the synthetic resin industry. (Price Rs. 6.00).
43. IS : 6673-1972 Specification for waxed cotton selvage tape.	—		This standard prescribes the requirements of grey, waxed, cotton selvage tape used in electrical components of automobiles. (Price Rs. 3.00).
44. IS : 6675-1972 Specification for cable lifters for windlasses.	—		This standard specifies the material and dimensions for cable lifters fitted to windlasses. (Price Rs. 3.00).

1	2	3	4
45.	IS : 6677-1972 Specification for sardines (Sardinella sp.) canned in brine and in their juice.	—	This Standard prescribes the requirements and the methods of sampling and test of sardines (Sardinella sp.) canned in brine and in their juice. (Price Rs. 4.00).
46.	IS : 6685-1972 Specification for life jackets.	—	This standard specifies the materials performance, safety requirements and test of life jackets for use by adults and children. (Price Rs. 8.00).
47.	IS : 6690-1972 Specification for rotavator blades for power tillers.	—	This standard specifies the material, dimensions and other requirements for blades used in rotavators operated by power tillers. (Price Rs. 5.00).
48.	IS : 6691-1972 Specification for cast closed roller fairleads.	—	This standard specifies the material and dimensions for cast closed roller fairleads. (Price Rs. 4.00).
49.	IS : 6694-1972 Specification for magnesium ingot (99.8 Percent) for remelting.	—	This standard specifies requirements for magnesium ingot of 99.8 percent purity used for remelting purposes. (Price Rs. 3.00).
50.	IS : 6697-1972 Specification for hot dip aluminium coatings on ferrous parts (Other than sheet, strip and wire) for general purposes.	—	This standard covers requirements for hot-aluminium coatings applied to ferrous components, pipe, tubing and valves, structural members and hardware. (Price Rs. 2.50).
51.	IS : 6705-1972 Specification for sand used in germination tests.	—	This standard prescribes requirements for sand to be used for germination tests. (Price Rs. 3.00).
52.	IS : 6708-1972 Specification for centre drills Type A.	—	This standard specifies the dimensions and requirements for centre drills Type A suitable for centre holes without protecting chamfers. (Price Rs. 3.00).
53.	IS : 6713-1972 Code of practice for storage of vulcanized rubber.	—	This standard provides a guide to the most suitable condition for the storage of vulcanized rubber in all forms, whether supplied as such or as a component of composite articles. Some advice is also given on cleaning. (Price Rs. 2.50).
54.	IS : 6719-1972 Specification for solid PVC soles and heels.	—	This standard prescribes the requirements and the methods of sampling and test for PVC full solid soles with or without heels, half soles and heels sold as finished products and manufactured by either direct injection or stuck-on-process. (Price Rs. 6.00).
55.	IS : 6721-1972 Specification for PVC sandal	—	This standard prescribes the requirements and methods of sampling and test for PVC sandal manufactured by injection moulding process. (Price Rs. 6.00).
56.	IS : 6722-1972 Dimensions for aircraft jacking pads.	—	This standard prescribes the shape and dimensions for aircraft main jacking and axle jacking pads of the spigot type. (Price Rs. 3.00).
57.	IS : 6729-1972 Specification for wooden paddles.	—	This standard covers the general requirements, dimensions and tests for paddles used with small boats and canoes. (Price Rs. 3.00).
58.	IS : 6744- (Part I) 1972 Methods of chemical analysis of ilmenite, Part I.	—	This standard covers methods for determination of silica, total iron as ferric oxide, zirconia, alumina, manganous oxide and phosphorus pentoxide in Indian ilmenite ores. (Price Rs. 5.50).
59.	IS : 6745-1972 Methods for determination of mass of zinc coating on zinc coated iron and steel articles.	—	This standard covers the procedures for determination of mass coating on zinc coated sheet, wire and other iron and steel articles. (Price Rs. 5.00).

(1)	(2)	(3)	(4)
60. IS : 6747-1972 Specification for chewing gum and bubble gum.	—		This standard prescribes the requirements and methods of test for chewing gum and bubble gum. (Price Rs. 3.00).
61. IS : 6772-1972 Recommendation for dimensional co-ordination for industrialised buildings-preferred increments.	—		This standard gives recommendations for preferred increments for building components and spaces and the method of application of the preferred increments to vertical and horizontal dimensions. (Price Rs. 2.50).
62. IS : 6776-1973 Specification for knurling wheels.			This standard specifies the dimensions and requirements for knurling wheels suitable for knurling conforming to IS: 3403-1966 dimensions for knurling. (Price Rs. 3.00).
63. IS : 6777-1972 Specification for forceps, dissecting, lung.	—		This standard specifies the physical and performance requirements of lung dissecting forceps used in thoracic surgery. (Price Rs. 3.00).
64. IS : 6785-1973 Specification for plate, bone, wain, wright, osteotomy.	—		This standard specifies the dimensional and other requirements for Wain Wright osteotomy bone plate used as an implant in orthopaedic surgery. (Price Rs. 3.00).
65. IS : 6786-1973 Specification for plate, bone, McLaughlin.	—		This standard specifies the dimensional and other requirements of McLaughlin bone plates used as an implant in orthopaedic surgery. (Price Rs. 3.00).
66. IS : 6790-1973 Specification for plate, bone, intertrochanteric, thomton type.	—		This standard specifies the dimensional and other requirements of intertrochanteric bone plate used as an implant in orthopaedic surgery. (Price Rs. 3.00).
67. IS : 6792-1972 Method for determination of electric strength of insulating oils	—		This standard covers a method for determination of electric strength of insulating oils. (Price Rs. 4.00).
68. IS : 6800-1972 Dimensions for aircraft tow bar connections to tractors.	—		This standard gives the dimensions for end fittings of aircraft tow bars for connection to tractors. (Price Rs. 3.00).
69. IS : 6801-1973 Specification for screwdriver bits, surgical.	—		This standard specifies the dimensional and other requirements for surgical screwdriver bits used in orthopaedic surgery. (Price Rs. 3.00).
70. IS : 6808-1972 Specification for grinder, hand, domestic.	—		This standard specifies the dimensions and other requirements of domestic hand grinder used for grinding spices and pulses. (Price Rs. 3.00).
71. IS : 6809-1972 Specification for fixed-height walking frame.	—		This standard specifies the dimensional and other requirements for fixed-height walking frame without wheels or castors. (Price Rs. 3.00).
72. IS : 6811-1972 Specification for syringe, water, self-filling, dental.	—		This standard specifies the dimensional and other requirements for self-filling water syringe used in dentistry. (Price Rs. 3.00).
73. IS : 6814-1972 Specification for syringe, air and water, dental.	—		This standard specifies the dimensions and other requirements for air and water syringe used in dentistry. (Price Rs. 3.00).
74. IS : 6815-1972 Specification for retainers, matrix, dental, No. 1 and 2.	—		This standard specifies the dimensional and other requirements for matrix retainers No. 1 and 2 used in dentistry. (Price Rs. 3.00).
75. IS : 6816(Part I)-1973 Specification for fluted feed roller type seed metering mechanism Part I seed feed rollers.	—		This standard specifies the requirements for seed feed roller for fluted feed roller type seed metering mechanism of seed-cum-fertilizer drills. (Price Rs. 3.00).



(1)	(2)	(3)	(4)
76. IS : 6816 (Part II)-1973 Specification for fluted feed roller type seed metering mechanism Part II seed feed cut-off.	—		This standard specifies the requirements for seed feed cut-off for fluted feed roller type seed metering mechanism of seed-cum-fertilizer drills. (Price Rs. 3.00).
77. IS : 6816 (Part III)-1973 Specification for fluted feed roller type seed metering mechanism Part III retaining ring and cover.	—		This standard specifies the requirements for retaining ring and cover for fluted feed roller type seed metering mechanism of seed-cum-fertilizer drills. (Price Rs. 3.00)
78. IS : 6816 (Part IV)-1973 Specification for fluted feed roller type seed metering mechanism Part IV seed feed cup.	—		This standard specifies the requirements for seed feed cup used in fluted feed roller type seed metering mechanism of seed-cum-fertilizer drills. (Price Rs. 3.00).
79. IS : 6817 (Part I)-1973 Specification for plate type seed metering mechanism. Part I seed plates.	—		This standard specifies the requirements for seed plates for plate type seed metering mechanism of seed-cum-fertilizer drills. (Price Rs. 4.00).
80. IS : 6817 (Part II)-1973 Specification for plate type seed metering mechanism Part II seed feed rollers.	—		This standard specifies the requirements for seed feed roller for plate type seed metering mechanism of seed-cum-fertilizer drills. (Price Rs. 3.00).
81. IS : 6822-1972 Specification for cutter distal arch wire, dental.	—		This standard specifies the dimensions and other requirements for distal arch wire cutter used in dentistry. (Price Rs. 3.00).

Copies of this Indian Standard are available for sales with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-1 and also its Branch Office at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Hyderabad, Kanpur, Madras and Chandigarh.

[No CMD/13 :2]

A. K. Gupta, Dy. Director General

नई दिल्ली, दिनांक 4 अप्रैल, 1975

कां० प्रा० 1292—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन बिज्ञान) विनियम 1955 के विनियम 3 के उपविनियम (4) के अधीन प्राप्त अधिकारों के अनुसार नीचे अनुसूची में जिस IS : 4366 (भाग 1) -1972 के खीरे दिए गए हैं, उनके उपबन्धों में मानक बिज्ञान के उपयोग में गति लाने के उद्देश्य से परीक्षात्मक रूप से संशोधन किए गए हैं। इन संशोधनों के द्वारा भारतीय मानक के अनुरूप बने माल की किस्म पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा और ये संशोधन तुरन्त लागू हो जायेंगे—

#### अनुसूची

क्रम भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक जिसके उपबन्धों में संशोधन संख्या किया गया है।

भारतीय मानक के उपबन्धों में किए गए संशोधनों का विवरण

(1)	(2)	(3)
1. IS : 4366 (भाग 1)-1972 जुलाई में प्रयुक्त चकतियों की विशिष्टि भाग 1 अक्षतल प्रकार की (पहला पुनरीक्षण)	[पृष्ठ 8, सारणी 4, क्रमसंख्या (2) के सम्मुख अंतिम स्तम्भ में]—वर्तमान श्रृंख के स्थान पर निम्नलिखित कर लीजिए : “मोटाई घोषित सांकेतिक मोटाई के 10 प्रतिशत से अधिक कम-ज्यादा नहीं होगी बशर्ते कि यह मोटाई सारणी 1 में निर्दिष्ट न्यूनतम मोटाई से कम न हो रही हो।” (पृष्ठ 9, खण्ड 9.2)—वर्तमान श्रृंख के स्थान पर निम्नलिखित कर लीजिए : “खोदने वाली धार की मोटाई तत्त्वतः एक समान हो। 560 मिमी से कम सांकेतिक साइज वाली चकतियों की धार 0.2 से 1.0 मिमी के बीच और 560 मिमी से अधिक सांकेतिक साइज वाली चकतियों की धार की मोटाई 0.5 से 1.5 मिमी के बीच हो।”	

[संख्या सी० ए० डी०/13:4]

एस० के० सेन, महानिदेशक

## MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES

(Indian Standard Institution)

New Delhi, the 4th April, 1975

**S. O. 1292.**—In exercise of the powers conferred on me under sub-regulation (4) of regulation 3 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations 1955, as amended from time to time, modifications to the provisions of IS: 4366 (Part I)—1972, details of which are mentioned in the Schedule given hereafter, have tentatively been made with a view to expediting the use of the Standard Mark, without in any way affecting the quality of goods covered by the relevant standard. This notification shall come into force with immediate effect.

## SCHEDULE

Sl. No.	No. and Title of Indian Standard the Provisions of which have been modified	Particulars of Modifications made to the provisions
(1)	(2)	(3)
1.	IS: 4366 (Part I)—1972 Specification for agricultural tillage discs Part I Concave type (first revision).	[Page 8, Table 4, Last Column against Sl. No. (2)]—Substitute the following for the existing: “The thickness shall not differ by more than 10 percent of the declared nominal value provided the thickness does not fall below the minimum value specified in Table 1”. [Page 9, Clause 9.2]—Substitute the following for the existing: “The thickness of the cutting edge shall be reasonably uniform. The edge thickness for the discs below 560 mm nominal size shall be between 0.2 to 1.0 mm and for discs of nominal size 560 mm and above shall be between 0.5 to 1.5 mm”.

[No. CMD/13:4]

S. K. SEN, Director General

नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 1975

क्रा० प्रा० 1293—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विज्ञान) विनियम 1955 के विनियम 5 के उपविनियम (1) के अनुसार अधिसूचित किया जाता है कि जिन भारतीय मानकों के व्योरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे रद्द कर दिए गए हैं:

## अनुसूची

क्रम सं०	रद्द किए गए भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक	भारत के राजपत्र अधिसूचना एस० ओ० जिसमें भारतीय मानक के निर्धारण किए जाने संबंधी सूचना छपी थी	विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 395-1962 मोटर गाड़ियों के लिए सीसा अम्ल भंडारण बैटरियों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	भारत के राजपत्र भाग II खण्ड 3, उपखण्ड 2 दिनांक 24 अगस्त, 1963 में एस० ओ० संख्या 2370 दिनांक 7 अगस्त, 1963 के अन्तर्गत प्रकाशित ।	IS : 7372-1974 मोटर गाड़ियों के लिए सीसा अम्ल भंडारण बैटरियों की विशिष्टि के प्रकाशन के फलस्वरूप रद्द किया गया ।
2.	IS : 450-1964 कपड़े बड़े गोल तांबे के चालकों की विशिष्टि	भारत के राजपत्र भाग II खण्ड 3, उपखण्ड (2) दिनांक 2 जनवरी, 1965 में एस० ओ० 83 दिनांक 16 दिसम्बर, 1964 के अन्तर्गत प्रकाशित ।	IS : 7391 (भाग 1)—1974 कपड़ा बड़े तांबे के चालकों की विशिष्टि भाग 1 गोल चालक के प्रकाशन के फलस्वरूप रद्द किया गया ।
3.	IS : 985-1962 मोटर गाड़ियों के लिए सीसा अम्ल भंडारण बैटरियों की विशिष्टि (विशेष) (पुनरीक्षण)	भारत के राजपत्र भाग II खण्ड 3, उपखण्ड (2) दिनांक 26 मई, 1962 में एस० ओ० 1573 दिनांक 17 मई, 1962 के अन्तर्गत प्रकाशित ।	IS : 7372-1974 मोटर गाड़ियों के लिए सीसा अम्ल भंडारण बैटरियों की विशिष्टि के प्रकाशन के फलस्वरूप रद्द किया गया ।
4.	IS : 1666-1961 ट्रांसफार्मर वाइडिंग के लिए कागज लके आयताकार तांबे के चालकों की विशिष्टि	भारत के राजपत्र भाग II खण्ड 3, उपखण्ड (2) दिनांक 28 अक्टूबर, 1961 में एस० ओ० 2534 दिनांक 16 अक्टूबर, 1961 के अन्तर्गत प्रकाशित ।	IS : 7404 (भाग 2)—1974 कागज के तांबे के चालकों की विशिष्टि भाग 2 आयताकार चालक के प्रकाशन के फलस्वरूप रद्द किया गया ।

(1)	(2)	(3)	(4)
5. IS : 2068-1962 कपड़ा चढ़े आयताकार तारों के चालकों की विशिष्टि	भारत के राजपत्र भाग II खण्ड 3, उपखण्ड (2) दिनांक 20 अप्रैल, 1963 में एस० प्रो० 1147 दिनांक 10 अप्रैल, 1963 के अंतर्गत प्रकाशित ।	IS : 7391 (भाग 2)-1974 कपड़ा चढ़े आयताकार तारों के चालकों की विशिष्टि भाग 2 आयताकार चालकों के प्रकाशन के फलस्वरूप रद्द किया गया ।	
6. IS : 3454-1966 कागज चढ़े गोल तारों के चालकों की विशिष्टि	भारत के राजपत्र भाग II खण्ड 3, उपखण्ड (2) दिनांक 27 अगस्त, 1966 में एस० प्रो० 2602 दिनांक 16 अगस्त, 1966 के अंतर्गत प्रकाशित	IS : 7404 (भाग 1)-1974 कागज चढ़े तारों के चालकों की विशिष्टि भाग 1 गोल चालकों के प्रकाशन के फलस्वरूप रद्द किए गए ।	
7. IS : 4718-1968 अनेक कागज चढ़े गोल तारों के चालकों की विशिष्टि	भारत के राजपत्र भाग II खण्ड 3, उपखण्ड (2) दिनांक 25 जनवरी, 1969 में एस० प्रो० 368 दिनांक 10 जनवरी, 1969 के अंतर्गत प्रकाशित		

[सं० सी० एम० डी०/13:7]

New Delhi, the 8th April, 1975

S.O. 1293—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 5 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations 1955, as amended from time to time, it is, hereby, notified that the Indian Standards, particulars of which are mentioned in the Schedule given hereafter, have been cancelled:

## SCHEDULE

Sl. No. & Title of the Indian Standard Cancelled	S.O. No. & Date of the Gazette Notification in which Establishment of the Indian Standard was notified	Remarks
(1)	(2)	(3)
1. IS: 395-1962 Specification for lead-acid storage batteries for motor vehicles. (second revision)	S.O. 2370 dated 7 August 1963 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii) dated 24 August 1963.	Cancelled in view of publication of IS: 7372-1974 Specification for lead-acid storage batteries for motor vehicles.
2. IS: 450-1964 Specification for cotton covered round copper conductors.	S.O. 83 dated 16 December 1964 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-Section (ii) dated 2 January, 1965.	Cancelled in view of publication of IS: 7391 (Part I)—1974 Specification for cotton-covered copper conductors: Part I Round conductors.
3. IS: 985-1962 Specification for lead-acid storage batteries for motor vehicles. (special revised)	S.O. 1573 dated 17 May 1962 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated 26 May, 1962.	Cancelled in view of publication of IS: 7372-1974 Specification for lead-acid storage batteries for motor vehicles.
4. IS: 1666-1961 Specification for paper covered rectangular copper conductors for transformer windings.	S.O. 2534 dated 16 October 1961 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii) dated 28 October, 1961.	Cancelled in view of publication of IS: 7404 (Part II)—1974 Specification for paper covered copper conductors: Part II Rectangular conductors.
5. IS: 2068-1962 Specification for cotton covered rectangular copper conductors.	S.O. 1147 dated 10 April 1963 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated 20 April, 1963.	Cancelled in view of publication of IS: 7391, (Part II)—1974 Specification for Cotton covered copper conductors: Part II Rectangular conductors.
6. IS: 3454-1966 Specification for paper covered round copper conductors.	S.O. 2602 dated 16 August 1966 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated 27 August, 1966.	Cancelled in view of publication of IS: 7404 (Part I)—1974 Specification for paper covered copper conductors: Part I Round conductors.
7. IS: 4718-1968 Specification for multiple paper covered round copper conductors.	S.O. 368 dated 10 January 1969 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-Section (ii) dated 25 January, 1969.	



[No. CMD/13 : 7]

नई दिल्ली, 9 अप्रैल, 1975

क्रा० प्रा० 1284.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 4 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से अधिसूचित किया जाता है कि जिस मानक चिह्न की डिजाइन उसके प्राथमिक विवरण तथा तत्सम्बन्धी भारतीय मानक के शीर्षक सहित नीचे अनुसूची में दी गई है, वह भारतीय मानक संस्था द्वारा निर्धारित की गई है।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम 1952 और उसके अधीन बने नियमों के निमित्त यह मानक चिह्न लागू की गई विधियों से लागू हो जाएंगी :

## अनुसूची

क्रम	मानक चिह्न की डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की संस्था और शीर्षक	मानक चिह्न की डिजाइन का शब्दिक विवरण	लागू होने की तिथि
1	2	3	4	5	6
1		मोनोब्लॉक बनावट के अपकेन्द्रीय पम्प	IS: 1520-1972 साफ टंडे और ताज़ पानी के लिए क्षेपित अपकेन्द्रीय पम्प की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) IS: 325-1970 तीन फेजी प्रेरण मोटर की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें 'ISI' शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर शब्द और अंक 'IS: 1520' तथा शब्द और अंक 'IS: 325' नीचे की ओर दिए गए हैं।	16 फरवरी 1975
2.		कोलतार खाद्य रंग निमित्तियां	ISI: 5346-1969 कोलतार खाद्य रंग निमित्तियों (प्रिपेरेशन्स) की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें 'ISI' शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम में नीचे की ओर भारतीय मानक की संस्था और शब्द 'फूड कलर प्रिपेरेशन्स' अंकित है।	1 जनवरी 1975


[सं० सी०एस०डी०/13:9]


New Delhi, the 9 April, 1975

S.O. 1294.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution hereby notifies that the Standard Mark(s) design(s) of which together with the verbal description of the designs and the title(s) of the relevant Indian Standard(s)/are given in the Schedule here to annexed, have been specified.

These Standard Mark(s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from the dates shown against each:

## SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark	Date of Effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	IS: 1520 	Centrifugal pumps of monoblock construction.	IS: 1520-1972 Specification for horizontal Centrifugal pumps for clear, cold, fresh water (first revision) with IS:325-1970 Specification for three-phase induction motors (third revision)	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col.(2), the letters and figures 'IS:1520' being superscribed on the top side and the letters & figures 'IS:325' being subscribed under the bottom side of the monogram as indicated in the design.	16 Feb. 1975




(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
2.		Coal tar food colour preparations.	IS: 5346-1969 Specification for coal tar food colour preparations.	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col.(2); the number of the Indian Standard and the words 'FOOD COLOUR PREPARATIONS' being subscribed under the bottom side of the monogram as indicated in the design.	1 Jan. 1975

[No : CMD/13 : 9]

क्र०प्रा० 1295.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 4 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से अधिसूचित किया जाता है कि जिस मानक चिह्न की डिजाइन उसके शाब्दिक विवरण तथा तत्सम्बन्धी भारतीय मानक के शीर्षक सहित नीचे अनुसूची में दी गई है, वह भारतीय मानक संस्था द्वारा निर्धारित की गई है।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम 1952 और उसके अधीन बने नियमों के निमित्त यह मानक चिह्न आगे दी गई तिथियों से लागू हो जाएंगे :

## अनुसूची




क्रम संख्या	मानक चिह्न की डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक	मानक चिह्न की डिजाइन का शाब्दिक विवरण	लागू होने की तिथि
1	2	3	4	5	6
1.		हवा में छिड़कने का कीटाणुनाशी पदार्थ	IS : 1824-1971 हवा में छिड़कने के कीटाणुनाशी पदार्थ की विधि (पहला पुनरीक्षण)	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें ISI शब्द होते हैं, स्तम्भ (2) में दिखाई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदसंख्या दी गई है।	1 फरवरी, 1975
2.		द्रव में निलम्बन योग्य बाला गंधक पाउडर	IS : 3383-1965 द्रव में निलम्बन योग्य गंधक पाउडर की विधि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें ISI शब्द होते हैं, स्तम्भ (2) में दिखाई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदसंख्या दी गई है।	1 अक्टूबर, 1970
3.		धिराम, तकनीकी	IS : 4320-1967 धिराम, तकनीकी की विधि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें ISI शब्द होते हैं, स्तम्भ (2) में दिखाई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदसंख्या दी गई है।	1 नवम्बर, 1970

[सं० सी०एम०डी०/13 : 9]

**S. O. 1295.**—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institutions (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution hereby notifies that the Standard Mark(s), design(s) of which together with the verbal description of the design (s) and the title(s) of the relevant Indian Standard(s) are given in the Schedule hereto annexed, have been specified.

These Standard Mark(s) for the purpose, of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from the dates shown against each:

## SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark	Date of effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. IS: 1824		Insecticidal space spray	IS: 1824-1971 Specification for insecticidal space spray (first revision)	The monogram of the Indian Standards Institution consisting of letters, 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1 Feb. 1975
2. IS: 3383		Wettable sulphur powder	IS: 3383-1965 Specification for wettable sulphur powders.	The monogram of the Indian Standards Institution consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1 Oct. 1970
3. IS: 4320		Thiram, technical	IS: 4320-1967 Specification for thiram, technical	The monogram of the Indian Standards Institution consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2) the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1 Nov. 1970

[No. CMD/13:9]

क्र० प्रा० 1296.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विभिन्न उत्पादों पर प्रति इकाई मुहर लगाने की कोम निर्धारित की गई है। ये कोम उनके आगे दी गई विधियों से लागू हो जाएंगी :

## अनुसूची

क्रम संख्या	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	संबंध भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक	ईकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की कोस	लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	हवा में छिड़कने का कीटाणु नाशक पदार्थ	IS : 1824-1971 हवा में छिड़कने का कीटाणु नाशक पदार्थ की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एक लिटर	3 पैसे	1 फरवरी 1975
2.	द्रव में निलंबन योग्य गंधक पाउडर	IS : 3383-1965 द्रव में निलंबन योग्य गंधक पाउडर की विशिष्टि	एक कि० ग्रा०	5 पैसे	1 अक्टूबर 1970
3.	थिराम, तकनीकी	IS : 4320-1967 थिराम, तकनीकी की विशिष्टि	एक मीटरीटन	रु० 3.00	1 नवम्बर 1970

[सं० सी एम डी/13:10]

**S.O. 1296.**—In pursuance of sub-regulation(3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the marking fee(s) per unit for various products, details of which are given in the Schedule hereto annexed, have been determined and the fee(s) shall come into force with effect from the dates shown against each:

## SCHEDULE

Sl No.	Product/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Making fee per unit	Date of effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	Insecticidal space spray	Is: 1824-1971 Specification for Insecticidal space spray (First Revision)	One litre	3 Paise	1 Feb. 1975
2.	Wettable sulphur powder	IS:3383-1965 Specification for wettable sulphur powder.	One Kg	5 Paise	1 Oct. 1970
3.	Thiram, technical	IS:4320-1967 Specification for thiram, technical	One Tonne	Rs. 3.00	1 Nov. 1970

[No. CMD/13:10]

**क्रा० प्र० 1297**—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विज्ञान) विनियम 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विभिन्न उत्पादों पर प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस निर्धारित की गई है। ये फीस उनके प्रागे दी गई तिथियों से लागू हो जाएंगी।

## अनुसूची

क्रम संख्या	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	संबंध भारतीय मानक की परसंख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस	लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	मोनोब्लॉक बनावट के अपकेन्द्रीय पम्प	IS: 1520-1972 साफ ठंडे और ताजे पानी के लिए क्षेतिज अपकेन्द्रीय पम्प की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) IS: 325-1970 तीन फेजी प्रेरण मोटर की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	एक मोनोब्लॉक सेट	रु० 2.00	16 फरवरी 1975
2.	कोलतार खाद्य रंग निर्मितियां	IS : 5346-1969 कोलतार खाद्य रंग निर्मितियों (प्रिपेरेशन) की विशिष्टि	एक किलो/एक लिटर	10 पैसे प्रति किलो ठोस रंगों के लिए और 3 पैसे प्रति लिटर तरल द्रवों के लिए	1 जनवरी 1975

[सं० सी०एम०डी०/13:10]

ए० के० गुप्ता, उपमहानिदेशक

**S.O. 1297.**—In pursuance of sub-regulation(3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the marking fee(s) per unit for various products, details of which are given in the schedule hereto annexed, have been determined and the fee(s) shall come into force with effect from the dates shown against each:—

## SCHEDULE

Sl No.	Product/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking fee per unit	Date of effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	Centrifugal pumps of monoblock construction.	IS:1520-1972 Specification for horizontal centrifugal pumps for clear, cold, fresh water (first revision) with IS:325-1970 Specification for three-phase Induction motors (third revision)	One monoblock set	Rs. 2.00	16 Feb. 75
2.	Coal tar food colour preparations	IS:5346-1969 Specification for coal tar food colour preparations.	One kg/One litre	10 Paise per kg for solid colour and 3 Paise per litre for liquid colours	1 Jan. 75

[No. CMD/13:10]

A. K. GUPTA,  
Deputy Director General

(भारी उद्योग विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 18 मार्च, 1975

का० आ० 1298.—उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 85) की धारा 6 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एचम विकास परिषदें (कार्यविधि) नियम, 1952 के नियम 2, 4 और 5 के साथ पढ़ते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा यह आदेश देती है कि निम्नलिखित व्यक्ति तत्काल से भारत सरकार उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय भारी उद्योग विभाग के आदेश सं० का० आ०/आई० डी० आर० ए०/6/5 दिनांक 12 फरवरी, 1975 के द्वारा पुनर्गठित तथा स्थापित ऊर्जा जनित्रण, परिषण तथा वितरण करने की (स्वरेलू काम में आने वाले मोटरों तथा पैनल यंत्रों को छोड़कर) बिजली की मोटरों, तथा मशीनों और उपकरणों के निर्माण प्रथवा उत्पादित प्रत्युत्पन्न उद्योगों की विकास परिषद् के सदस्य नहीं रहेंगे :—

1. श्री सी० डी० गांधी,  
अध्यक्ष, भारतीय विद्युत निर्माता संघ,  
बम्बई।

केन्द्रीय सरकार भी निम्नलिखित व्यक्ति को उपरिलिखित विकास परिषद् का सदस्य नियुक्त करती है :—

1. श्री एस० के० घोष,  
अध्यक्ष, भारतीय विद्युत निर्माता संघ,  
बम्बई।

सदस्य

केन्द्रीय सरकार यह निर्देश भी देती है कि उक्त आदेश में निम्नलिखित संशोधन किया जाएगा :—

क्रम संख्या 23 और उससे संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टि रखी जाएगी :—

- "23. श्री एस० के० घोष,  
अध्यक्ष, भारतीय विद्युत निर्माता संघ,  
बम्बई।

[संख्या आई० डी० आर० ए०/6/5 ई०ई०आई०-19(40)/74]

एस० गणेशपण्डितन, अवर सचिव

(Department of Heavy Industry)

ORDER

New Delhi, the 18th March, 1975

S. O. 1298.—In exercise of the powers conferred by section 6 of the Industries (Development & Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) read with rules 2, 4 & 5 of the Development Councils (Procedural) Rules 1952, the Central Government hereby orders that the following person shall cease to be the member of the Development Council for Scheduled Industries engaged in the manufacture or production of electric motors and of machinery and equipment for generation, transmission and distribution of energy (excluding house service meters and panel instruments) which was reconstituted and established by Order No. S.O./IDRA/6/5 dated the 12th February, 1975 of the Government of India, Ministry of Industry and Civil Supplies Department of Heavy Industry, with immediate effect :—

1. Shri C. D. Gandhi, President,  
Indian Electrical Manufacturers  
Association, Bombay.

The Central Government also appoints the following person to be the member of the aforesaid Development Council :—

1. Shri S. K. Ghose, President,  
Indian Electrical Manufacturers  
Association, Bombay. Member

The Central Government also directs that the following amendment shall be made in the said Order :—

For Serial No. 23 and entries relating thereto, the following Serial No. and entries shall be substituted :—

- "23. Shri S. K. Ghose, President,  
Indian Electrical Manufacturers  
Association, Bombay.

[No. S of 1 DRA/6/5/EEI-19(40)/74]  
S. GANESAPANDIAN, Under Secy.

विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली 14 फरवरी, 1975

का० आ० 1299.—राष्ट्रपति, श्री माधवन कूट्टी को 14 नवम्बर 1974 के पुराहान से निदेशक (पी वी) एवं मुख्य पारपत्र अधिकारी, तथा उत्प्रवासन का महा नियंत्रक नियुक्त करते हैं।

[सं० सी० पी० ई० प्रो०/5/74]

एस० एस० भटनागर, निविष्ट  
अवर सचिव

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 14th February, 1975

S. O. 1299.—The president is pleased to appoint Shri Madhavan Kutty as Director (PV) & Chief Passport Officer, and Controller-General of Emigration with effect from the forenoon of 14th November, 1974.

[No. CPEO/5/74]

S. S. BHATNAGAR, Under Secy. (PVA)

ऊर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 18 मार्च 1975

का० आ० 1300.—यतः कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1856, तारीख 12 जुलाई, 1974 द्वारा, केन्द्रीय सरकार ने उम अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट परि-क्षेत्र में 1000.00 या (लगभग) 404.68 हेक्टेयर (लगभग) भूमियों में कोयले के लिए पूर्वक्षण करने के संबंध में अपने आशय की सूचना दी थी।

और यतः केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त भूमियों के भाग में कोयला अभिप्राप्य है;

अतः अब कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम 1957 (1957 का 20) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इससे संलग्न अनुसूची में



अंशित 53.40 एकड़ (लगभग) या 21.61 हेक्टेयर (लगभग) वाली भूमियां अर्जित करने की अपने आशय की सूचना देती है।

टिप्पण-1.—इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांकों का त्रयीक्षण कलेक्टर, मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश) के कार्यालय में अथवा कोयला नियंत्रक के कार्यालय, 1, काउंसिल हाऊस स्ट्रीट, कलकत्ता में अथवा राष्ट्रीय

कोयला विकास निगम लिमिटेड (राज्य अनुभाग) के कार्यालय, दरभंगा हाऊस, रांची (बिहार) में किया जा सकेगा।

टिप्पण-2.—कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाऊस स्ट्रीट, कलकत्ता को केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है।

#### अनुसूची

(जिसमें अर्जित की जाने वाली भूमियां दर्शित हैं)

जोगीचीवरा खण्ड विस्तार

(बीना और सिंगरीली परियोजनाएं)

सिंगरीली कोयला क्षेत्र

उप खण्ड-ए

सभी अधिकार

क्रम सं०	ग्राम	तहसील	परगना	परगना सं०	धाना	जिला	क्षेत्र	टिप्पणी
1.	पंथ सागर	बूधी	सिंगरीली	—	मिसरा (खिरवा)	मिर्जापुर	—	आंशिक
							कुल क्षेत्र :—16.90 एकड़ (लगभग)	
							अथवा :—6.84 हेक्टेयर (लगभग)	

पंथ सागर क्षेत्र में अर्जित की जाने वाली भूमि : (आंशिक)

सीमा वर्णन :—

ए-बी-सी-डी लाइनें ग्राम बंशी तथा ग्राम पंथ सागर को आंशिक सामान्य सीमा के साथ-साथ (जो बीना खण्ड की आंशिक सामान्य सीमा बनाती है) जाती हैं।

डी-ए लाइन पंथ सागर क्षेत्र से होकर जाती है और बिन्दु 'क' पर मिलती है।

उप-खण्ड ए

सभी अधिकार

क्रम सं०	ग्राम	तहसील	परगना	परगना सं०	धाना	जिला	क्षेत्र	टिप्पणी
1.	पंथ सागर	बूधी	सिंगरीली	—	मिसरा (खिरवा)	मिर्जापुर	—	आंशिक
							कुल क्षेत्र :—11.10 एकड़ (लगभग)	
							अथवा :—4.49 हेक्टेयर (लगभग)	

पंथ सागर क्षेत्र में अर्जित की जाने वाली भूमि : (आंशिक)

सीमा वर्णन :—

ई-एफ लाइन, बंशी तथा पंथ सागर ग्राम की आंशिक सामान्य सीमा के साथ-साथ (जो बीना खण्ड की आंशिक सामान्य सीमा बनाती है) जाती हैं।

एफ-जी लाइन जामसिला तथा पंथ सागर ग्राम की आंशिक सामान्य सीमा के साथ-साथ (जो बीना खण्ड की आंशिक सामान्य सीमा बनाती है) जाती है।

जी-ई लाइन पंथ सागर क्षेत्र से होकर जाती है और बिन्दु 'ई' पर मिलती है।

उप खण्ड-ए/2

सभी अधिकार

क्रम सं०	ग्राम	तहसील	परगना	परगना सं०	धाना	जिला	क्षेत्र	टिप्पणी
1.	पंथ सागर	दूधी	सिंगरौली	—	मिसरा (खिरवा)	मिर्जापुर	—	आंशिक
							कुल क्षेत्र :—1.85 एकड़ (लगभग)	
							अथवा 0.75 हेक्टेयर (लगभग)	

पंथ सागर क्षेत्र में अर्जित की जाने वाली भूमि : (आंशिक)

सीमा वर्णन :—

एच-आई-जे लाइनें जामसिला तथा पंथसागर ग्राम की आंशिक सामान्य सीमा के साथ साथ (जो बीना खण्ड की आंशिक सामान्य सीमा बनाती है) जाती हैं।

जे-एच लाइन पंथ सागर से होकर जाती है और बिन्दु 'एच' पर मिलती है।

उप-खण्ड-ए/3

सभी अधिकार

क्रम सं०	ग्राम	तहसील	परगना	परगना सं०	धाना	जिला	क्षेत्र	टिप्पणी
1.	पंथसागर	दूधी	सिंगरौली	—	मिसरा (खिरवा)	मिर्जापुर	—	आंशिक
							कुल क्षेत्र :—1.95 एकड़ (लगभग)	
							अथवा 0.79 हेक्टेयर (लगभग)	

पंथ सागर क्षेत्र में अर्जित की जाने वाली भूमि : (आंशिक)

सीमा वर्णन :

के-एल-एम-एन जामसिला और पंथ सागर ग्राम की आंशिक सामान्य सीमा के साथ साथ (जो बीना खण्ड की आंशिक सामान्य सीमा बनाती है) लाइनें जाती हैं।

एन-के पंथ सागर क्षेत्र से होकर लाइन जाती है और बिन्दु 'के' पर मिलती है।

उप खण्ड-बी

सभी अधिकार :

क्रम सं०	ग्राम	तहसील	परगना	परगना सं०	धाना	जिला	क्षेत्र	टिप्पणी
1.	बरबानी	दूधी	सिंगरौली	—	मिसरा (खिरवा)	मिर्जापुर	—	आंशिक

कुल क्षेत्र :—12.60 एकड़ (लगभग)

अथवा 5.10 हेक्टेयर (लगभग)

ग्राम बरबानी में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं० :—1 (आंशिक), 36(आंशिक), 37 (आंशिक), 39(आंशिक), 40, 41, 42, 43, 44, 45 (आंशिक) 46, 47, 48(आंशिक), और 49 (आंशिक)।

सीमा वर्णन :

ओ-पी रा० को० बि० नि० द्वारा कोयला अधिनियम, के अधीन अर्जित बीना खण्ड की आंशिक पूर्वी सीमा के साथ साथ (अर्थात् बरबानी तथा जामसिला ग्रामों की सामान्य सीमा के साथ साथ) लाइन जाती है।

पी-क्यू ग्राम चानुवार तथा पंथ सागर क्षेत्र की आंशिक सामान्य सीमा के साथ साथ (अर्थात् रा० को० बि० नि० द्वारा कोयला अधिनियम के अधीन अर्जित बीना खण्ड की आंशिक सामान्य सीमा के साथ साथ) लाइन जाती है।

क्यू-आर पंथ सागर क्षेत्र से होकर लाइन जाती है।

आर-ओ बरबानी ग्राम के प्लॉट संख्या 48, 45, 49, 39, 37, 36 तथा 1 में से होकर लाइन जाती है तथा आरम्भ बिन्दु 'ओ' पर मिलती है।

रूप खण्ड 'सी'

सभी अधिकार

क्रम सं०	ग्राम	तहसील	परगना	परगना सं०	थाना	जिला	क्षेत्र	टिप्पणी
1.	कोहरीलिया	दुधी	सिंगरौली	85	मिसरा (खिरवा)	मिर्जापुर	---	आंशिक
							कुल क्षेत्र :—9.00 एकड़ (लगभग) अथवा 3.64 हेक्टेयर (लगभग)	

ग्राम कोहरीलिया में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं० :—1 (आंशिक), 2 तथा 3 (आंशिक)।

सीमा वर्णन :—

ए-ए-टी ग्राम कोहरीलिया तथा कोहरील की आंशिक सामान्य सीमा के साथ-साथ लाइन जाती है।

टी-यू ग्राम कोहरीलिया के प्लॉट संख्या 1 और 3 में से होकर लाइन जाती है।

यू-एस कोहरीलिया, भरसारी ग्रामों की आंशिक सामान्य सीमा के साथ-साथ लाइन जाती है और आरम्भ बिन्दु 'एस' पर मिलती है।

[सं० सी-3-2(3)/70-सी 5 सी ई एल]

# MINISTRY OF ENERGY

Department of Coal

New Delhi, the 18th March, 1975

S.O. 1300.—Whereas by the notification of the Government of India in the Late Ministry of Steel and Mines (Department of Mines) No. S. O. 1856 dated the 12th July, 1974, under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 1000.00 acres (approximately) or 404.08 hectares (approximately) of the lands in the locality specified in the Schedule appended to that notification.

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in part of the said lands;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the lands measuring 53.40 acres (approximately) of 21.61 hectares (approximately) described in the Schedule appended hereto.

Note 1:—The plans of the area covered by this notification may be inspected in the office of the collector, Mirzapur (Uttar Pradesh) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the office of the National Coal Development Corporation limited (Revenue Section) Darbhanga a House Ranchi (Bihar).

Note 2:—The Coal Controller 1 Council, House Street, Calcutta has been appointed by the Central Government as the competent authority under the Act.

## SCHEDULE

Jogichowara Block Extn.  
(Bina Singrauli V Projects)  
Singrauli Coalfield

DRG No. Rev. //49/74  
Dated 21.11.74  
(Showing lands to be acquired)

### Sub-Block—A

All Rights

S.No.	Village	Tahsil	Pargana	Pargana number	Thana	District Area	Remarks
1.	Panth Sagar	Dudhi	Singrauli	—	Misra (Khirwa)	Mirzapur	Part
Total area:— 16.90 acres (approximately) or 6.84 Hectares.(approximately)							

Land to be acquired in Panth Sagar area (Part).

### BOUNDARY DESCRIPTION:—

A—B—C—D Lines pass along the part common boundary of village Banshi and Panths Sagar (which forms part common boundary of Bina Block) D—A. Line passes through Panth Sagar area and meets at point 'A'.

Sub-Block—A/I

All Rights

S. No.	Village	Tahsil	Pargana	Pargana number	Thana	District Area	Remarks
1.	Panth Sagar		Dudhi Singrauli.	—	Misra(Khirwa)	Mirzapur	Part

Total area:—11.10 acres (Approximately) or 4.49 Hectares (approximately)

Land to be acquired in Panth Sagar area (Part).

### BOUNDARY DESCRIPTION:—

E—F. Line passes along the part common boundary of village Banshi and Panths Sagar (which forms part common boundary of Bina Block.)

F—G Line passes along the part common boundary of village Jamsila and Panths Sagar (which forms part common boundary of Bina Block).

G—E Line passes through Panth Sagar area and meets at point 'E'.

## Sub Block A/2

All Rights

S. No.	Village	Tehsil	Pargana	Pargana number	Thana	District	Area	Remarks
1.	Panth Sagar	Dudhi	Singrauli.	—	Misra (Khirwa)	Mirzapur		Part

Total area:—1.85 acres (approximately) or 0.75 Hectares(approximately)

Land to be acquired in Panth Sagar area (Part).

## BOUNDARY DESCRIPTION:—

H—I—J. Lines pass along the part common boundary of village Jamsila and Panths Sagar (which forms part common boundary of Bina Block).

J—H. Line passes through Panth Sagar area and meets at point 'H'.

## Sub-Block A/3.

All Rights

S. No.	Village	Tahsil	Pargana	Pargana Number	Thana	District	Area	Remarks
1.	Panth Sagar	Dudhi	Singrauli	—	Misra (Khirwa)	Mirzapur		Part

Total area 1.95 acres (Approximately) or 0.79 Hectares(approximately)

Land to be acquired in Panth Sagar area (Part)

## BOUNDARY DESCRIPTION:—

K—L—M—N. Lines pass along the part common boundary of village Jamsila and Panth Sagar (which forms part common boundary of Bina Blocks).

N—K. Line passes through Panth Sagar area and meets at point 'K'.

## Sub-Block 'B'

All Rights

S. No.	Village	Tahsil	Pargana	Pargana number	Thana	District	Area	Remarks
1.	Barwani	Dudhi	Singrauli	—	Misra (Khirwa)	Mirzapur	—	Part

Total area:— 12.60 acres (Approximately) or 5.10 Hectares(approximately)

Plot number to be acquired in village Barwani:— 1(p), 36(p), 37(p), 39(p), 40, 41, 42, 43, 44, 45(p), 46, 47, 48(p), &amp; 49(p).

## BOUNDARY DESCRIPTION:—

O—P. Line passes along the part eastern boundary of Bina Block acquired under Coal Act by NCDC(i. e. along the common boundary of villages Barwani and Jamsila.)

P—Q. Line passes along the part common boundary of village Chanduwar &amp; Panth Sagar area (i. e. along the part common boundary of Bina Block acquired under Coal Act by N. C. D. C.).

Q—R. Line passes through Panth Sagar area.

R—O. Line passes through plot numbers 48, 45, 49, 39, 37, 36, and 1 of village Barwani and meets at starting point 'O'.

## Sub-Block 'C'

All Rights

S. No.	Village	Tahsil	Pargana	Pargana number	Thana	District	Area	Remarks
1.	Koharoulia	Dudhi	Singrauli	85	Misra (Khirwa)	Mirzapur		Part

Total area:— 9.00 acres (Approximately) or 3.64 Hectares(approximately)

Plot numbers to be acquired in village Koharoulia— 1(p), 2 &amp; 3(p),

## BOUNDARY DESCRIPTION:—

S—T. Line passes along the part common boundary of village koharoulia &amp; Koharoul.

T—U. Line passes through plot numbers 1 and 3 of village Koharoulia.

U—S. Line passes along the part common boundary &amp; village Koharoulia, Dharsari and meets at starting point 'S'.

[No. (C-2(3)/70-C5/CEL]

नई दिल्ली, 9 अप्रैल, 1975

भा० का० 1301.—कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 3 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 में विनिर्दिष्ट प्रत्येक व्यक्ति को, उक्त अधिनियम की उन धाराओं के प्रयोजनार्थ, जो इसके स्तम्भ 1 में की तत्संबन्धी प्रविष्टि में, उसके नाम के सामने विनिर्दिष्ट हैं, सक्षम प्राधिकारी नियुक्त करती है :

## अनुसूची

अधिनियम की धारा कोल माइन्स अथॉरिटी लिमिटेड (पश्चिमी खंड) के ऐसे अधिकारी जिन्हें सक्षम प्राधिकारी नियुक्त किया गया है

1	2
धारा 4(3)	1. प्रबन्ध निदेशक 2. मुख्य खनन इंजीनियर (योजना) 3. अपर मुख्य खनन इंजीनियर (योजना) 4. महा प्रबन्धक और क्षेत्र महा प्रबन्धक
धारा 6	1. प्रबन्ध निदेशक 2. मुख्य खनन इंजीनियर (योजना) 3. अपर मुख्य खनन इंजीनियर (योजना) 4. महा प्रबन्धक और क्षेत्र महा प्रबन्धक
धारा 12	1. प्रबन्ध निदेशक 2. महा प्रबन्धक और क्षेत्र महा प्रबन्धक 3. उप मुख्य (राजस्व) 4. राजस्व अधिकारी
धारा 13(6)	1. प्रबन्ध निदेशक 2. मुख्य, प्रशासन और राजस्व तथा विशेष कार्य अधिकारी (प्रशासन) 3. उप मुख्य (राजस्व) 4. राजस्व अधिकारी 5. महा प्रबन्धक और क्षेत्र महा प्रबन्धक
धारा 13(7)	1. राजस्व अधिकारी
धारा 14(1)	1. प्रबन्ध निदेशक 2. मुख्य, प्रशासन और राजस्व तथा विशेष कार्य अधिकारी (प्रशासन) 3. उप मुख्य (राजस्व) 4. महा प्रबन्धक और क्षेत्र महा प्रबन्धक
धारा 14(4)	1. प्रबन्ध निदेशक 2. मुख्य, प्रशासन और राजस्व तथा विशेष कार्य अधिकारी (प्रशासन) 3. उप मुख्य (राजस्व) 4. राजस्व अधिकारी 5. महा प्रबन्धक और क्षेत्र महा प्रबन्धक
धारा 16	1. प्रबन्ध निदेशक 2. मुख्य, प्रशासन और राजस्व तथा विशेष कार्य अधिकारी (प्रशासन) 3. महा प्रबन्धक और क्षेत्र महा प्रबन्धक

1	2
धारा 17	1. प्रबन्ध निदेशक 2. मुख्य, प्रशासन और राजस्व तथा विशेष कार्य अधिकारी (प्रशासन) 3. महा प्रबन्धक और क्षेत्र महा प्रबन्धक
धारा 21	1. प्रबन्ध निदेशक 2. मुख्य, प्रशासन और राजस्व तथा विशेष कार्य अधिकारी (प्रशासन) 3. महा प्रबन्धक और क्षेत्र महा प्रबन्धक
धारा 22	1. प्रबन्ध निदेशक 2. मुख्य, प्रशासन और राजस्व तथा विशेष कार्य अधिकारी (प्रशासन) 3. उप मुख्य (राजस्व) 4. राजस्व अधिकारी 5. महा प्रबन्धक और क्षेत्र महा प्रबन्धक

प्रबन्ध निदेशक, मुख्य खनन इंजीनियर और अपर मुख्य खनन इंजीनियर (योजना), विशेष कार्य अधिकारी (प्रशासन) तथा मुख्य, प्रशासन और राजस्व, उप मुख्य (राजस्व) तथा राजस्व अधिकारी को सम्पूर्ण खण्ड के लिए सक्षम प्राधिकारी नियुक्ति किया गया है, जबकि महा प्रबन्धकों और क्षेत्र महा प्रबन्धकों को उनको अधिकारिता के अधीन अपने अपने क्षेत्रों के लिए सक्षम प्राधिकारी नियुक्ति किया गया है।

एस० आर० ए० रिज्डी, उप सचिव

[का० सं० 19(5)/75सी. ई. एल.]

New Delhi, the 9th April, 1975

S.O. 1301. In exercise of the powers conferred by section 3 of the Coal Bearing areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) the Central Government hereby appoints each of the persons specified in column 2 of the schedule hereto annexed to be the competent authority for the purpose of such of the section of the said Act as are specified against his name in the corresponding entry in column 1 thereof.

## SCHEDULE

Section of the Act.	Officers of the Coal Mines Authority Limited (Western Division) who are appointed competent authorities.
1	2
Section 4(3)	1. Managing Director. 2. Chief Mining Engineer (Planning). 3. Additional Chief Mining Engineer (Planning). 4. General Managers and Area General Managers.
Section 6	1. Managing director. 2. Chief Mining Engineer (Planning). 3. Additional Chief Mining Engineer (Planning). 4. General Managers and Area General managers
Section 12	1. Managing Director. 2. General Managers and Area General Managers. 3. Deputy Chief (Revenue). 4. Revenue Officer.

Section 13(6).	1. Managing Director. 2. Chief of Administration and Revenue and Officer on Special duty (Administration). 3. Deputy Chief (Revenue). 4. Revenue Officer. 5. General Managers and Area General Managers.	Section 17	1. Managing Director. 2. Chief of Administration and Revenue and Officer on Special Duty (Administration). 3. General Managers and Area General Managers.
Section 13(7)	1. Revenue Officer.	Section 21	1. Managing Director. 2. Chief of Administration and Revenue and Officer on Special duty (Administration). 3. General Managers and Area General Managers.
Section 14(1)	1. Managing Director. 2. Chief of Administration and Revenue and Officer on Special duty (Administration). 3. Deputy Chief (Revenue). 4. General Managers and Area General Managers.	Section 22	1. Managing Director. 2. Chief of Administration and Revenue and Officer on Special duty (Administration). 3. Deputy Chief (Revenue). 4. Revenue Officer. 5. General Managers and Area General Managers.
Section 14(4)	1. Managing Director. 2. Chief of Administration and Revenue and Officer on Special duty (Administration). 3. Deputy Chief (Revenue). 4. Revenue Officer. 5. General Managers and Area General Managers.		
Section 16	1. Managing Director. 2. Chief of Administration and Revenue and Officer on Special duty (Administration). 3. General Managers and Area General Managers.		

The Managing Director, Chief Mining Engineer and Additional Chief Mining Engineer (Planning), Officer on Special Duty (Administration) and Chief of Administration and Revenue, Deputy Chief (Revenue) and Revenue Office are appointed competent authorities for the entire division whereas General Managers and Area General Managers are appointed competent authorities for the respective areas under their jurisdiction.

[File No. 19(5)/75-CEL]

नई दिल्ली, 10 अप्रैल, 1975

क्रा० प्रा० 1302.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि उन भूमियों से जो इससे उपायय अनुसूची में वर्णित हैं, कोयला अभिप्राप्त किए जाने की संभावना है ;

अतः अब कोयला वाले क्षेत्र (मजून और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, उनमें कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने प्राण्य की सूचना देती है ।

इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक का निरीक्षण, कोल माइन्स अधोरिटी लिमिटेड (पश्चिमी खंड), (राजस्व अनुभाग) के कार्यालय बिसेसर हाऊस, टेम्पल रोड, नागपुर-1 में अथवा कलकटर, बन्नेपुर (महाराष्ट्र) के कार्यालय में अथवा कोयला नियंत्रक के कार्यालय, 1, काउन्सिल हाऊस स्ट्रीट, कलकत्ता में किया जा सकता है ।

इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाली भूमि में हितवद्ध सब व्यक्ति, उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सब मानचित्र, चार्ट और अन्य दस्तावेजों, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से नब्बे दिन के भीतर, राजस्व अधिकारी, कोल माइन्स अधोरिटी लिमिटेड (पश्चिमी खंड), बिसेसर हाऊस, टेम्पल रोड, नागपुर-1 के परित्त कर देंगे ।

अधिसूचना

दुर्गापुर खंड

वर्षा बाटी कोयला क्षेत्र

डाहंग सं० योज० X/2/74

तारीख 23-11-1974

(क) ग्राम

क्रम सं०	ग्राम	पटवारी सर्किल सं०	अन्वोवस्त सं०	तहसील और जिला	क्षेत्र (एकड़ों में)	टिप्पणियाँ
1.	पद्मापुर	11	63	बन्नेपुर	1766.40 (लगभग)	भाग
2.	दुर्गापुर	10	57	"	2213.76 (लगभग)	"
3.	वेवङ्गोबिन्दपुर	10	54	"	474.88 (लगभग)	"
		(योजना के अनुसार 8)				
4.	सिहला	11	304	"	281.60 (लगभग)	"
				कुल क्षेत्र	4736.64 एकड़ (लगभग)	
				या	1916.85 हेक्टेयर (लगभग)	

## (ख) सरकारी वन

क्रम सं०	वन का नाम	कम्पाटमेंट संख्या	कूपे संख्या	तहसील और जिला	क्षेत्र एकड़ों में	टिप्पणियाँ
1.	सरकारी वन पश्चिमी खंड	400	XXX	चन्द्रपुर	182.00 पूरा कूपे	भाग
			XXXVIII	"	185.00 "	कम्पाटमेंट
2.	सरकारी वन पश्चिमी खंड	401	यू	"	560.00 "	पूरा कम्पाटमेंट
3.	"	"	XXXVI	"	224.00 "	}
"	"	402	XXXIX	"	195.00 "	
"	"	"	XXXII	"	277.00 "	
"	"	"	XXXIII	"	156.00 "	
"	"	"	XXXIV	"	153.00 "	}
"	"	"	XXXVI	"	179.00 "	
4.	"	403	XXXV	"	153.00 "	}
"	"	"	XXXVII	"	210.00 "	
"	"	"	यू	"	148.00 "	"
5.	"	404	कोई कूपे नहीं	"	403.00 पूरा कम्पाटमेंट	
6.	"	405	" " "	"	294.00 "	
7.	"	406	" " "	"	606.00 "	
8.	अनोन्यूनिट क्षेत्र	कुछ नहीं	कुछ नहीं	"	51.00 पूरा क्षेत्र रेखांक पर चिन्हित	
कुल क्षेत्र					3976.00 एकड़	
या					1609.03 हेक्टेयर	
(क) और (ख) का कुल जोड़					8712.64 एकड़	
या					3525.03 हेक्टेयर	

सीमा वर्णन :

ए-बी	लाइन पद्मापुर ग्राम से होकर जाती है और पद्मापुर ग्राम की पूर्वी सीमा पर बिन्दु 'बी' पर मिलती है ।
बी-सी	लाइन पद्मापुर ग्राम और सरकारी वन की आंशिक सामान्य सीमा के साथ साथ जाती है और बिन्दु 'सी' पर मिलती है ।
सी-डी	लाइन पद्मापुर ग्राम से होकर जाती है और बिन्दु 'डी' पर मिलती है ।
डी-ई	लाइन पद्मापुर, दुर्गापुर और सिहला ग्रामों से होकर जाती है और सिहला ग्राम के भीतर बिन्दु 'ई' तक पहुंचती है ।
ई-एफ	लाइन सिहला ग्राम से होकर जाती है और सिहला ग्राम तथा सरकारी वन कम्पाटमेंट संख्या 400 की सामान्य सीमा पर बिन्दु 'एफ' पर मिलती है ।
एफ-जी	लाइन सरकारी वन कम्पाटमेंट संख्या 400 में कूपे संख्या XXX, XXXVIII और XL के बीच सामान्य सीमा के साथ-साथ जाती है और फिर सरकारी वन कम्पाटमेंट संख्या 401, 403 और 404 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है तथा कम्पाटमेंट संख्या 406 की उत्तरी सीमा पर बिन्दु 'जी' पर मिलती है ।
जी-एच	लाइन सरकारी वन कम्पाटमेंट संख्या 406 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'एच' पर मिलती है ।
एच-आई	लाइन सरकारी वन कम्पाटमेंट सं० 406 और 408 की सामान्य सीमा के साथ साथ जाती है और बिन्दु 'आई' पर मिलती है ।
आई-जे	लाइन कम्पाटमेंट सं० 406 और 405 की दक्षिण पूर्वी सीमा के साथ साथ जाती है और बिन्दु 'जे' पर मिलती है ।
जे-के	लाइन कम्पाटमेंट सं० 405 की दक्षिणी सीमा के साथ साथ जाती है और चन्दा रैयतवाड़ी कोयलरी की वर्तमान पट्टा सीमा चन्दा /रैयतवाड़ी ग्राम की पूर्वी सीमा पर बिन्दु 'के' पर मिलती है ।
के-एल	लाइन चन्दा रैयतवाड़ी गांव और सरकारी वन कम्पाटमेंट सं० 405, 406, 404 और देवई गोविन्दपुर ग्राम की आंशिक सामान्य सीमा के साथ-साथ जाती है और चन्दा रैयतवाड़ी और देवई गोविन्दपुर ग्राम के बीच आंशिक सामान्य सीमा पर बिन्दु 'एल' पर मिलती है ।
एल-एम	लाइन देवई गोविन्दपुर और दुर्गापुर ग्रामों से होकर जाती है और दुर्गापुर ग्राम की पश्चिमी सीमा पर बिन्दु 'एम' पर मिलती है ।
एम-एन	लाइन दुर्गापुर ग्राम की आंशिक पश्चिमी सीमा के साथ साथ जाती है और बिन्दु 'एन' पर मिलती है ।
एन-ओ	लाइन दुर्गापुर ग्राम से होकर जाती है और दुर्गापुर और पद्मापुर ग्रामों के बीच सामान्य सीमा पर बिन्दु 'ओ' पर मिलती है ।
ओ-पी	लाइन पद्मापुर ग्राम की आंशिक दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'पी' पर मिलती है ।
पी-क्यू	लाइन पद्मापुर और मिर्गांव ग्राम के बीच आंशिक सामान्य सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'क्यू' पर मिलती है ।
क्यू-ए	लाइन पद्मापुर ग्राम की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'ए' पर मिलती है ।

[फा० सं० 19(4)/74सी०ई०एल०]

एस० आर० ए० रिजवी, उप सचिव

New Delhi, the 10th April, 1975

**S. O. 1302.**—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The Plan of the area covered by this notification can be inspected at the office of the Coal Mines Authority Limited (Western

Division), (Revenue Section), Bisesar House, Temple Road Nagpur-1 or at the Office of the Collector, Chandrapur (Maharashtra) or at the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Officer, Coal Mines Authority Limited (Western Division), Bisesar House, Temple Road, Nagpur-1 within 90 days from the date of publication of this notification.

**SCHEDULE**  
**DURGAPUR BLOCK**  
**WARDHA VALLEY COALFIELD**  
Drawing No. PLNG/x/2/74 Dated: 23-11-1974.  
**(A) VILLAGES**

Sl No.	Village	Patwari Circle No.	Settlement No.	Tahsil and District	Area (In acres)	Remarks
1.	Padmapur	11	63	Chandrapur	1766.40 (Approx.)	Part
2.	Durgapur	10	57	"	2213.76 (Approx.)	"
3.	Dewai Govindpur	10	54	"	474.88 (Approx.)	"
		(8 as per Plan)				
4.	Sinhala	11	304	"	281.60 (Approx.)	"

Total Area: 4736.64 acres (Approximately). or: 1916.85 hectares (Approximately).

**(B) GOVT. FOREST**

Sl No.	Name of Forest	Compartment No.	Coupe No.	Tahsil & District	Area in acres	Remarks
1.	Govt. Forest West Division	400	XXX	Chandrapur	182.00	Full Coupe
	"	"	XXXVIII	"	185.00	"
2.	"	401	U	"	560.00	"
	"	"	XXXI	"	224.00	"
3.	"	402	XXXIX	"	195.00	"
	"	"	XXXII	"	277.00	"
	"	"	XXXIII	"	156.00	"
	"	"	XXXIV	"	153.00	"
	"	"	XXXVI	"	179.00	"
4.	"	403	XXXV	"	153.00	"
	"	"	XXXVII	"	210.00	"
	"	"	U	"	148.00	"
5.	"	404	No. Coupe	"	303.00	Full Compartment
6.	"	405	"	"	294.00	"
7.	"	406	"	"	606.00	"
8.	Deforested Area	Nil.	Nil.	"	51.00	Full area marked on plan
Total Area		.....	3976.00 acres			
		or	1609.03			

**GRAND TOTAL OF (A) & (B)—8712.64 acres**

or  
3525.86 hectares

**BOUNDARY DESCRIPTION:**

- A—B. Line passes through village Padmapur and meets at point 'B' on the eastern boundary of Padmapur village.  
 B—C. Line passes along part common boundary of village Padmapur and Govt. Forest and meets at point 'C'.  
 C—D. Line passes through village Padmapur and meets at point 'D'.  
 D—E. Line passes through village Padmapur, Durgapur and Sinhala and travels upto point 'E' within the village Sinhala.  
 E—F. Line passes through villages Sinhala and meets at point 'F' on the common boundary of village Sinhala and Government Forest Compartment No. 400.  
 F—G. Line passes along common boundary between coupe Nos. XXX, XXX VIII & XL in Govt. Forest Compartment No. 400 and then passes along eastern boundary of Govt. Forest Compartment Nos. 401, 403 and 404 and meets at Point—'G' on the northern boundary of Compartment No. 406.  
 G—H. Line passes along the Northern boundary of Govt. Forest Compartment No. 406 and meets at point 'H'.  
 H—I. Line passes along common boundary of Govt. Forest compartment No. 406 and 408 and meets at Point 'I'.  
 I—J. Line passes along south eastern boundary of compartment 406 and 405 and meets at Point 'J'.  
 J—K. Line passes along Southern boundary of compartment 405 and meets at point 'K', on the existing lease boundary of Chanda Rayatwari Colliery/eastern boundary of Chanda Rayatwari Village.  
 K—L. Line passes along part common boundary between village Chanda Rayatwari and Govt. forest Compartment No. 405, 406, 404 and village Dwai Govindpur and meets at point 'L' on the part common boundary between village Chanda Rayatwari and Dewai Govindpur. This line is also part leases boundary of Chanda Rayatwari Colliery)  
 L—M. Line passes through villages Dewai Govindpur and Durgapur and meets at point 'M' on the western boundary of village Durgapur.  
 M—N. Line passes along part western boundary of village Durgapur and meets at Point 'N'.  
 N—O. Line passes through village Durgapur and meets at point 'O' on the common boundary between village Durgapur and Padmapur.  
 O—P. Line passes along southern part boundary of village Padmapur and meets at Point 'P'.  
 P—Q. Line passes along part common boundary between village Padmapur and Mingaon and meets at point 'Q'.  
 Q—A. Line passes along western boundary of village Padmapur and meets at point 'A'.

[F.No.19(4)/74—CEL]  
S. R. A. RIZVI, Dy. Secy.



## स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1975

का० प्रा० 1303.—यतः केन्द्रीय सरकार ने भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अनुसरण में बिहार सरकार से परामर्श करके डा० बी० मुखोपाध्याय, सैदपुर एक्सटेंशन, पटना-6 को 15 अप्रैल, 1975 में भारतीय चिकित्सा परिषद् का सदस्य मनोनीत किया है ;

अतः अथ उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) का अनुसरण करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की 9 जनवरी, 1960 की अधिसूचना संख्या 5-13/59-चिकित्सा-1 में आगे और निम्नलिखित संशोधित करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, “धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अधीन मनोनीत” शीर्षक के अन्तर्गत, क्रम संख्या 13 के सामने दी गई प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रख दी जाए, अर्थात्:—

“डा० बी० मुखोपाध्याय, सैदपुर एक्सटेंशन, पटना-6”

[सं० बी० 11013/1/74-एम०पी०टी०]

सती नायर, अवर सचिव ।

## MINISTRY OF HEALTH &amp; FAMILY PLANNING

New Delhi, the 15th April, 1975

S. O. 1303.—Whereas the Central Government has, in pursuance of clause (a) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) and in consultation with the Government of Bihar, nominated Dr. B. Mukhopadhyaya, Saidpur Extension, Patna-6, to be a member of the Medical Council of India, with effect from the 15th April, 1975.

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. 5-13/59-MI, dated the 9th Jan., 1960, namely :—

In the said notification, under the heading “Nominated under clause (a) of sub-section (1) of section 3”, for the entry against serial No. 13, the following entry shall be substituted, namely :—

“Dr. B. Mukhopadhyaya,  
Saidpur Extension, Patna-6”.

[No. V. 11013/1/74-MPT]  
SATHI NAIR, Under Secy.

## पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय

नई दिल्ली, 14-अप्रैल, 1975

का० प्रा० 1304.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एस०डी०ए० से डी०एम०एस०बी०बी० तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

11 GI/75—6

अतः, अथ पेट्रोलियम (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एम्बू द्वारा घोषित किया है।

यद्यपि कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप गक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देशभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड बरोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर गयेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चित यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मुतवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

डी०एम०एस०बी०बी०ए०एस०बी०बी० तक पाइपलाइन बिछाने के लिये।

राज्य : गुजरात जिला : मेहसाणा तालुका : मेहसाना

गांव	सर्वेक्षण सं०	हेक्टर	एअर ई	सेंटीयर
जगूदन	97	0	06	00
	96	0	05	50
	102	0	04	00
	92	0	12	00

[संख्या 12016/2/75-एल०एच०एल०]

ए० ए० वासुदेवन, उप सचिव

## MINISTRY OF PETROLEUM &amp; CHEMICALS

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 14th April, 1975

S. O. 1304.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from d.s. SDA to D.S.—SBV in Gujarat State, pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission ;

2. And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the RIGHT OF USER in the land described in the schedule annexed hereto ;

3. Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of User therein ;

4. Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Baroda-9 ;

5. And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person OR by a legal practitioner.

## SCHEDULE

For Laying Pipeline From D. S. SDA to SEV

State: Gujarat	District: Mehsana	Taluka: Mehsana		
Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
JAGUDAN	97	0	06	00
	96	0	05	50
	102	0	04	00
	92	0	12	00

[No. 12016/2/75-L&U]

A. A. VASUDEVAN, Dy. Secy.

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

नई दिल्ली, 9 अप्रैल, 1975

का० प्रा० 1305.—भाण्डागारण निगम अधिनियम, 1962 (1962 का 58) की धारा 42 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय भाण्डागारण निगम, केन्द्रीय सरकार की पूर्व स्वीकृति से केन्द्रीय भाण्डागारण निगम (कर्मचारिवृन्द) विनियम, 1966 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम अताता है, अर्थात्—

1. (1) इस विनियम का नाम केन्द्रीय भाण्डागारण निगम (कर्मचारिवृन्द) संशोधन विनियम, 1975 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय भाण्डागारण निगम (कर्मचारिवृन्द) विनियम, 1966 में विनियम 38 से 42 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखे जाएंगे, अर्थात्—

“38. दौरे पर या स्थानान्तरण पर यात्रा-भत्ते और दैनिक भत्ते—

(1) इन विनियमों में अन्यथा उपबन्धित के सिवाय निगम का हर कर्मचारी, दौरे पर या स्थानान्तरण पर यात्रा-भत्ते और दैनिक भत्ते की बाबत, मूल नियम, अनुपूर्वक नियम और साधारण वित्तीय नियमों में उस निमित्त अन्तर्दिष्ट उपबन्धों द्वारा उसी रूप में जिसमें वे केन्द्रीय सरकार के समरूप पद के किसी कर्मचारी को लागू होंगे, शासित होगा।

(2) निगम के कर्मचारी निम्नलिखित दरों पर दैनिक भत्ते के हकदार होंगे, अर्थात्—

प्रतिमास संभलम रेंज	दैनिक भत्त की दरें		
	ए-यर्ग नगर	राज्यों की राजधानियाँ और पतन-नगर, कोचीन	अन्य स्थान
	रु०	रु०	रु०
(1) 1500 रु० और अधिक	35	30	20
(2) 1000 रु० और अधिक किन्तु 1500 से कम	30	25	15
(3) 600 रु० और अधिक किन्तु 1000 रु० से कम	25	20	12
(4) 220 रु० और अधिक किन्तु 600 से कम	20	15	10
(5) 220 रु० से कम	15	8	5”

[का० सं० 6-64/74-एस० जी०]

ए० के० गर्दे, प्रवर सचिव

#### MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION

(Department of Food)

New Delhi, the 9th April, 1975

S. O. 1305.—In exercise of the powers conferred by section 42 of the Warehousing Corporations Act, 1962 (58 of 1962), the Central Warehousing Corporation, with the previous sanction of the Central Government, hereby makes the following regulations further to amend the Central Warehousing Corporation (Staff) Regulations, 1966, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Central Warehousing Corporation (Staff) Amendment Regulations, 1975.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Warehousing Corporation (Staff) Regulations, 1966, for regulations 38 to 42, the following regulation shall be substituted, namely:—

“38. Travelling allowance and daily allowance on tour or transfer.—(1) Save as otherwise provided in these regulations, every employee of the Corporation shall in respect of travelling allowance and daily allowance on tour or transfer, be governed by the provisions contained in that behalf in the Fundamental Rules, the Supplementary Rules and General Financial Rules, as may be applicable from time to time to an employee of the Central Government of the corresponding rank.

(2) The employees of the Corporation shall be entitled to daily allowance at the following rates, namely:—

Salary Range per mensem	Rates of Daily Allowance		
	A Class cities	State Capitals and port town of Cochin	Other places
(1) Rs. 1500 and above	Rs. 35	Rs. 30	Rs. 20
(2) Rs. 1000 and above but less than Rs. 1500/-	30	25	15
(3) Rs. 600 and above but less than Rs. 1000/-	25	20	12
(4) Rs. 220 and above but less than Rs. 600	20	15	10
(5) Less than Rs. 220	15	8	5”

[F. No. 6-64/74-SG.]

A. K. GARDE, Under Secy.

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय

(भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण)

नई दिल्ली, 10 अप्रैल, 1975

का० प्रा० 1306.—अबकि केन्द्रीय सरकार को ऐसा बर्शाया गया है कि कफरैली फ़ाब्रीजियो, जिनके पास इटली का पासपोर्ट सं० 1092/5373/पी है, ने पुरावशेष (निर्यात नियंत्रण) अधिनियम, 1947 के खंड 5 और अन्य नियमों के अधीन, दंडनीय अपराध किया है।

और तब तक कोई भी न्यायालय पुरावशेष (निर्यात नियंत्रण) अधिनियम, 1947 में दण्डनीय अपराध को मान्यता नहीं दे सकता जब तक कि लिखित रूप में उसकी शिकायत सामान्य रूप से किसी अधिकारी द्वारा या विशेष रूप से अधिकृत व्यक्ति द्वारा सरकार की ओर से न की जाए।

अब, इसलिये केन्द्रीय सरकार ने सहय श्री डी०बी० भापू, महायुक्त सहायता सीमा-शुल्क, तलाशी और सतर्कता, न्यू कस्टम हाऊस, बलार्ड पियर बम्बई-400038 को श्री कफरैली फ़ाब्रीजियो के विरुद्ध पुरावशेष (निर्यात नियंत्रण) अधिनियम 1947 के तहत अधिकृत किया है कि वे उपर्युक्त मामले की लिखित शिकायत सक्षम क्षेत्राधिकार के न्यायालय में करें।

[सं० 11/2/75-पुरा०]

एम० एन० देशपांडे, महातिदेशक,

MINISTRY OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE

Archaeological Survey of India

New Delhi, the 10th April, 1975

S. O. 1306.—Whereas it has been made to appear to the Central Government that Mr. Gaffarelli Fabrizio holding Italian Passport No. 1092/5373/P has committed offence punishable under section 5 of Antiquities (Export Control) Act, 1947 and other laws.

And whereas no court can take cognizance of an offence punishable under the Antiquities (Export Control) Act, 1947, except upon a complaint made in writing by an officer generally or specially authorised in this behalf, by the Government.

Now, therefore, the Central Government is pleased to authorise Shri D. B. Bhappu, Assistant Collector of Customs, Rummaging and Intelligence, New Customs House, Ballard Pier, Bombay-400038, to file a complaint against Mr. GAFFARELLI FABRIZIO, under the Antiquities (Export Control) Act, 1947, before a court of competent jurisdiction in the aforesaid case.

[No. 11/2/75-ANT]

M. N. DESHPANDE, Director General

नई दिल्ली, 16 अप्रैल, 1975

(पुरातत्व)

का० प्रा० 1307.—अतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपान्वित अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक राष्ट्रीय महत्व के हैं।

अतः अब, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त प्राचीन संस्मारकों को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने आशय की सूचना देती है।

उक्त प्राचीन संस्मारकों में हितवद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, इस अधिसूचना के जारी किए जाने के पश्चात् दो मास के भीतर किए गए किसी आक्षेप पर केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

(अनुसूची)

क्रम सं०	राज्य	जिला	तालुका	इलाका	प्राचीन संस्मारक का नाम	संरक्षण के अधीन जाने वाले राजस्थान भूखण्डों की संख्या	क्षेत्र	सीमा	स्वामित्व	टिपणियां
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1.	गोवा, दमण और दीव	गोवा	बावेंज	कैण्डोलिम	अगुआदा दुर्ग (ऊपरी) जिसमें बुर्ज, तालाब, खार्ड, द्वार, प्रकाश-स्तम्भ, प्राचीरभित्ति और चारों ओर की दस मीटर चौड़ी भूमि की पट्टी और उस स्थान के नक्शे में यथादर्शित सर्वेक्षण भूखण्ड सं० 92, 93 और 96 के भाग में समाविष्ट क्षेत्र सम्मिलित हैं।	उस स्थान के नक्शे में यथादर्शित सर्वेक्षण भूखण्ड सं० 92, 93 और 96 के भाग।	5768 वर्ग-मीटर	उत्तर:— सर्वेक्षण भूखण्ड सं० 96 का शेष भाग। पूर्व:— सर्वेक्षण भूखण्ड सं० 92 और 96 का शेष भाग। दक्षिण:— सर्वेक्षण भूखण्ड सं० 92 और 93 का शेष भाग। पश्चिम:— सर्वेक्षण भूखण्ड सं० 96 का शेष भाग।	सरकार	प्रकाश स्तम्भ प्रयोग किया जा रहा है।
2.	गोवा, दमण और दीव	गोवा	बावेंज	कैण्डोलिम	अगुआदा दुर्ग (निचला) की प्राचीन भित्ति जिसमें गोल बुर्ज, सीढ़ियां और दोनों ओर की भूमि की पांच मीटर चौड़ी पट्टी जो उस स्थान के नक्शे में यथादर्शित सर्वेक्षण भूखण्ड सं० 10517 और 10518 और अरब सागर के असंख्यांकित क्षेत्र का भाग है सम्मिलित हैं।	उस स्थान के नक्शे में यथादर्शित, सर्वेक्षण भूखण्ड सं० 105/7 और 105/8 और अरब सागर के असंख्यांकित क्षेत्र के भाग।	11700 वर्ग-मीटर।	उत्तर:— सर्वेक्षण भूखण्ड सं० 105/7 और 105/8 और अरब सागर के असंख्यांकित क्षेत्र के शेष भाग। पूर्व:— सर्वेक्षण भूखण्ड सं० 105। दक्षिण:— सर्वेक्षण भूखण्ड सं० 104। पश्चिम:— अरब सागर के असंख्यांकित क्षेत्र का शेष भाग।	सरकार	—

[सं० 2/21/73-एम]

एम० एन० देशपाण्डे, सहायतिवेशक और पदेन संयुक्त सचिव

New Delhi, the 16th April, 1975

(Archaeology)

S.O. 1307.—Whereas the Central Government is of opinion that the ancient monuments specified in the Schedule attached hereto are of national importance.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), the Central Government hereby gives notice of its intention to declare the said monuments to be of national importance.

Any objection made within two months after the issue of this notification by any person interested in the said ancient monuments will be considered by the Central Government.

## SCHEDULE

S. No.	State	District	Taluka	Locality	Name of ancient monument	
1	2	3	4	5	6	
1.	Goa, Daman and Diu	Goa	Bardez	Candolim	Aguada Fortress (upper) including Bastions, Tank, Moat, Gates, Lighthouse, Fortification wall and ten metres wide strip of land around and the area comprised in part of survey plot Nos. 92, 93 and 96 as shown in the site-plan.	
2.	Goa, Daman and Diu	Goa	Bardez	Candolim	Fortification of wall of Aguada fortress (lower) including circular bastion, stairways and five metre wide strip of land on either side forming part of survey plot Nos. 105/7, 105/8 and unnumbered area of Arabian Sea as shown in the site-plan.	
Revenue plot numbers to be included under protection		Area	Boundaries		Ownership	Remarks
7	8	9	10	11		
Parts of Survey plot Nos. 92, 93 and 96 as shown in the site-plan.	95768 Sq. mt.	North:—Remaining portion of survey plot No. 96.  East:—Remaining portion of survey plot Nos. 92 and 96.  South:—Remaining portions of survey plot Nos. 92 and 93.  West:—Remaining portion of survey plot No. 96.		Government	The lighthouse is in use.	
Parts of survey plot Nos. 105/7, 11700 105/8, and unnumbered area of Arabian Sea as shown in the site-plan.		North:—Remaining portions of survey plot Nos. 105/7 and 105/8 and unnumbered area of Arabian Sea.  East:—Survey plot No. 104.  South:—Survey plot No. 104.  West:—Remaining portion of unnumbered area of Arabian Sea.				

[No. 2/21/73-M]

M. N. DESHPANDE, Director General and

Ex-officio Jt. Secy.

नौवहन और परिवहन मंत्रालय  
(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 25 मार्च, 1975

कां० प्रा० 1308.—नौवहन विकास निधि समिति (साधारण) नियम, 1960 के नियम (9) के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री कुण्णमूर्ति को श्री वि० वि० सुब्रह्मण्यम के स्थान पर 7 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से नौवहन विकास निधि समिति का गतिव नियुक्त करती है।

[सं० एम०एस०डी०-13/74(एम० डी०)]

एम० के० रामस्वामी, अवर सचिव

#### MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 25th March, 1975

S. O. 1308.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule (9) of the Shipping Development Fund Committee (General) Rules, 1960, the Central Govt. hereby appoints Shri T. S. Krishna Murthy as Secretary of the Shipping Development Fund Committee, with effect from the forenoon of the 7th March, 1975, vice Shri V. V. Subrahmanyam

[No. MSD-13/74(MD)]

M. K. RAMASWAMY, Under Secy.

दीपघर एवं दीपनौ

नई दिल्ली, 24 मार्च, 1975

कां० प्रा० 1309.—भारतीय दीपघर अधिनियम 1927 (1927 का 17) की धारा 2 के खंड (ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषणा करती है कि गुजरात राज्य में लुहारा स्थान का दीपघर उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिये सामान्य दीपघर होगा।

[सं० एल.पी.एल-1/74]

दीवान चन्द अहीर, अवर सचिव

(Lighthouses and Lightships)

New Delhi, the 24th March, 1975

S. O. 1309.—In exercise of the powers conferred by clause (c) of section 2 of the Indian Lighthouse Act, 1927 (17 of 1927), the Central Government hereby declares the Lighthouse at Luhara Point in the State of Gujarat to be a general Lighthouse for the purposes of the said Act.

D. C. AHIR, Under Secy.

[No. LPL-1/74]

निर्माण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 1975

कां० प्रा० 1310.—यनः कतिपय उपान्तरण जिन्हें केन्द्रीय सरकार, इसके उपायुक्त अनुसूची में वर्णित क्षेत्रों के सम्बन्ध में दिल्ली की बृहत् योजना में करने की प्रस्तावना करती है, दिल्ली विकास अधिनियम 1957 (1957 का 61) की धारा 44 के उपबन्धों के अनुसरण में, सूचना संख्या एफ० 20(5)/74-एम०पी० दिनांक 9 नवम्बर, 1974 के साथ उक्त अधिनियम की धारा 11क की उप-धारा (3) द्वारा परापूर्विक; प्रकाशित किये गये थे जिसमें उक्त सूचना की तारीख से तीस दिवस के भीतर आक्षेप और सुझाव मांगे गये थे;

और यतः उपर्युक्त उपान्तरण के बारे में कोई आक्षेप तथा सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11(क) की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दिल्ली की उक्त बृहत् योजना में भारत के राजपत्र के इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से निम्नलिखित उपान्तरण करती है, अर्थात्—

“लगभग 2.83 हेक्टेयर (7 एकड़) के आकार का एक क्षेत्र जो दक्षिण में बदारपुर थर्मल पावर स्टेशन तथा अन्य दिशाओं में

कृषि हरित पट्टी द्वारा घिरा हुआ है, को भवन निर्माण सामग्री के उत्पादन के प्रयोजनार्थ ‘कृषि हरित पट्टी’ से ‘औद्योगिक उपयोग’ में बदला जाना है”।

अनुसूची

“दक्षिण में बदारपुर थर्मल पावर स्टेशन तथा अन्य दिशाओं में कृषि हरित पट्टी द्वारा घिरा हुआ लगभग 2.83 हेक्टेयर (7 एकड़) का आकार का क्षेत्र।

[संख्या के०-11016/65/72-यू०डी० 1]

श्रीमती प्रतिभा करन, अवर सचिव

#### MINISTRY OF WORKS & HOUSING

New Delhi, the 8th April, 1975

S. O. 1310.—Whereas certain modifications, which the Central Government proposes to make in the Master Plan for Delhi regarding the areas mentioned in the Schedule annexed hereto, were published with notice No. F. 20(5)/74-MP dated the 9th November, 1974 in accordance with the provisions of section 44 of the Delhi Development Act, 1957 (61 of 1957) inviting objections and suggestions, as required by sub-section (3) of section 11-A of the said Act, within thirty days from the date of the said notice;

And whereas no objections or suggestions have been received with regard to the aforesaid modifications;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 11-A of the said Act, the Central Government hereby makes the following modifications in the said Master Plan for Delhi with effect from the date of publication of this notification in the Gazette of India, namely :—

“An area measuring about 2.83 hectares (7 acres) surrounded by Badarpur Thermal Power Station in the south and agricultural green belt in other directions, is to be changed from ‘agricultural green belt’ to ‘industrial use’ for the purpose of manufacturing building materials.”

#### SCHEDULE

An area measuring about 2.83 hectares (7 acres) surrounded by Badarpur Thermal Power Station in the south and agricultural green belt in other directions.

[No. K-11016/65/72-UD. I]

MRS. PRATIBHA KARAN, Under Secy.

दिल्ली विकास प्राधिकरण

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 1975

कां० प्रा० 1311.—केन्द्रीय सरकार दिल्ली मुख्य योजना/जोनल प्लान में निम्नलिखित संशोधन करने का विचार कर रही है। इसे सार्वजनिक सूचना के लिए प्रकाशित किया जा रहा है। इस संशोधन के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को आपत्ति या सुझाव देना हो तो वे अपने आपत्ति/सुझाव इस जापन के 30 दिनों के भीतर सचिव, दिल्ली विकास प्राधिकरण, दिल्ली विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली-1 के पास लिखित रूप में भेज सकते हैं। जो व्यक्ति अपनी आपत्ति/सुझाव दें वे अपना नाम तथा पूरा पता भी लिखें।

संशोधन

“लगभग 3.9 है० (9.7 एकड़) का क्षेत्र जिसके उत्तर में ओम्बला गांव, पूर्व तथा पश्चिम में मनोरंजन क्षेत्र तथा दक्षिण में संस्थानीय क्षेत्र है, जो मुख्य योजना/क्षेत्रीय विकास योजना (जोन एफ०-1 तथा एफ०-7) में औद्योगिक/संस्थानीय उपयोग के लिये निर्दिष्ट है। इसे अब ‘आवासीय उपयोग’ में परिवर्तित किये जाने का प्रस्ताव है।”

गतिवार को छोड़कर सम्बन्ध कार्यशील विनों में दिल्ली विकास प्राधिकरण के कार्यालय, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली-1 में उक्त अधि में आकर प्रस्तावित संशोधन के मानचित्र का निरीक्षण किया जा सकता है।

[सं० एफ० 3(212)/72-एम० पी०]

हृदय नाथ कोतेदार, सचिव

## DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

## PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 26th April, 1975

S.O. 1311.—The following modification which the Central Government proposes to make to the Master Plan/Zonal Plan for Delhi is hereby published for public information. Any person having any objection or suggestion with respect to the proposed modification may send his objection or suggestion in writing to the Secretary, Delhi Development Authority, Delhi Vikas Bhawan, Indraprastha Estate, New Delhi, within a period of thirty days from the date of this notice. The person making the objection or suggestion should also give his name and full address.

## MODIFICATION:

"An area measuring about 3.9 hec. (9.7 acres), surrounded by Okhla village in the north, recreational area in the East and West and institutional area in the South, earmarked for educational/institutional use in the Master Plan/Zonal Development Plan (F-1 & F-7) is proposed to be changed from 'Educational/Institutional use' to 'residential use'.

The plan indicating the proposed modification will be available for inspection at the office of the Authority, Delhi Vikas Bhawan, Indraprastha Estate, New Delhi, on all working days except Saturdays, within the period referred to above.

[No. F. 3(212)/72-M.P.]

अम मन्त्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर, 1974

क्र० प्रा० 1312 —यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिश्चित धियों के बारे में मैसर्स शांति लाल खुशालदास एण्ड ब्रदर्स के प्रबन्धतंत्र से सम्बन्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्दिष्ट करना बांछनीय समझती है ;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (संख्या 1) मुम्बई को न्यायनिर्णयन के लिए निर्दिष्ट करती है।

अनुसूची

व्यः मैसर्स शांति लाल खुशालदास एण्ड ब्रदर्स के प्रबन्धतंत्र की नीचे उल्लिखित कर्मचारों की प्रत्येक के सामने उपवर्णित तारीखों से कामबन्दी की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो कर्मकार कितना अनुतोष का हकदार हैं ?

ऐसे कर्मचारियों की सूची जिनको 3-8-74 से कामबन्दी कर दी गई

क्रमिक	नाम	पदनाम	स्थान
1	श्री पी० एस० डी० सोउजा	लिपक (भण्डार)	भर्वलिंग खाने
2	श्री विश्वनाथ वाडेकर	एम० मेट	"
3	श्री मनोहर बाई० गोबेनकर	—	"
4	श्री शंकर वेसाई	चपरासी (भण्डार)	"
5	श्री चन्द्राकान्त बिजोलकर	शायल आपरेटर	"
6	श्री धार० एन० सावन्त	ट्रक चालक	"
7	श्री के० आल्होनकर	—	"
8	श्री एस० मैताटो	"	"
9	श्री मोहन स्वाम्त	साफ करने वाला	"
10	श्री भवेरीबिन फर्नांडेज	पर्यवेक्षक	"
1	श्री के० एस० पेलियेकर	अर्ध-लिपिक	तिस्का डबल्यू/बिज
1	श्री मंगेश गाम्नाकर	पर्यवेक्षक	खजान नदी किनारे का प्लाट
2	श्री जी० के० फांटो	"	"
1	श्री धार० ए० जोसाकर	"	कोठी नदी किनारे का प्लाट
1	श्री जीला कर्मलकर	कोम० प्रचालक	कुडनेस खान
2	श्री कृष्णा जर्मकर	क्लास्टर के सहायक	"
उस कर्मचारीसूची की सूची जो 1-8-1974 से जबरन छुट्टी पर है।			
1	श्री विठल मोराजकर	मुखिया	कुर्वी खान
2	श्री आनन्द बी० गाऊनकर	"	बुलियामोहरी खान
1	श्री आशुबी पी० मोडोल्का	कैमिस्ट	पिगाशी नदी किनारे का प्लाट
1	श्री मधु कोल्हाकर	ट्रक चालक	घोडामोल खान
2	श्री सी० पी० रोबीस	"	"
3	श्री पाण्डुरंग सावन्त	शावल प्रचालक	"
4	श्री पाण्डुरंग सावन्त	रोबस्ट प्रचालक	"
5	श्री सीताराम पतिकर	परखी	"

3-8-74 से काम बन्दी किया गया।

क्रमांक	नाम	पदनाम	स्थान	
6	सोनू खाड़ियाकर	कोम्प० प्रबालक	श्रीडालमोन खान	3-8-74 से काम बन्दी किया गया।
7	जे० बी० रोड्रीग्ज	एम मुखिया	"	"
8	नारायण टी० नाबेलकर	"	"	"
9	रामचन्द्र सावन्त	शाकल ऑपरेटर	"	"
10	एम० जी० नायक	लिपिक	"	"
11	जी० एम० खर्वे	"	"	"
1	श्री ए० लावन्डे	सहायक प्रबन्धक	धातवी खान	"
2	वसन्त नायक	साफ करने वाला	"	"
1	बाई के० नायक	लिपिक	गुरमोल्लेम खान	3-8-74 . काम बन्दी किया गया।
2	ए० एक्स० रोड्रीग्ज	"	"	"
3	आर० ए० कारगोप्रोन्कर	एम/मुखिया	"	"
4	के० एस० श्रमोनकर	"	"	"
5	आर० ए० गोमेस	कोम्प० प्रबालक	"	"
6	प्रभाकर सिरगाप्रोन्कर	ब्लास्टर	"	"
7	शान्ताराम सावन्त	चपरासी	"	"
8	एम० मदकर	ट्रक चालक	"	"
9	एल० मर्वेलकर	"	"	"
1	सुरेश पालजेनहार	अर्द्ध लिपिक	दिगाशी डबल्यू०/बी	1-7-74
2	जी० बी० शिरवाडकर	केमिस्ट	दिगाशी प्लाट	"

[सं० एल० 26011/17/74-एल० आर० 4]

## MINISTRY OF LABOUR

## ORDER

New Delhi, the 18th December, 1974

S.O. 1312—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Management of Messrs Shantilal Khushaldas and Brothers and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed:

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

No, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal (No. 1) Bombay constituted under section 7A of the said Act.

## SCHEDULE

Whether the action of the Management of Messrs Shantilal Khushaldas and Brothers in laying off workmen mentioned below from the dates indicated against each is justified? If not, to what relief are the workmen entitled?

List of employees—kept under lay off with effect from 3rd August, 1974

Sl. No.	Name	Designation	Place
1.	Mr. P.S.D. Souza	Clerk (Stores)	Arvalem Mines
2.	Mr. Vishwanath Wadekar	M/Mate	"
3.	Mr. Manohar Y. Govender	"	"
4.	Mr. Shanker Desai	Peon (Stores)	"
5.	Mr. Chandracant Bicholker	Shovel Operator	"
6.	Mr. R.N. Sawant	Truck Driver	"
7.	Mr. K. Aldonker	"	"
8.	S. Mainato	"	"
9.	Mr. Mohan Swant	Cleaner	"
10.	Mr. Querobin Fernandes	Supervisor	"
1.	Mr. K.S. Palienker	Semi-clerk	Tiska W/Bridge.
1.	Mr. Mangesh Gaonker	Supervisor	Khazan Riverside Plot.
2.	Mr. G.K. Botle	Supervisor	Khazan Riverside Plot.
1.	Mr. R.A. Jesalker	Supervisor	Kothi Riversdie plot

1	2	3	4
1. Mr. Zeela Karmalkar	Com. Operator	Cudnem Mine	
2. Mr. Krishna Zarmekar	Helper to Blaster	"	
List of staff under lay-off w.e.f. 1-8-1974			
1. Mr. Vithal Morajker	Mate	Curdi Mine	
1. Mr. Anand B. Gaunkar	"	Duriyamoddi Mine	
1. Mr. Ivo P. Mondonca	Chemist	Digashi Riverside plot.	
1. Mr. Madhu Kolvalker	Truck Driver	Odamol Mine	
2. Mr. C. P. Rodrigues	"	"	
3. Mr. Pandurang parobe	Shovel Operator	"	
4. Mr. Pandurang Sawant	Robuster Operator	"	Laid off from 3-8-74
5. Mr. Sitaram Patekar	Sampler	"	"
6. Mr. Sonu Khandeparker	Comp. Operator	"	"
7. Mr. J.B. Rodrigues	M/Mate	"	"
8. Mr. Narayan T. Navelkar	"	"	"
9. Mr. Ramchandra Sawant	Shovel Operator	"	"
10. Mr. S. G. Naik	Clerk	"	"
11. Mr. G. M. Kharbe	"	"	"
1. Mr. A. Lawande	Asstt. Manager	Thatodi Mine	"
2. Vasant Naik	Cleaner	"	"
1. Y. K. Naik	Clerk	Gurmollem mine	"
2. A. X. Rodrigues	"	"	"
3. Mr. R.A. Korgaonker	M/Mate	"	"
4. Mr. K.S. Amonker	"	"	"
5. Mr. R.A. Gomes	Com. Operator	"	"
6. Mr. Prabhakar Sirgaonker	Blaster	"	"
7. Mr. Shantaram Sawant	Pcon	"	"
8. Mr. M. Madkar	Truck Driver	"	"
9. Mr. L. Mardolker	"	"	"
1. Mr. Surosh Paljonhar	Semi-clerk	Digashi w/b	1-7-74
2. Mr. D. V. Shirvaiker	Chemist	Digashi plot	"

[No. L-26011/17/74-LR.IV.]

आदेश

नई दिल्ली, 20 मार्च, 1975

क्र० प्रा० --1313 यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि हमसे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में सेंट्रल बैंक ऑफ इण्डिया से संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना बांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एन० आर० सौधी होंगे जिनका मुख्यालय चण्डीगढ़ में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है।

अनुसूची

यथा सेंट्रल बैंक ऑफ इण्डिया, चण्डीगढ़ के प्रबंधक की बैंक के खड्वा शाखा के सहायक रक्षक श्री बलराम सिंह को 2 जनवरी, 1964 से उसकी पुरि के कारण उद्भूत होने वाले फायदे देने से इनकार करने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो वह किस अनुवीध का हकदार है ?

[सं० एन० 12012/114/74-एन० आर० 3]

## ORDER

New Delhi, the 20th March, 1975

S. O. 1313.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Central Bank of India and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed ;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A. and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri H. R. Sodhi shall be the Presiding Officer, with



headquarters at Chandigarh and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

नई दिल्ली, 24 मार्च, 1975

#### SCHEDULE

Whether the action of the management of the Central Bank of India Chandigarh in denying benefits to Shri Bachan Singh, Armed Guard, Ludwa Branch of the Bank arising out of his Confirmation with effect from 2nd January 1964 is legal and justified? If not, to what relief is he entitled?

[File No. L. 12012/114/74/LR. III]

आदेश

नई दिल्ली, 21 मार्च, 1975

का० प्रा० 1314.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में इण्डियन ओवरसीज बैंक मद्रास से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकारण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री टी० पालानियप्पन होंगे जिनका मुख्यालय मद्रास में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकारण को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है ।

अनुसूची

क्या इण्डियन ओवरसीज बैंक मद्रास के प्रबंधतंत्र का कुमारी विजय चण्डयर्षी की, जो उसकी डिफेंस कोलोनी शाखा में टेलीफोन प्रचालक के रूप में नियुक्त की गई थी, सेवाओं समाप्त करना व्यापेक्षित है ? यदि नहीं तो वह किस अनुतोष की हकदार है ? और किस तारीख से ?

[सं० एन०-12012/112/74-एन० आर० 3]

#### ORDER

New Delhi, the 21st March, 1975

S. O. 1314.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Indian Overseas Bank Madras and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed ;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri T. Palaniappan shall be Presiding Officer, with headquarters at Madras and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

#### SCHEDULE

Whether the management of Indian Overseas Bank, Madras were justified in terminating the service of Miss Bijaya Chakravarti who was appointed as Telephone operator in their Defence Colony Branch at New Delhi? If not, to what benefit she is entitled and from what date?

[File No. L. 12012/112/74/LR. III]

आदेश

का० प्रा० 1315.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में बैंक आफ मद्रुराई लिमिटेड, केन्द्रीय कार्यालय, मद्रुराई के नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकारण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री टी० पालानियप्पन होंगे जिनका मुख्यालय मद्रास में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकारण को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है ।

अनुसूची

1. क्या बैंक आफ मद्रुराई लिमिटेड के प्रबंधतंत्र द्वारा बैंक आफ मद्रुराई लिमिटेड के कर्मचारी और बैंक आफ मद्रुराई कर्मचारी संघ के संयुक्त सचिव श्री एस० सुन्दरम का 30 सितम्बर, 1972 से निलम्बन और तत्पश्चात् 11 अप्रैल, 1973 से सेवा से उसकी पदव्युत्ति, तंग करने के कार्य थे ? यदि हां तो श्री सुन्दरम किस अनुतोष का और किस तारीख से हकदार है ।

2. क्या बैंक आफ मद्रुराई लिमिटेड के प्रबंधतंत्र द्वारा, बैंक आफ मद्रुराई लिमिटेड के परिवारिक और बैंक आफ मद्रुराई कर्मचारी संघ के सक्रिय सदस्य श्री जी० श्रीनिवासन का 3 नवम्बर, से निलम्बन और तत्पश्चात् सेवा से उसकी पदव्युत्ति तंग करने के कार्य थे ? यदि हां तो श्रीनिवासन किस अनुतोष का और किस तारीख से हकदार है ?

[सं० एन० 12025/32/73-एन० आर० 3]

#### ORDER

New Delhi, the 24th March, 1975.

S. O. 1315.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Bank of Madurai Limited, Central Office, Madurai and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of Section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri T. Palaniappan shall be the Presiding Officer, with headquarters at Madras and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

#### SCHEDULE

1. Whether the suspension of Shri S. Sundaram, an employee of the Bank of Madurai Limited and Joint Secretary of the Bank of Madurai Employees Union with effect from 30th September, 1972 and his subsequent dismissal from service from 11th April, 1973 by the management of Bank of Madurai Limited were acts of victimisation. If so, to what relief Shri Sundaram is entitled and from what date.

2. Whether the suspension of Shri G. Srinivasan, an attendant of the Bank of Madurai Limited and an active member

of the Bank of Madurai Employees Union from 3rd November, 1972 and his subsequent dismissal from service by the management of Bank of Madurai Limited were acts of victimisation. If so, to what relief Shri Srinivasan is entitled to and from what date.

[No. L-12025/32/73-LR. III]

नई दिल्ली, 25 मार्च, 1975

आदेश

का० प्रा० 1316.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में ओरियण्टल फायर एण्ड जनरल इंसोरेन्स कम्पनी से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना बांछनीय समझती है;

अतः, अथ, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री टी० नरसिंह राव होंगे जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या ओरियण्टल फायर एण्ड जनरल इंसोरेन्स कम्पनी लिमिटेड के प्रबन्धतन्त्र के लिये, श्री सीलाधर पालीवाल, उपकर्मचारिबन्ध, मेरठ कार्यालय, की सेवाओं को 22 जनवरी, 1973 से समाप्त करना न्यायोचित है? यदि नहीं तो वह किस अनुसूची का हकदार है?

[सं० एल- 17012/6/74-एल०आर० 3]

ORDER

New Delhi, the 25th March, 1975

S. O. 1316.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Oriental Fire and General Insurance Company and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri S. H. J. Naqvi shall be the Presiding officer, with headquarters at Kanpur and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Is the management of Oriental Fire and General Insurance Company Limited justified in terminating the services of Shri Lila Dhar Paliwal, Sub-staff, Merrut Office, with effect from 22nd January, 1973? If not, to what relief is he entitled?

[No. L-17012/6/74-LR. III]

आदेश

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1975

का० प्रा० 1317.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में ओरियण्टल फायर एण्ड इन्सोरेन्स कम्पनी लिमिटेड से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना बांछनीय समझती है;

अतः, अथ, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री टी० नरसिंह राव होंगे जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या ओरियण्टल फायर एण्ड जनरल इन्सोरेन्स कम्पनी लिमिटेड (भारतीय वाणिज्यिक एकक) के सहायक भार साधक श्री एम० जयप्रकाश जी 30 जून, 1974 से सेवाओं समाप्त करना न्यायोचित है? यदि नहीं तो उक्त कर्मकार किस अनुसूची का हकदार है?

[सं० एल०-17012/10/74-एल० आर०-1]

ORDER

New Delhi, the 31st March, 1975

S. O. 1317.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Oriental Fire and General Insurance Company Limited and their workman in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri T. Narasing Rao shall be the Presiding Officer with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the termination of services of Shri M. Jagannathan, Assistant-in-Charge, Oriental Fire and General Insurance Company Limited (Unit Indian Mercantile, Hyderabad) with effect from the 30th June, 1974 is justified. If not, to what relief is the said workman entitled?

[F. No. L./17012/10/74-LRI]

आदेश

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1975

का० प्रा० 1318.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है।

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना बांछनीय समझती है;

अतः, अथ, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एच० आर० सांधी होंगे जिनका मुख्यालय बम्बई में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या सेन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया के प्रबंधन की 1-9-1972 की ज्येष्ठता सूची के अनुसार भरी जाने वाली वास्तविक रिक्तियों के सम्बन्ध में 25 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों को बुलाने और बैंक की अपनी प्रगति नीति के अनुसार 1-3-1973 को ज्येष्ठता सूची तैयार रखने की कार्रवाई अनुचित अथवा व्यवहार का कृत्य है और क्या इससे बैंक की नवायु शाखा के लिपिक श्री के.एल. विज का अधिकरण हुआ है ? दोनों ही दशाओं में वह किस अनुतोष का हकदार है ?

[सं.एल-12012/145/74-एल.आर. 3)]

ORDER

New Delhi, the 31st March, 1975

**S. O. 1318.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Central Bank of India and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri H. R. Sodhi shall be the Presiding Officer, with headquarters at Chandigarh and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the management of the Central Bank of India in calling more than 25 per cent employees against actual vacancies that were to be filled up as per Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of seniority list of 1-9-1972 and consequential not drawing up of the seniority list on 1-3-1973 as per bank's own promotion policy, is act of unfair labour practice and whether this has caused supersession of Shri K. L. Vij, Clerk, Nadaun branch of the Bank ? In either case to what relief is he entitled ?

[I-12012/145/74-LRIII]

New Delhi, the 14th April, 1975

आदेश

नई दिल्ली, 1 अप्रैल 1975

**का० प्रा० 1319.**—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपा-बद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में यूनियन बैंक आफ इण्डिया से संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्वेशित करना बांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा-7क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण जबलपुर को न्याय-निर्णयन के लिये निर्वेशित करती है।

अनुसूची

क्या यूनियन बैंक आफ इण्डिया के लिये बैंक के रत्नाम शाखा के चपरासी श्री भुवन सिंह पुत्र श्री कालू सिंह को 1 जुलाई, 1971 से रोकड़ चपरासी एवं बिल-कलेक्टर एवं दफ्तरी के कर्तव्यों को समनुदेशित करना न्यायोचित है। यदि नहीं तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है।

[का० सं० एल०-12012/1/75/डी०2/11 क]

आ०र कुंजियापपा, अवर सचिव

ORDERS

New Delhi, the 1st April, 1975

**S. O. 1319.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Union Bank of India and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule here to annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Jabalpur, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the management of the Union Bank of India is justified in assigning the duties of a cash peon-cum-Bill Collector-cum-Daftry to Shri Bhuwan Singh, son of Shri Kaloo Singh peon at Ratlam Branch of the Bank with effect from the 1st July, 1971? If not, to what relief is the workman entitled.

[File No. L. 12012/1/75/DII/A]

**S. O. 1320.**—In pursuance of section 17 of the industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2 Bombay in the industrial dispute between the employers in relation to the Bank of Maharashtra and their workmen, which was received by the Central Government on the 9th April 1975.

Before the Central Government Industrial Tribunal No. 2,

Bombay

Reference No. CGIT-2/23 of 1974  
Employers in relation to the Bank of Maharashtra

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

For the Employers Shri N. D. Juvekar, Advocate

For the wrkmen (1) Shri S. M. Dharap, Advocate

(2) Shri R. D. Joag,

Union Representative.

INDUSTRY : Banking

STATE : Maharashtra

Bombay, dated the 29th March, 1975

AWARD

By order No. L.12012/11/74/LRIII dated 7-8-1974, the Government of India, in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 referred to the Tribunal for adjudication an industrial dispute existing between the employers in relation to the Bank of Maharashtra, Poona and their workmen in respect of the matter 'Whether the action of the management of Bank of Maharashtra, Bhudwar Peth, Poona in superseding the seniority of Shri D. T. Durgude and depriving him of the benefit of the promotion to the post of Hawaldar is justified ? If not, to what relief is he entitled ?

2. Shri R. D. Joag, Vice-President of the Bank of Maharashtra Karmachari Sangh states in his statement of claim on behalf of Shri D. T. Durgude that :—

- (i) Shri D. T. Durgude was appointed in the Bank of Maharashtra at Central Office as sub-staff at Poona on 9-1-1953 and was confirmed in the service of the Bank on 1-8-1953. Shri Durgude was thereafter transferred to Bhawani Peth Branch by the Central Office on 3-1-1955. Shri Durgude stood second in the seniority list of the sub-staff in the said Branch. Shri M. K. Jagtap who was branch senior to Shri Durgude refused to accept the Daftri Allowance post. In the beginning there was no post of Hawaldar in the said Branch of the Bank of Maharashtra. It was created for the first time in or about February, 1971. Shri Jagtap did not claim the post of Hawaldar and therefore Shri Durgude was entitled to the post of Hawaldar. By refusing the post of Daftri Shri Jagtap has lost his right if any on the post of Hawaldar. According to the rules and practice in existence the senior-most member of the sub-staff should be given the post of Daftri and should be paid special allowance towards that and in case the post of Hawaldar is subsequently created the senior-most person has to be appointed to that post. Since Shri Jagtap refused to claim the post of Daftri, he had no right to claim the post of Hawaldar and never claimed the post of Hawaldar. To the prejudice of Shri Durgude he found that one Shri Vithal Baloba Pawar was appointed as Hawaldar at the Bhawani Peth Branch of the Bank even though the concerned workman Shri Durgude had applied for the post prior to the appointment of Shri Pawar. The action of the management in not considering the seniority for the purpose of promotion in respect of the sub-staff of the Bank is illegal and against the rules in existence.

- (ii) For the representations made by Shri Durgude, the Assistant Divisional Manager of the Staff Division of the Bank of Maharashtra informed him that the post of Hawaldar which is allotted to Shri Pawar was after considering from all angles and that no further consideration will be made about the same.

- (iii) The Bank be directed to appoint Shri Durgude in the post of Hawaldar at the said Branch of the Bank of Maharashtra and pay him the difference of arrears towards the said allowance as if he was appointed from the date of inception of the post of Hawaldar in that Branch.

3. The Bank of Maharashtra in its written statement states that :—

- (i) The entire statement of claim is based on misconception of Law and all the averments contained therein are denied.
- (ii) The order of reference is neither legal nor proper and this Tribunal has no jurisdiction to entertain and adjudicate upon the said dispute.
- (iii) Shri Durgude was appointed in the Bank at its Central Office as sub-staff at Poona on 9-1-1953, and he was confirmed with effect from 1-8-1953. He was transferred to the Bhawani Peth Branch with effect from 3-1-1955. It is not true and correct that Shri M. K. Jagtap surrendered his right for promotion. As per custom and understanding with the Union, the allowed post ordinarily goes by Branch seniority-cum-suitability. Shri Durgude was performing the duties of Daftri carrying the highest allowance for that post and Shri Pawar was not having any post at all. The promotion to Shri Pawar is a matter of agreement between the majority union and the Bank and therefore is covered under Sec. 18 of the I.D. Act, 1947.
- (iv) Shri Pawar's case was taken by the majority union and on his behalf the Poona Bank Employees Association, Poona and the said Union intimated the Bank that as far as the matter of promotion

to the Hawaldar's post is concerned, the same is settled with it long back and the Bank cannot re-open the same and the said Union is having a majority in the Bank.

- (v) As far as the seniority is concerned, Shri Durgude was the senior emplyee in the Bhawani Peth Branch among the sub-staff. But according to the Bank seniority is not the only criteria for the promotion on the basis of seniority-cum-suitability. The majority union and the Bank found Shri Pawar a suitable candidate for the Hawaldar's post.
- (vi) The Union in question has not raised the demand to the employer first and the Union has raised the demand to the Government authorities and that demand cannot be said to be legal and proper and on this promised also, the present reference is bad in law.

4. The reference was posted for filing documents and list of witnesses today i.e. 29-3-1975. Today the parties have filed a settlement deed. In terms of settlement the workman Shri D.T. Durgude, sub-staff member will be designated as Hawaldar of Bhawani Peth Branch, Poona with effect from 7-8-1974 and the Bank shall pay Rs. 101/- to Shri Durgude as a token of previous arrears and amount of provident fund will be deducted from that amount and credited in his provident fund account from 7-8-1974 and the parties shall bear their costs.

5. The settlement is signed on behalf of the Bank by the Advocate for the Bank of Maharashtra, Poona with special instructions to compromise and on behalf of the workman by the Advocate for the Bank of Maharashtra Karmachari Sangh, Bombay. The workman has also signed the settlement stating that he accepts the settlement.

6. The workman Shri D.T. Durgude says on oath that he has signed the settlement dated 29-3-1975 and accepts the terms of the settlement which were read over and explained to him in Marathi and his dispute with the management is settled.

7. The terms of settlement appears to be fair and proper as the claim of the workman is fully met. Award is made in terms of settlement dated 29-3-1975. The settlement dated 29-3-1975 is to form part of this Award. I make no order as to costs.

B. RAMLAL KISHEN, Presiding officer.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. II, BOMBAY

Ref. (CGIT) No. 2/23 of 1974

BETWEEN

Bank of Maharashtra

AND

Their Workmen

In the matter of D.T. Durgude

May It please the Hon. Tribunal,

Bank of Maharashtra, Poona, and the Bank of Maharashtra Karmachari Sangh (NOBW) Bombay have arrived at settlement in the matter of Shri D.T. Durgude, Sub-Staff member, Bhawani Peth Branch, Poona, as per the terms reduced hereunder :—

- (i) That Bank of Maharashtra, Poona will designate Shri D. T. Durgude, Sub-Staff member as Hawaldar of Bhawani Peth Branch, Poona with effect from 7-8-1974.
- (ii) That Bank of Maharashtra shall pay Rs. 101.00 to Shri D.T. Durgude as a token of previous arrears and amount of provident fund will be deducted from that amount and credited in his provident fund account from 7-8-1974.

(iii) That parties shall bear their costs. The parties therefore pray that the Award in Terms of Settlement hereinabove may please be passed.

Bombay  
29-3-1975

Sd./- Illegible,  
Advocate for the  
Bank of Maharashtra, Poona  
(with special instructions  
to compromise)

Sd./- Illegible,  
Advocate for the  
Bank of Maharashtra Karma-  
chari Sangh, Bombay  
121  
I accept the settlement  
Sd./- Illegible.

[No. L. 12012/11/74/LR. III]  
R. KUNJITHA PADAM, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 1975

क्र. 1321.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में श्री रामजीदास, रामरिष्ठपाल, खान स्वामी, की पिपाखेरी रेत पत्थर खान, डाकघर सातलखेड़ी, तहसील रामगजमंडी, जिला कोटा, से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप धारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

क्या श्री रामजी दास रामरिष्ठपाल, खान स्वामी की पिपाखेरी रेत पत्थर खान, डाकघर सातलखेड़ी, तहसील रामगजमंडी, जिला कोटा के कर्मचारों की निम्नलिखित मांगे न्यायोचित हैं? यदि हाँ, तो कर्मकार किस तारीख से और किस अनुतोष के हकदार हैं ?

मांगें

1. कुलियों, बेलदारों, पत्थर काटने वालों और मासिक संशय वाले कर्मचारियों की मजदूरियों में वृद्धि ।

2. साहाय्य-प्राप्त राशन देना, जैसा कि पड़ोसी खानों के प्रबन्धतंत्रों द्वारा किया जा रहा है ।

[सं० एल० 29011/72/74-एल० ग्रा०-4-डी० प्रो० 3 (बी)]

लासफक जुआला, उप सचिव

ORDER

New Delhi, the 26th February, 1975

S.O. 1321.—Whereas the Central Government is of opinion that an Industrial dispute exists between the employers in relation to the Pipakheri Sand Stone Mine of Shri Ramjidas Ramrichpal, Mine Owner, Post Office Satalkheri, Tehsil Ramgunjmandi, District Kota, and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government

hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the following demands of the workmen of Pipakheri Sand Stone Mine of Shri Ramjidas Ramrichpal, Mine Owner, Post Office Satalkheri, Tehsil Ramgunjmandi, District Kota, are justified? If so, from what date and to what relief are the workmen entitled?

DEMANDS

1. Increase in wages of Coolies, Beldars, Stone Cutters and monthly paid staff.
2. Issue of subsidised rations as is being done by the managements of neighbouring mines.

[No. L-29011/72/74-LR-IV-D.O.3(B)]  
LALFAK ZUALA, Dy. Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 3 मार्च, 1975

क्र. 1322.—यतः आदेश संख्या क्र. 2446, दिनांक 9 सितम्बर, 1974 में यथा विनिर्दिष्ट औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 33ग की उप धारा (2) के अन्तर्गत प्रस्तुत कतिपय आवेदन पत्र, किये गए थे, श्री डी० एल० एन० राजू, पीठासीन अधिकारी, श्रम न्यायालय, गुंतुर को निर्देशित किए गए थे और वे उक्त न्यायालय के समक्ष लम्बित हैं ;

और यतः श्री डी० एल० एन० राजू की सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 3.3 (ख) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार पूर्वोक्त न्यायालय के समक्ष लम्बित उक्त आवेदन पत्रों से संबंधित कार्यवाहियों को वापस लेती है और उन्हें, क्र. 2242, तारीख 24 मई, 1971 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, गुंतुर को इस निर्देश के साथ अंतरित करती है कि उक्त न्यायालय, उनमें से प्रत्येक आवेदन पत्र पर कार्यवाहियों को उसी प्रक्रम से प्रारम्भ करेगा, जिसमें वे उसे अंतरित की जाती है और उनका विधि के अनुसार निपटारा करेगा ।

[सं० एल०-28025/2/72-एल० ग्रा० 4]

ORDER

New Delhi, the 3rd March, 1975

S.O. 1322.—Whereas certain applications made under sub-section (2) of section 33C of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), as specified in the Schedule to the order No. S.O. 2446 dated the 9th September, 1974, were referred to Shri D. L. N. Raju, Presiding Officer, Labour Court, Guntur and are pending before the said Court ;

And whereas the services of Shri D. L. N. Raju have ceased to become available ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 33(B) of the said Act, the Central Government hereby withdraws the proceedings in relation to the said applications pending before the aforesaid Court and transfer the same to the Labour Court, Guntur, constituted under S.O. 2242 dated the 24th May, 1971, with the direction that the said Court shall proceed with each of the said applications from the stage at which these are transferred to it and dispose of the said according to law.

[No. L. 28025/2/72-LR. IV]

आदेश

क्र. 1323.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स वेस्ट सुकेट लेबर कन्ट्रेक्टर्स को आपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड की कुकर

[पत्थर खान, डाक घर सुकेत, जिला कोटा से सम्बन्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है।

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है।

#### अनुसूची

क्या मैसर्स वेस्ट सुकेत लेबर कन्ट्रैक्टर्स कोम्पारेटिव सोसाइटी लिमिटेड की कुकरा पत्थर खान, डाकघर सुकेत, जिला कोटा के कर्मचारों की निम्नलिखित मांगें न्यायोचित हैं ? यदि हाँ, तो कर्मकार किस अनुतोष के और किस तारीख से हकदार है ?

#### मांगें

- (1) कुलियों, बेलदारों, पत्थर कर्तकों और मासिक संदाय वाले कर्मचारी वृन्द की मजदूरी में वृद्धि।
- (2) साहाय्यप्राप्त राशन देना जैसा कि क्षेत्र की समीपवर्ती खानों के प्रबंधतंत्र कर रहे हैं।
- (3) लेखा वर्ष 1972-73 और 1973-74 के लिये उनके द्वारा अर्जित की गई मजदूरी के 20 प्रतिशत की दर से बोनस का संदाय।

[सं० एल० 29011/70/74-एल० आर० 4-डी प्रो० 3(बी)]

#### ORDER

**S. O. 1323.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Kukra Stone Mine of Messrs West Suket Labour Contractors Cooperative Society Limited, Post Office Suket, District Kota, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, constituted under section 7A of the said Act.

#### SCHEDULE

Whether the following demands of the workmen of Kukra Stone Mine of Messrs West Suket Labour Contractors Cooperative Society Limited, Post Office Suket, District Kota are justified? If so, to what relief and from what date are the workmen entitled?

#### DEMANDS

- (1) Increase in wages of Coolies, Beldars, Stone Cutters and monthly paid staff.
- (2) Issue of subsidised rations as is being done by the managements of the neighbouring mines of the area.
- (3) Payment of bonus at the rate of 20 per cent of the wages earned by them for the accounting years 1972-73 and 1973-74.

[No. L-29011/70/74-LR. IV-D.O.3(B)]

#### आदेश

क्र० आ० 1324.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में निर्दिष्ट के बारे में मैसर्स राज फ्लोरिंग स्टोन कम्पनी की सातलखेड़ी रेत पत्थर खान, डाकघर सातलखेड़ी तहसील रामगंजमंडी जिला कोटा से सम्बन्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (I) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

#### अनुसूची

क्या मैसर्स राज फ्लोरिंग स्टोन कम्पनी की सातलखेड़ी रेत पत्थर खान, डाकघर सातलखेड़ी तहसील रामगंजमंडी, जिला कोटा के कर्मचारों की निम्नलिखित मांगें न्यायोचित हैं ? यदि हाँ तो कर्मकार किस अनुतोष के और किस तारीख से हकदार हैं ?

#### मांगें

- (1) कुलियों, बेलदारों, पत्थर कर्तकों और मासिक संदाय वाले कर्मचारिवृन्द की मजदूरियों में वृद्धि।
- (2) साहाय्यप्राप्त राशन देना, जैसा कि क्षेत्र की पड़ोसी खानों के प्रबंधतंत्रों द्वारा किया जा रहा है।

[सं० एल० 29011/71/74-डी प्रो० 3 (बी)]

#### ORDER

**S.O. 1324.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Satalkheri Sand Stone Mine of Messrs Raj Flooring Stone Company, Post Office Satalkheri, Tehsil Ramgunjmandi, District Kota, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, constituted under section 7A of the said Act.

#### SCHEDULE

Whether the following demands of the workmen of Satalkheri Sand Stone Mine of Messrs Raj Flooring Stone Company, Post Office Satalkheri, Tehsil Ramgunjmandi, District Kota, are justified? If so, to what relief and from what date are the workmen entitled?

#### DEMANDS

- (1) Increase in wages of Coolies, Beldars, Stone Cutters and monthly paid staff.
- (2) Issue of subsidised rations as is being done by the managements of neighbouring mines of the area.

[No. L-29011/71/74-D.O.3(B)]

## आदेश

का०प्रा० 1325.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में भारत गोल्ड माइन्स लि०, उरगाम, कोलार स्वर्ण-क्षेत्र, कर्नाटक राज्य के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निवेशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एम० सी० कोन्नुर होंगे, जिनका मुख्यालय बंगलौर में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिये निवेशित करती है।

## अनुसूची

ज्या भारत गोल्ड माइन्स लि०, उरगाम, कोलार स्वर्ण-क्षेत्र के प्रबन्धतंत्र की, श्री बी० रामचन्द्रन, सहायक प्लास्टर, जेम्पियन रीफ माईन, को पदच्युत करने की कार्रवाई न्यायोचित है? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?

[सं० एल०-29012/25/74-एल०आर० 4]

## ORDER

S. O. 1325.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to management of Bharat Gold Mines Limited, Oorgaam, Kolar Gold Fields, Karnataka State and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Shri M. C. Konnur as Presiding Officer with headquarters at Bangalore and refers the said dispute for adjudication to the said Industrial Tribunal.

## SCHEDULE

Whether the action of the management of Bharat Gold Mines Limited, Oorgaam, Kolar Gold Fields in dismissing Shri V. Ramachandran, Assistant Plaster, Champion Reef Mine is justified? If not, to what relief is the workman entitled?

[No. L-29012/25/74-LR. IV]

## आदेश

नई दिल्ली, 6 मार्च, 1975

का०प्रा० 1326.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स इंडियन आयर्न एण्ड स्टील कंपनी लिमिटेड, की पाथेरगोरा फास्फेट रॉक खानों के रेजिंग ठेकेदार—मैसर्स आर० मित्रा एण्ड कंपनी, डाकघर मोसाबोनी, जिला सिंहभूम के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निवेशित करना वांछनीय समझती है।

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (संख्या 2), धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिये निवेशित करती है।

## अनुसूची

ज्या मैसर्स इंडियन आयर्न एण्ड स्टील कं० लि०, की पाथेरगोरा फास्फेट रॉक खानों के रेजिंग ठेकेदार—मैसर्स आर० मित्रा एण्ड कं०, डाकघर मोसाबोनी, जिला सिंहभूम के कर्मचारों की निम्नलिखित मांगें न्यायोचित हैं? यदि हां तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष के और किस सारीख्त से हकदार हैं?

## मांगें

- (1) खनिकों, बेधकों और विस्फोटकज्ञानियों मजदूरियों का पुनरोन्नयन।
- (2) वर्ष में 7 दिन की मजदूरी सहित बीमारी की छुट्टी की स्वीकृति।

[सं० एल०-29011/47/74-एल०आर० 4]

## ORDER

New Delhi, the 6th March, 1975

S. O. 1326.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messrs R. Mitra and Company, Raising Contractors of Pathergora Phosphate Rock Mines of Messrs Indian Iron and Steel Company Limited, Post Office Mosaboni, District Singhbhum and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad constituted under section 7A of the said Act.

## SCHEDULE

Whether the following demands of the workmen of Messrs R. Mitra and Company, Raising Contractors of Pathergora Phosphate Rock Mines of Messrs Indian Iron and Steel Company Limited, Post office Mosaboni, District Singhbhum are justified? If so, to what relief and from what date are the said workmen entitled?

## DEMANDS

- (1) Wage revision of Miners, Drillers and Blasters.
- (2) Grant of 7 days sick leave with wages in a year.

[No. L-29011/47/74-LRVI.]

## आदेश

नई दिल्ली, 15 मार्च, 1975

का०प्रा० 1327.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में श्री मंगीलाल, पुत्र श्री किशोर राम, करौली जिला, सवाईमाधोपुर, जो मैसर्स मंगीलाल भागवत प्रसाद फर्म करौली, जिला गवाई माधोपुर के नाम से कार्य कर रहे हैं, केवैडी खनन क्षेत्र ग्रुप संख्या 9, तहसील करौली के प्रबन्ध तंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

#### अनुसूची

श्री मंगीलाल, पुत्र श्री किशोर राम, करोली, जिला सवाई माधोपुर, जो मैसेर्स मंगीलाल भागवत प्रसाद फर्म करोली, जिला सवाई माधोपुर के नाम से कार्य कर रहे हैं, के वैरदा खनन क्षेत्र ग्रुप संख्या 9, तहसील करोली में नियोजित कर्मचारियों की लेखा वर्ष 1968-69, 1969-70, 1970-71, 1971-72 और 1972-73 के लिए 20 प्रतिशत की दर से बोनस के संदाय की मांग न्यायोजित है? यदि नहीं तो कर्मकार उक्त लेखा वर्षों में से प्रत्येक के लिए बोनस की किस मात्रा के हकदार हैं।

[सं० एल०-29011/64/74-एल०आर० 4/डी०ओ० 3(बी)]

एस० एच० एस० अवर, अनुभाग अधिकारी (विशेष)

#### ORDER

New Delhi, the 15th March, 1975

**S. O. 1327.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employer in relation to the management of the Bairda Mining Area Group No. 9, Teshil Karauli, of Shri Mangilal, Son of Shri Kishore Ram of Karauli District, Swaimadhohpur working in the name of the firm Messrs Mangilal Bhagwat Prasad, Karauli, District Sawaimadhohpur, and his workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, constituted under section 7A of the said Act.

#### SCHEDULE

Whether the demand of the workmen employed in Bairda Mining Area Group No. 9, Tehsil Karauli of Shri Mangilal, Son of Shri Kishore Ram of Karauli, District Swaimadhohpur working in the name of the firm Messrs Mangilal Bhagwat Prasad, Karauli, District Swaimadhohpur for payment of bonus @ 20 per cent for the accounting years 1968-69, 1969-70, 1970-71, 1971-72 and 1972-73 is justified? If not, to what quantum of bonus are the workmen entitled for each of the said accounting years.

[No. L-29011/64/74-LR IV/D.O. 3 (B)]

New Delhi, the 16th April, 1975

**S. O. 1328.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Assam Oil Company Limited, and their workmen, which was received by the Central Government on the 8th April, 1975.

#### CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 17 of 1974

#### Parties :

Employers in relation to the management of Assam Oil Company Limited.

#### AND

Their Workmen.

#### Appearances :

On behalf of Employers—Sri J. K. Ghosh, Advocate.

On behalf of Workmen—Sri A. B. Roy, Advocate.

State : Assam.

Industry : Oil.

#### AWARD

The Government of India by its Order dated 5-12-1972 referred an industrial dispute between the management of Assam Oil Company Limited and their workmen under Sec. 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 to Sri G. N. Borah, constituting an industrial tribunal at Dibrugarh, Assam and appointing him as the Presiding Officer thereof for the purpose of adjudication of the dispute. The reference reads as follows :

"Whether the management of Assam Oil Company Limited, Digboi was justified in changing the conditions of service of Hospital Attendants by implementing Job description collected on 30th June, 1969? If not, to what relief are the existing Hospital Attendants entitled?"

Thereafter the Union of the workmen and the management filed written statements raising various contentions in respect of the matter under reference.

2. While the matter was pending before the Tribunal in Dibrugarh, the Government of India by its Order No. L-30011(3)/72-LR IV dated 19th October, 1974 withdrew the proceeding from the said tribunal and transferred the same to this tribunal for disposal in accordance with law from the stage at which it stood before the Tribunal in Dibrugarh. It was accordingly that this tribunal took up the reference for trial at its Camp at Dibrugarh on 17th, 18th and 19th of March, 1975. The management examined one witness and marked Exhibits M-1 to M-17. One witness was examined by the workmen also and marked Exhibits W-1 to W-38.

3. The Assam Oil Company Labour Union espoused the cause of the workmen. The written statement of the workmen revealed that the hospital attendants who are the workmen concerned in the case working in Hospital-wards of the Assam Oil Company have got genuine grievance in as much as they were directed to do certain additional work on the basis of a new work load formulated and completed by the management in 1969 without consulting the workmen or their union. According to them the job description of the hospital attendants was Job No. 17 which was collected in 1957, jointly by the management and Union. The job description remained in force and the hospital attendants had been carrying on their duties according to the job description of 1957. But the company in 1969 prepared another job description for the hospital attendants as Job No. M. 35 without the knowledge of the union or even the concerned workmen. The job description prepared by the company in 1969 included certain items which were hitherto been done by some other workmen. They further stated that the dispute arose when the company management insisted on the hospital attendants to work in rotation and to do certain items of work which they never did till the end of the year 1970 even though the company prepared the new job description of their own in June 1969. The workmen then protested against such arbitrary action of the company and hence there has been an industrial dispute. The relevant part of



the new job description which was formulated by the company in 1969 and opposed by the union and workmen run as follows :

"Serves patients their food trays and collects the used ones and returns to kitchen. Prepares and serves afternoon tea trays to the patients in the staff ward.

Note :—All the hospital attendants, attached to the General Ward, C. D. Ward and Staff Ward rotate from one place to another according to turn and roster."

This additional workload which finds a place in the new job description of the year 1969 did not find a place in the old job description which was agreed upon between the union and the company in 1957. The objection has therefore been raised by the union as regards the new job description which according to them should not have been imposed on the workmen without their consent or knowledge.

4. The company in their written statement states that the job of hospital attendants had undergone a material change as a result of reorganisation of duties to suit the operational requirements and to provide better service to the patients. According to them there were seven different jobs titles for the job of the hospital attendants at the time when the new job evaluation scheme was introduced on 30th June, 1969. They were job No. M-12-Hospital Attendant (Dresser); Job No. M-14-First-Aid Post Attendant; Job No. M-16 Hospital Attendant (Kitchen); Job No. M-17-Hospital attendant (Dispensary, General Ward, etc.); Job No. M-32 Hospital Attendant, Tinsukia Dispensary; Job No. M. 33-Hospital Attendant, Recording and job No. M. 34-Hospital Attendant (Writer). As a result of the reorganisation the job of the hospital attendants were reduced to three new jobs—(1) Hospital attendant (General Ward, C. D. Ward and Staff Ward) Job No. M-35; (2) Hospital Attendant (Administrative room office, Block Emergency Doctor's room and kitchen). Job No. M-34; and (3) Hospital attendant (O. P. D. and First-Aid Posts)—Job No. M-37. These three items of new job schemes were introduced and evaluated in accordance with job evaluation scheme in 1969. With the introduction of the three new jobs the previous jobs of hospital attendants i.e. Job No. 12, 14, 17, 32, 33 and 34 were abolished with effect from 30-6-1969. Under the new scheme the hospital attendants were not permanently assigned to any of the specific jobs. However, they were required to rotate against any of the said three jobs as per requirements. The nature of the duties of hospital attendants when they were assigned to the Staff ward included among other things serving to patients their food trays, collecting the used ones and returning the same to the kitchen; preparing and serving afternoon tea trays (to the patients of the staff ward). According to the company the duties mentioned are integral parts of the jobs of the hospital attendants and no particular group of the hospital attendants had ever been specifically assigned to do any of those duties only. The hospital attendants when their turn came for working in the staff ward in 1970 raised objection regarding serving the patients their food trays, collecting the used ones and returning the same to the kitchen; preparing and serving afternoon tea trays to the patients in the staff ward on the alleged grounds that the said duties were not covered by their job description. According to the management the hospital attendants should carry out any reasonable order given to them for performance of their assigned duties and which they are capable of doing. There is, therefore, no ground for the hospital attendants objecting to the new assignment of work load to them under the new scheme of 1969.

5. The Assam Oil Company is a public limited company incorporated in England with its Registered Office at Digboi in the district of Dibrugarh, Assam. The company is engaged in exploration, production, refining, distribution and marketing of petroleum and petroleum products. The company provides free medical facilities to the employees and their direct dependants free of charge and for this purpose the company runs a 200 bed full equipped hospital with self-contained operation theatre, radiological and clinical pathology units. The hospital is staffed by well qualified doctors, trained and experienced sisters and staff nurses and a number of subordinate staff including hospital attendants. It is not disputed that the hospital attendants have been doing their work in the respective wards on the basis of the job description which contain in Ext. C-1 dated 31-5-1957.

6. The job description was numbered as M-17 in Ext. C-1. The duties of the hospital attendants and other staff are mentioned in Ext. C-1. It is countersigned by the management as well as the representative of the union on behalf of the workmen. None has disputed that the job description as in Ext. C-1 came into force and the hospital attendants had been doing the work on the basis of the work description in it. As against the above job description the management thought it fit to revise the workload of the hospital attendants and on that basis they formulated workload as per Ext. C-2 dated 30th June, 1969, as the guide line for the hospital attendants to work in future. Ext. C-2 is the same as Ext. M-12. The job description in Ext. C-2 is different from the job description in Ext. C-1 to the extent of the job description which reads as follows :

"Serves patients their food trays and collects the used ones and returns to kitchen.

Prepares and serves afternoon tea trays to the patients in the staff ward.

Note : All the hospital attendants, attached to the General Ward, C. D. Ward and Staff Ward, rotate from one place to another according to turn and roster."

It is this part of the job description which is objected to by the union as well as the workmen on the ground that it is formulated and sought to be brought into force without the knowledge or consent of the union or the workmen.

7. It is in evidence that the dispute relates only to the working of the hospital attendants in the staff ward. The staff ward is intended for the patients who belong to the officers grade in the company. The staff ward was originally known as convalescent room when the British officers were in India as the proprietors of the Assam Oil Company. The allotment of duty among the hospital attendants in the staff ward was made taking into consideration the attendants' smartness, adaptability of food habits, their speaking and understanding knowledge in English. The hospital attendants in other wards however may not require any such qualification. After the British officers left the company the patients of the staff ward continued to be Indian officers. Therefore the company thought that in the allotment of work among the hospital attendants there shall not be any difference so much so the attendants of the other wards should also work in rotation in the staff ward. But the attendants of other wards raised objection as regards the additional workload which was formulated in 1969 on the basis of Ext. C-2—Job description. The company would have it that even prior to 1969 there had been some sort of rotation of work between the hospital attendants of the staff ward and the attendants of other wards in the hospital. But such a case does not find place in the written statement of the company. On the other hand, in the additional written statement of union filed on 20th June, 1973 it is alleged in paragraph 4 as follows :

"The union further states that the said job description was prepared by the Company of their own without the knowledge of the Union nor of the workmen concerned. The company in its written statement in paragraphs 8 and 9 stated that the job character of Hospital Attendants undergone a material change is not a fact. Had there been any considerable material change in the job contents why then there was no change in the grade of the Hospital attendants. The question of providing better service to patients is also not based on facts. Does it mean that patients of Staff ward are only to provide better service and not the other patients in the hospital. The Company's contention that the duty of Hospital attendants is a service to the sick and must develop humanitarian attitude unreal and impracticable. The Company is expected to develop the humanitarian attitude towards the sick people without any discrimination at least in treatment of disease and providing benefits and better service to the patients.

The serving of food tray etc. in the Staff ward by the hospital attendants is a special one in the case of the Executive staff of the company. The special service is not provided to the patients of other wards. The hospital attendants are not required to serve the food stuff nor they collect used ones in other wards."

8. In the rejoinder dated 4th July, 1973 the company in paragraph 5 referred to the union's above additional written statement and the reply was that the new job of hospital attendants had to be reorganised and in accordance with the job evaluation procedure the revised job descriptions for the jobs of hospital attendants those existed in 1969 were collected and evaluated. Nowhere in the written statement of the company it has been asserted that prior to 1969 there was rotation of work between the hospital attendants in the staff ward and the hospital attendants in other wards. However, the witness for the company examined at the trial stated that during the night duty one or two attendants were appointed to look after the work in all the wards including staff ward. From the evidence of that witness it would appear that even an attendant of the general ward would also be put in charge of the staff ward during the night and that they had been doing that work in rotation. But, as pointed out earlier the company had no case in the written statement that any of the attendants of the staff ward rotated their work among the attendants of the general ward or attendants of the general ward rotated with the work of the attendants of the staff ward. The company could have produced documentary evidence in support of their contention if such rotation of work existed between the attendants of general ward and the attendants of the staff ward. The absence of the production of any documentary evidence and a clear cut case in the written statement of the company, it leads to the conclusion that there had been no rotation of work between the two wards.

9. There was no reasonable ground to hold that the hospital attendants in other wards except the staff ward were required to carry food to the patients and bring back the utensils after lunch and dinner and also prepare tea and serve the patients. Even the witness for the management stated that in the general and C. D. wards the cooks used to prepare the food for the patients of those wards. He states, "The cook and cook-mates used to bring the utensils after lunch and dinner." He further states, "There are cook and cook-mates in the staff ward to prepare food but not to supply to the patients and to bring back the utensils. There were hospital attendants who carried foods to the patients in Staff ward." So, it is clear that even according to that witness the hospital attendants of the General and C. D. Wards were not required to supply food to the patients or bring back the utensils after lunch and dinner in their wards. It would, therefore, be unlikely that the attendants of general ward would have been required to do that work in the staff ward. In the absence of any conclusive evidence on the management's side that there had been any rotation of work, it follows that the attendants in the other wards are not required to do the additional work as in Ext. C-2 in the staff ward specially when they had not been doing the said work in the general ward. The attendants of the staff ward were selected on the basis of certain required qualifications in the earlier days. In that case it was not likely that any attendant of other ward would have been asked to do the job in the staff ward even in rotation. The probability was that attendants of the staff ward themselves rotated for the work in the staff ward and they were not required to work in other wards. Ext. C-1 is silent as regards the rotation of work. It was in Ext. C-2 that the rotation of work was introduced. Ext. C-2 says that in the general ward the rotation is against three jobs. There was nothing of that sort mentioned in Ext. C-1. Rotation was first introduced in Ext. C-2. The union had specifically stated in the written statement that there had not been any rotation of work prior to 1969 in respect of attendants of the general ward so far as the work in the staff ward was concerned. As against the contention of the union no clear cut evidence has been brought on record at the instant of the company to establish that prior to 1969 also there had been mutual rotation between the staff ward and the general ward. In the absence of any such evidence the only inference to be drawn from the evidence and circumstances of the case is that the hospital attendants of the staff ward worked in that ward by rotation amongst themselves and the hospital attendants of the general ward and other wards worked in those wards by rotation amongst themselves. The hospital attendants of the general ward had not done the disputed work in the general ward. That work was done by the cooks and cook-mates. It is, therefore, not correct on the part of the management to direct the hospital attendants who had been working all along in the general ward to work in rotation in the staff ward with the new job description imposed on them.

10. It is clear that in spite of the job description in Ext. C-2 which was formulated in June, 1969 it was given effect to only in the later part of 1970 or in the early part of 1971. There is evidence that the company had pressurised some workmen to accept the new job description. Ext. W-18 will indicate that there was some sort of pressure exercised on the workmen to do the work on the basis of the Ext. C-2 job description (See also Ext. M-1). The dispute had been taken to the Conciliation Officer for conciliation. The Conciliation Officer's failure report indicates that the line of defence which the union had taken was the same. The conciliation report is dated 4th July, 1972. So, the dispute was in progress soon after the new scheme was introduced. It is not justified in bringing into force Ext. C-2 the additional job description which is disputed by the workmen. The agreement—Ext. W-30 does not provide for the change in service condition. Paragraphs 4 and 5 of Ext. W-30 provide for the job evaluation for fixing of grade of pay and not for the change in service condition. There is no record to show that the job evaluation committee had considered the change in the service condition. It is clear that there has been a change in the service condition of the workmen.

11. Section 9A of the Industrial Disputes Act prohibits an employer from giving effect to any change in the condition of service applicable to any workmen in respect of any matter specified in the Fourth Schedule of the Act without giving the workmen likely to be affected by such change a notice in the prescribed manner. The prescribed manner of such notice is provided in Rule 34 of the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957 which deals with the notice of change and for effecting service of notice of change in the manner prescribed as in the form no. 'E'. For fulfilling the requirement of Sec. 9A firstly there should be a change in the condition of service and secondly such change should be related only to the condition specified in the Fourth Schedule. Present dispute will come either in item 6 or item 8 of the Fourth Schedule. Evidently the management has not complied with Section 9A read with Central Rule 34 and contents of Form 'E'. A feeble attempt was made however by the management to show that it had given notice of the change by sending out a copy of the job evaluation to the union. That notice is appended to the rejoinder to the written statement of the management. That notice is not in compliance with either Rule 34 or Form 'E'. That notice also does not state the disputed part of the workload. The notice is, therefore, not sufficient for the purpose.

12. In the circumstances I am of the opinion that the management is not justified in changing the conditions of service of the hospital attendants by implementing the job description collected on 30th June, 1969. The Hospital attendants will not be required to work in the Staff ward with the additional work load mentioned in Ext. C-2, though they cannot object to work in the Staff ward by rotation. In the result, the reference is answered in favour of the workmen and an award is passed accordingly.

E. K. MOIDU, Presiding Officer.

Calcutta, the 31st March, 1975

[No. L-30011/3/72-LRIV/D.O. 3(B)]

New Delhi, the 21st April, 1975

**S.O. 1329.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Jaipur Udyog Limited, Phalodi Quarry, Sawai Madhopur and their workmen, which was received by the Central Government on the 14th April, 1975.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,  
RAJASTHAN

C.I.T. Case No. 14 of 1972

Ref. : —Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment), New Delhi Order No. 36/33/69-LR-IV dated 27th October, 1969.

In the Matter of an Industrial Dispute

## BETWEEN

The Management of the Jaipur Udyog Limited, Phalodi Quarry, Sawai Madhopur

## AND

Their workmen represented by Cement Mine Karamchari Sangh, Sawai Madhopur.

## APPEARANCES :

For the Management: Shri D.N. Sharma.

For the Sangh: None

Date of Award : 20th March, 1975

## AWARD

The Government of India have made the following reference to this Tribunal for adjudication:—

“Whether the 121 Beldars mentioned in column 2 of the list below employed in Phalodi Quarry of Messrs Jaipur Udyog Limited are entitled to be redesignated and paid as helpers, and if so from what date?”

S. No.	Name & Father's Name	Designation	Department
1	2	3	4
1.	Shri Rughnath Sharvan	Beldar	Drilling.
2.	Shri Gopal Kanwarlal	„	„
3.	Shri Kishore Chatra	„	„
4.	Ramkishan Surja	„	„
5.	Shri Gopal Nanga	„	„
6.	Shri Jagan Gangoliya	„	„
7.	Shri Sanvliya Pelu	„	„
8.	Jagnath Lookiya	„	„
9.	Shri Gangagran Sanvliya	„	„
10.	Shri Misriya Gopi	„	„
11.	Shri Mangiya Bhura	„	„
12.	Shri Ramphool Gokul	„	„
13.	Shri Bhanwarlal Pannalal	„	Blasting
14.	Shri Gopi Taja	„	„
15.	Shri Hardeva Shyobuksh	„	„
16.	Shri Abhiraj Singh	„	„
17.	Shri Gurubuksh Singh	„	„
18.	Shri Rughnath Pooniya	„	„
19.	Shri Subaram Khajana	„	„
20.	Shri Majzri Mooliya	„	„
21.	Shri Shivcharan Kanhayalal	„	„
22.	Shri Kalyan Bhavana	„	Compressor
23.	Shri Hira Phooliya	„	„
24.	Shri Moti Kanhaya	„	„
25.	Shri Kanhaya Laxmi Narain	„	„

1	2	3	4
26.	Shri Malya Sonya	Beldar	Compressor
27.	Shri Shyonath Rughnath	„	„
28.	Hajari Singh Gangasingh	„	„
29.	Shri Gopal Nathu	„	„
30.	Shri Herupal Chandrapal	„	„
31.	Shri Kashiram Bhojraj	„	„
32.	Shri Janshi Ukar	„	Leku
33.	Shri Kalu Haburiya	„	„
34.	Shri Sumer Singh Mardan Singh	„	„
35.	Shri Mangla Manna	„	„
36.	Shri Chhoga Narain	„	„
37.	Shri Nal Kana Gopal	„	„
38.	Shri Prabhu Balu	„	„
39.	Shri Prahlad Bheru	„	„
40.	Shri Latur Dhanna	„	„
41.	Shri Bharmal Dhulilal	„	Bulrojar
42.	Shri Bajranga Bhura	„	„
43.	Shri Khavaju Pirkhan	„	„
44.	Shri Bhanwar Singh Hira singh	„	„
45.	Shri Gordhan Panchu	„	„
46.	Shri Radho Chhotu	„	„
47.	Shri Kanheys Genda	„	„
48.	Shri Kutulal Batoshi	„	„
49.	Shri Kanhaya Ukar	„	„
50.	Shri Kesra Gangaram	„	„
51.	Shri Durga Laxman	„	„
52.	Shri Hariya Sanvliya	„	„
53.	Shri Prabhu Machopal	„	Gampar
54.	Shri Bhooliya Sonya	„	„
55.	Shri Subhash Chandra	„	„
56.	Shri Gopi Jagan Nath	„	„
57.	Shri Bhoola Banshi	„	„
58.	Shri Prahlad Jagdish	„	„
59.	Shri Ram Prashad Bala	„	„
60.	Shri Ram Narain Ganesh	„	„
61.	Shri Panna Ranjit	„	„
62.	Shri Suwa Bajranga	„	„
63.	Shri Harlal Raghunath	„	„
64.	Shri Ramkayan Ukar	„	„
65.	Shri Sukha Ram Narain	„	„
66.	Shri Girdhari Gandilal	„	Sawal
67.	Shri Ram Kishan Chatur Bhuj	„	„
68.	Shri Laxman Janshi	„	„
69.	Mangilal Narain	„	„
70.	Shri Amir Mohammed Ahmed Khan	„	„
71.	Shri Bajranga	„	„
72.	Shri Bhopal Singh Jaswant Singh	„	„
73.	Shri Kesra Gangaram	„	Traksavetar
74.	Shri Gangadhar Sargha	„	„
75.	Shri Misriya Tulsa	„	Loku
76.	Shri Badri Shankar	„	„
77.	Shri Kasra Dyrsa	„	„
78.	Rambhet Janshi	„	„
79.	Shri Lhanwar Singh Samundra Singh	„	Electric
80.	Shri Pir Mohammed Ahmed Khan	„	„
81.	Shri Alladeen Ahmed Khan	„	„
82.	Shri Banshi	„	Automobiles

1	2	3	4
83. Shri Badri Jagan Nath	Belder	Automobiles	
84. Shri Kajor Haburiya	"	"	
85. Shri Ghosi Govinda	"	"	
86. Shri Sharyan	"	"	
87. Shri Raghunath Mangilal	"	"	
88. Shri Gokul Lachhman	"	"	
89. Shri Raghunath Chhotudas	"	"	
90. Shri Chamel Shah	"	Electric	
91. Shri Moti Baldeva	"	"	
92. Shri Ram Dev	"	"	
93. Shri Narain	"	"	
94. Shri Mukniya Bhagwan	"	Drilling	
95. Shri Kana Harji	"	Inklayan	
96. Shri Govinda Mohan	"	Floor Mill	
97. Shri Viridi Chand Chitar	"	"	
98. Shri Babu Cheola	"	"	
99. Shri Hira Shrilal	"	Bedford	
100. Shri Lalu Chitra	"	Trolylineman	
101. Shri Nathu Shivram	"	"	
102. Shri Abdul Gani	"	"	
103. Shri Laturi Mevaram	"	"	
104. Shri Suwa Harji	"	"	
105. Shri Mohanlal	"	Electric	
106. Shri Kanhayalal Birdilal	"	Trolylinegang	
107. Shri Durga	"	Electric	
108. Shri Kalu	"	"	
109. Shri Balraj Singh	"	"	
110. Shri Ganesh Manphool	"	Carpenter Soap	
111. Shri Prabhu	"	"	
112. Shri Karim Khan	"	"	

The statement of claim was filed on behalf of the Cement Mines Karamchari Sangh, Phalodi. A reply to this statement was filed on behalf of the management of Jaipur Udyog Limited Phalodi, Quarry, Sawai Madhopur.

Evidence of both the parties was recorded. After recording of the evidence the parties sought adjournments on the pretext that talks were going for a settlement but no settlement was filed. Since than no body appeared on behalf of the Karamchari Sangh. Arguments were heard on behalf of the company. It has been submitted by the learned counsel for the company that some disputes between the parties were referred to a Sole Arbitrator and the matter in hand was also covered under those disputes. The Arbitrator has given his award which has to be implemented by the company. According to that award almost all workmen named in the reference shall be re-designated and paid as Helpers. With the implementation of the award of the Arbitrator there shall remain no disputes. A copy of the award passed on the settlement arrived at between the parties has also been filed. This award covers the categories of Beldars and they are to be redesignated and given wages according to the settlement arrived at between the parties. In view of the award of the Arbitrator the demands referred to this Tribunal will be met. The absence of the Sangh before this Tribunal further shows that the Sangh is not now interested in pursuing the reference. Hence a no dispute award is now passed and the reference is answered accordingly.

U. N. Mathur, Presiding Officer  
(No. 36/33/69-LR-IV/D-O-3(B))  
S.H.S. IYER, Section Officer(Spl)

आदेश

नई दिल्ली, 20 मार्च, 1975

क्र० प्रा० 1330:—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपा-  
बद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में कोल माइन्स अथॉरिटी  
लिमिटेड, वेस्टर्न कजोरा कोलियरी, डाकघर रानीगंज, जिला बर्दवान

के प्रबंधन से संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या कोल माइन्स अथॉरिटी लिमिटेड, वेस्टर्न कजोरा कोलियरी डाकघर रानीगंज जिला बर्दवान के प्रबंधन की भूमिगत भारकों सर्वश्री टालू भूष्या और बाली भूष्या की क्रमशः 12 जून, 1973 और 23 सितम्बर, 1973 से कामबन्दी न्योचित है ? यदि नहीं तो उक्त कर्मकार किस अनुसूची के हकदार हैं।

[संख्या एल० 19012/15/74-एल० आर० 2/डी० 3(ए)]

#### ORDER

New Delhi, the 20th March, 1975

S.O. 1330.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Western Kajora Colliery, Coal Mines Authority Limited, Post Office Raniganj, District Burdwan, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7A of the said Act.

#### SCHEDULE

Whether the management of Western Kajora Colliery, Coal Mines Authority Limited, Post Office Raniganj, District Burdwan, is justified in stopping from work Sarva Shri Talo Bhuia and Balki Bhuia, Underground loaders, with effect from 12th June, 1973 and 23rd September, 1973, respectively ? If not, to what relief are the said workmen entitled ?

[No. L-19012/15/74-LR11/DIII(A)]

आदेश

नई दिल्ली, 21 मार्च, 1975

क्र० प्रा० 1331:—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स भारत कोकिय कोल लिमिटेड की खोदना कोलियरी, डाकघर शरिया, जिला धनबाद के प्रबंधन से सम्बंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

## अनुसूची

क्या मैसर्स भारत कोकिंग कोल लिमिटेड की लोदना कोलियरी, डाकघर भरिया, धनबाद के प्रबंधक को, श्री मोहम्मद अली बुख, विद्युत फिटर को 18-4-1974 से काम बन्दी करने की कार्यवाही ब्याप्यचित थी ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?

[संख्या एल० 20012/92/74-एल० आर०-2/डी-3(ए)]

## ORDER

New Delhi, the 21st March, 1975

S.O. 1331.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Lodna Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Jharra, District Dhanbad, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, Therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad constituted under section 7A of the said Act.

## SCHEDULE

Whether the management of Lodna Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Jharra, Dhanbad, was justified in stopping from work Shri Mohammad Ali Bux, Electrical Fitter, with effect from 18-4-1974 ? If not to what relief is the workman entitled ?

[No. L-20012/92/74-I.R II/D. III(A)]

## आदेश

का० आ० 1332—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपा-बद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में कोल माइन्स अथोरिटी लिमिटेड की बंकोला कोलियरी, डाकघर उखरा, जिला बर्दवान के प्रबंधक से संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कलकता को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है ।

## अनुसूची

1. क्या कोल माइन्स अथोरिटी लिमिटेड की बंकोला कोलियरी, डाकघर उखरा, जिला बर्दवान के श्री राधे तुरी ड्रेसर द्वारा 21-3-1974 को अपने ड्रेसर के कार्य के अतिरिक्त कोयला काटने से इनकार करना न्यायोचित था ?

2. क्या बंकोला कोलियरी के प्रबंधक द्वारा श्री राधे तुरी ड्रेसर का 6-5-74 से 8-5-74 तक तीन दिन का निन्वयन ब्याप्यचित है ?

3. यदि नहीं तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?

[संख्या एल० 19012/6/74-एल० आर० 2/डी3(ए)]

## ORDER

S. O. 1332.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Bankola Colliery of Coal Mines Authority Limited, Post Office Ukhra, District Burdwan, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7A of the said Act.

## SCHEDULE

I. Whether the refusal of Shri Radhe Turi Dresser of Bankola Colliery of Coal Mines Authority Limited, Post Office Ukhra, District Burdwan, on 21-3-74 to cut coal in addition to his job of a Dresser was justified ?

II. Whether the suspension of Shri Radhe Turi, Dresser for three days with effect from 6-5-1974 to 8-5-1974 by the Management of Bankola Colliery is justified ?

III. If not, to what relief the workman is entitled ?

[No. L-19012/6/74-LR II/D. III(A)]

## आदेश

नई दिल्ली, 24 मार्च, 1975

का० आ० 1333.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स कोल माइन्स अथोरिटी लिमिटेड को प्योर लेकडिह कोलियरी डाकघर निरसाहट्टी, जिला धनबाद के प्रबंधक से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण संख्या 2, धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है ।

## अनुसूची

क्या मैसर्स कोल माइन्स अथोरिटी लिमिटेड की प्योर लेकडिह कोलियरी, डाकघर निरसाहट्टी, जिला धनबाद के प्रबंधक को श्री नरहारे बराद को कालानुपातो दर धमिक का कार्य न देने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो सम्बन्धित कर्मकार किस अनुतोष का और किस तारीख से हकदार है ?

[संख्या एल०-20012/149/74-एल० आर० 2/डी-3(ए)]

एल०के० नारायणन, अनुभाग अधिकारी (विशेष)

## ORDER

New Delhi, the 24th March, 1975

S. O. 1333.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Pure Laikdih Colliery, Messrs Coal Mines Authority Limited, Post Office Nirsachatti, District Dhanbad and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And Whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad constituted under section 7A of the said Act.

#### SCHEDULE

Whether the action of the management of Pure Laikdih Colliery of Messrs Coal Mines Authority Limited, Post Office Nirsachatti, District Dhanbad, in not providing the job of time rated worker to Shri Narahari Barad, is justified? If not to what relief the concerned workman is entitled and from what date?

[No. L-20012/149/74-LR.II/D.III(A)]

New Delhi, the 19th April, 1975

**S. O. 1334.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Monidih Project of Messrs National Coal Development Corporation Limited, Post Office, Monidih, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 16th April, 1975.

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (No. 2) AT DHANBAD

Reference No. 15 of 1972

In the matter of an industrial dispute u/s 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Monidih Project of Messrs. National Coal Development Corporation Limited, Post Office, Monidih, District Dhanbad.

#### AND

Their Workmen.

#### APPEARANCES :

On behalf of the employers—Shri T. P. Choudhury, Advocate.

On behalf of the workmen—Shri B. Joshi, Advocate.

State : Bihar

Industry : Coal.

Dhanbad, the 9th April, 1975

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour and Rehabilitation in the Department of Labour and Employment is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Monidih Project of Messrs National Coal Development Corporation Ltd., Post Office Monidih, District Dhanbad and their workmen. Accordingly by their order No. I/20012/92/72-LR.II dated 20-12-1972 they referred the same to this Tribunal u/s 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication with the following issue framed :

#### SCHEDULE

"Whether the action of the management of Monidih Project of Messrs National Coal Development Corporation Limited, Post Office, Monidih, District Dhanbad, in down-grading Shri Pravir Kumar Pandey from the post of Compressor Fitter category IV to the post of Compressor Helper Category

II, on the minimum of the pay scale, is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. Admittedly, in the early hours of 25-2-1971 there was a fatal accident inside the mine resulting in the death of one Kaileshwar Singh a mining sirdar. The case of the employers is that there was a commotion amongst the workers and the workmen of the first shift beginning at 7 A.M. refused to go down the mine and collected at the pit top. They demanded a paid holiday. The workmen further made a demand that a sum of Rs. 500 should be paid to the family members of the deceased as compensation. Thereafter the mob got excited and wanted suspension and transfer of some officers of the colliery. The mob broke open the door of the pit top office and assaulted some officers sitting there. Shri Pravir Kumar Pandey the concerned workman also took part in breaking open the door of the Assistant Manager's office and assaulted Shri H. N. Singh, Probationary Mining Engineer. He was also found to lead the mob. It is alleged that Shri P. K. Pandey was not on duty on the first shift on 25-2-1971 but he had entered into mining premises in an unauthorised manner violating regulation 38 of the Coal Mines Regulation. Charge sheets were issued to 12 persons including Shri P. K. Pandey levelling various charges. Thereafter a joint enquiry submitted his report to the management and the management after careful consideration of the report of the enquiry officer demoted Shri P. K. Pandey from fitter-category IV to fitter helper category II on the minimum pay scale. Accordingly the question remains if the punishment meted out to Shri P. K. Pandey is justified. The union representing the workmen filed written statement in which all the allegations against Shri P. K. Pandey are denied. It is alleged that on 25-2-1971 Shri P. K. Pandey who was on sick leave had gone to Kirdend bazar in the morning where he fell sick and he came back to the colliery in the evening and on a fit certificate issued by the medical officer of the colliery he joined his duty on 26-2-1971. The domestic enquiry has been challenged on the ground that the principles of natural justice were violated, the enquiry officer was biased against Shri P. K. Pandey and so on and so forth. The findings of the enquiry officer is challenged as perverse. The action of the management is alleged to be actuated by their eagerness to victimise Shri Pandey because of his trade union activities.

3. From the side of the management an application was filed on 17-4-1974 with a prayer to the Tribunal to try the validity and propriety of the domestic enquiry as a preliminary issue in the first instance and to allow them an opportunity to adduce evidence on merit in case domestic enquiry is found defective. The prayer of the employers was allowed. My finding on the preliminary point was that the domestic enquiry was vitiated. Being called upon by this Tribunal the employee's adduced evidence on merit to justify their action. It may be mentioned here that the charges framed against Shri Pandey were many like instigating the workers in the first shift to strike work, causing wilful damage to work in progress, assaulting the Assistant Mining Engineer, contravening regulation 38 of the Coal Mines Regulation. He was however exonerated of all the charges except contravention of regulation 38 of the Coal Mines Regulations by entering the mine premises on the morning of 25-2-1971 when he was on sick leave. My main consideration in this case should be if Shri Pandey actually contravened regulation 38. In the present hearing before me Shri S. P. Mathur who was the Project Officer in Monidih Project examined himself and about his qualification he says that he is Mining Engineer having had his training in India and also in the U.K. and U.S.S.R. He had been to Poland and U.S.S.R. in connection with mining planning. I am of course not so much concerned about the qualifications and training of Shri Mathur but this much can be said that he is a responsible officer. His evidence before me is that because of the accident in the early hours he had come to the mine and had to face the agitation of the workmen in respect of various matters and after sometime the situation became almost peaceful after he had conceded some of the demands of the workmen. Again there was spurt in agitation and the workmen shouted slogans and as a matter of fact the crowd became restive. Shri Mathur went inside the room of the Assistant Colliery Manager near the pit top office. Soon after Shri Pravir Kumar Pandey (identified) entered the room and asked him in threatening voice "AP KAILESHWAR SINGH KO FAMILY KO PANCH SOU RUPYA DENG YE NAHIN" Shri Mathur expressed his inability and then Shri Pandey left the room. As against this Shri Pandey has taken the plea of what may be called

alibi. It is his evidence that on 25-2-1971 he was on sick leave and he had gone to Kirkend bazar to purchase some fruits. He felt pain in the abdomen and fell down unconscious. Some people had taken him to the chamber of one Dr. Banerjee where he was treated by him and he remained there upto 4 P.M. Dr. Basudev Banerjee of Kirkend bazar was examined before me as WW2 and he proves the medical certificate issued by him (Ext. W7). The Doctor's evidence is that Shri Pandey had partial intestinal obstruction and he issued a prescription for his treatment. In the medical certificate the doctor says that Shri Pandey was suffering from acute pain in the abdomen and he attended him at 9 A.M. on 25-2-1971 when he was semi-conscious. After consciousness he was allowed to go home after 4 P.M. Without any disrespect to the learned Doctor and without meaning any prejudice to him it looks as though the medical certificate has been prepared to suit the case of Shri Pandey. Shri Pandey it appears was sick for 13 or 14 days from before 25-2-1971 as we understand from the Doctor he had intestinal obstruction. In such circumstances it was good of him to have taken the risk of going all the way to Kirkend bazar to purchase some fruits. Of course Shri Pandey says that he used taxi to go to the bazar. The above fact is very important to Shri Pandey but strangely enough he had not a word to say in reply to the charge sheet issued to him about his going to Kirkend bazar and about all that happening there. This fact does not do credit to his plea of alibi. Shri Pandey in justification of his taking the medical certificate from Dr. Banerjee on 25-2-1971 i.e. before charge sheet was issued to him, says that he took the certificate in anticipation of requirement before the colliery Doctor. On the expiry of his leave on 25-2-1971 he had to get a fit certificate from the colliery doctor and I do not understand what was the necessity of taking a medical certificate from Dr. Banerjee about his illness when he was already on sick leave and when he did not extend his leave further. Last of all Shri Pandey denies the suggestion from the employers side that the medical certificate is a concocted one created for the purpose of his case. As for the doctor he says he maintains register of patients examined and treated by him and he issued the certificate without ascertaining the requirement thereon for his patient. I have very carefully weighed the evidence regarding his plea of alibi and I do not find it possible to rely upon the patient and his doctor in respect of alleged happening at Kirkend bazar on 25-2-1971. Whatever might have been the case in the domestic enquiry Shri S. P. Mathur has presented himself before me and examined himself. The evidence as it stands I am inclined to believe not because of his qualifications and his training but because of its intrinsic value. Believing as I do the evidence of Shri Mathur about the part played by Shri Pravir Kumar Pandey I take up the case of the employers about the contravention of regulation 38 by the workmen. Regulation 1(8) of the Coal Mines Regulations provides that subject to the provision of the Act and of the regulation and orders made thereunder no person shall remain in mine beyond the period over which his shifts extends. It is submitted from the side of the workmen that the Assistant Manager's Office where Shri Pandey is alleged to have gone is not a mine or part of the mine and accordingly it does constitute violation of regulation 38. The case between Sirajuddin & Co. and their workmen reported in 3 Supreme Court Labour Judgements is helpful to us. To quote from the judgement of the Supreme Court... "It is significant that the definition of mine under section 2(i) excludes the office of a mine which is separately defined by Section 2(k) as meaning an office at the surface of the mine so that there is no doubt that the office of the mine though it may be situated at the surface of the mine itself is not within the definition of mine." So it is clear from the above judgement that the office of the mine though situated on the surface is not within the mine. Shri Pandey came to the Assistant Manager's office on the surface of the mine and it can not therefore be said that he had come to the mine outside his duty hours so as to come within the mischief of regulation 38. In that view of the matter he cannot be said to have committed an offence. Now, let us for arguments sake assume that the Assistant Manager's office at the pit top is a part of the mine. Still then the case is no better for the employers. Shri T. P. Choudhury learned Advocate appearing for the employers concedes that innocent entry in the mines even after duty hours is no offence. The question remains—does the conduct of Shri Pandey constitute an innocent entry. Recantulating the facts it may be stated that due to accidental death of Shri Kaileshwar Singh in the mine there was a commotion. I do not think that exception can be taken if the other workmen of the colliery who were

comrades in work with the deceased come to the mine hearing the news of an accidental death on the other hand I am inclined to think that it is only natural for the workmen of the colliery who had no duty in that shift to rush to the colliery after hearing the news of the accidental death of one of their comrades in work. So did Shri Pandey come and he asked the Project Officer if the latter would give a grant of Rs. 500 to the family of the deceased or not and when the Project Officer expressed his inability Shri Pandey left the place. In my opinion if a co-worker being sympathetic to the helpless family member of the deceased asks for a compensation of Rs. 500 for the family. I do not know what wrong he had committed. Of course the ointment is not without a fly as we have it from the evidence of Shri Mathur that Shri Pandey demanded Rs. 500 for the family of the deceased in a threatening voice. "Threatening voice" is all that matters here and all that makes the difference between innocence and guilt. We should lose sight of the excitement of the co-workers of the deceased because of the accident in mine. I may take judicial notice of the fact that extreme excitement in a person of even coolest temperament makes him speak which may sound to be falling from a threatening voice. I do not hold any brief for the concerned workman here but facts and circumstance as they are I am inclined to think that his voice even if it was somewhat threatening should not be taken exception to in the facts and circumstances of the case. Accordingly the entry of Shri Pravir Kumar Pandey in the mines outside the duty hours on the date verges on innocent entry and I am of opinion that the concerned workman cannot be roped in within the mischief of regulation 38, whatever other law he might be roped in, I do not know.

In the result, the action of the management of the Monidih Project of Messrs National Coal Development Corporation Limited in down-grading Shri Pravir Kumar Pandey from the post of Compressor-fitter category IV to the post of Compressor-helper category II on the minimum of the scale is not justified. He be put back to his original post of Compressor-Fitter in Category IV from the date of his down-grading to Category II and he be paid the difference in emoluments suffered by him because of the down-grading.

This is my award.

K. K. SARKAR,  
Presiding Officer.

[No. L-20012/92/72-LR.II/D.III(A)]

L. K. NARAYANAN, Section Officer (Spl.)

प्रादेश

नई दिल्ली, 21 मार्च, 1975

का० प्रा० 1335 :—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है, कि इससे उपाख्य अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों में के बारे में चैयरमैन, मद्रास नौ-भरक संस्थान, नार्थ बीच रोड, मद्रास-1, से सम्बन्धित नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री टी० पालानी अम्पन होंगे, जिनका मुख्यालय मद्रास में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है ।

अनुसूची

क्या चैयरमैन, मद्रास नौभरक एसोसिएशन का तमिल नाडु परतन और मोदी श्रमिक कल्याण एसोसिएशन के महा सचिव श्री के० मुखियाह

की 25 फरवरी, 1974 से सेवाएं समाप्त करना न्यायोचित था ? यदि नहीं, तो वह किस अनुतोष का और किस तारीख से हकदार है ?  
[संख्या एल० 33012/1/74-पी० एण्ड० डी०/सी०एस० टी०/डी०-4 (ए)]

## ORDER

New Delhi, the 21st March, 1975

**S. O. 1335.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Chairman, Madras Stevedores Association, North Beach Road, Madras-1, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, Whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri T. Palaniappan shall be the Presiding Officer with the headquarters at Madras and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

## SCHEDULE

Whether the Chairman, Madras Stevedores Association was justified in terminating the services of Shri K. Muthiah, General Secretary of Tamilnadu Port and Dock Workers Welfare Association with effect from the 25th February, 1974. If not, to what relief is he entitled and from what date ?

[No. L-33012/1/74-P&amp;D/CMT/D. IV(A)]

## आदेश

नई दिल्ली, 2 अप्रैल, 1975

**का०आ० 1336.**—यतः 22 नौभरकों, जिनका प्रतिनिधित्व मास्टर नौभर संगम, कलकत्ता-1 करता है, के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजक और उनके कर्मकार, जिनका प्रतिनिधित्व कलकत्ता डाक कर्मकार संघ, कलकत्ता-23 और रजिस्ट्रीकृत तथा अरजिस्ट्रीकृत डाक कर्मकार, संघ, कलकत्ता-23 करता है, ने औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा 2 के अधीन केन्द्रीय सरकार को संयुक्त रूप से एक आवेदन, उक्त आवेदन में उपबर्णित और इससे उपावद्ध अनुमोची में उद्धृत विषयों के बारे में उनके बीच विद्यमान औद्योगिक विवाद का किसी औद्योगिक अधिकरण को निदेशित करने के लिये दिया है;

और यतः केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि आवेदन करने वाले व्यक्ति प्रत्येक पक्ष के बहुमत का प्रतिनिधित्व करते हैं;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कहलवा, को न्याय-निर्णयन के लिये निर्देशित करती है।

## अनुमोची

क्या कलकत्ता डाक श्रमिक बोर्ड के अधीन अपने रजिस्ट्रीकरण, अर्थात् 1-10-1971, से पूर्व विभिन्न नौभरकों के अधीन, की गई सेवाओं की अवधि के लिये कर्मकारों की (1) उपदान (2) बीमारी की छुट्टी (3) आकस्मिक छुट्टी (4) विशेषाधिकार छुट्टी (5) बालक-शिक्षा-भत्ते (6) साप्ताहिक छुट्टी (7) सवेनन छुट्टियों और (8) हाजिरी भत्ते के संदाय से संबंधित मांग न्यायोचित है; यदि हां, तो वे किस अनुतोष के

और किस तारीख से हकदार हैं ? क्या कर्मकारों की, 30 रुपये (तीस रुपये) केवल प्रति मास की दर से 1-10-1971 से अनुवन्धी प्रवास से सफाई शुल्क के संदाय से संबंधित मांग न्यायोचित है ? यदि हां, तो वे किस अनुतोष के और किस तारीख से हकदार हैं ?

[संख्या एल० 32014/1/74-पी० एण्ड० डी०/सी०एस० टी०/डी०-4(ए)]

नन्दनाल, अनुभाग अधिकारी

## ORDER

New Delhi, the 2nd April, 1975

**S.O. 1336.**—Whereas the employers in relation to the management of 22 Stevedores represented by Master Stevedores' Association Calcutta-1 and their workmen represented by Calcutta Dock Workers Union, Calcutta-23 and Registered and Unregistered Dock Workers Union Calcutta-23 have jointly applied to the Central Government under sub-section (2) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), for reference of an industrial dispute that exists between them to an industrial Tribunal in respect of the matters set forth in the said application and reproduced in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government is satisfied that the persons applying represent the majority of each party;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta constituted under section 7A of the said Act.

## SCHEDULE

Whether the demand of the workmen relating to payment of (i) Gratuity (ii) sick leave (iii) casual leave (iv) privilege leave (v) children education allowance (vi) weekly off (vii) holidays with pay and (viii) attendance allowance for the period of services rendered under the different stevedores prior to their registration under the Calcutta Dock Labour Board i.e. 1-10-71 is justified;

If so, to what relief they are entitled to and from what date ? Whether the demand of the workmen relating to payment of cleaning charges at the rate of Rs. 30 (Rupees Thirty) only per month with retrospective effect from 1-10-1971 is justified ? If so, to what relief they are entitled and from what date ?

[No. L-32014/1/74-P&amp;D/CMT/D.IV(A)]

New Delhi, the 16th April, 1975

**S.O. 1337.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Union Weighment Company, 1/1, Bengali Sheh Warshi Lane, Calcutta and their workmen, which was received by the Central Government on the 14th April, 1975.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL.  
CALCUTTA.

Reference No. 6 of 1974

## PRESENT :

Shri E. K. Moidin, Presiding Officer.

## Parties :

Employers in relation to the management of Messrs. Union Weighment Company.

AND  
Their Workmen

## APPEARANCE :

On behalf of Management—Sri K. K. Moitra, Advocate.

On behalf of Workmen—Absent.

State : West Bengal.

Industry : Port &amp; Dock.